3 | राजधानी
जूनियर डॉक्टरों का कार्य बहिष्कार जारी रहा

6 | अभिमत
बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन

11 | विदेश
बांग्लादेश में आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित

12 | स्पोर्ट्स
रौनक दहिया को कांस्य पदक

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 297
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

राजनीति नहीं छोड़ूंगा, नई पार्टी बनाने को तैयार हूं : चंपई सोरेन

राष्ट्रीय-9

जेलेंस्की से शांतिपूर्ण हल पर चर्चा करेंगे मोदी

● पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर वारसा पहुंचे मोदी, 45 साल में किसी भारतीय पीएम की पहली पोलैंड यात्रा

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

पोलैंड की राजधानी वारसा पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे। इस दौरान वे यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे। प्रधानमंत्री ने यात्रा पर जाने से पहले कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ दृष्टिकोण साझा करने के लिए उत्सुक हैं। यात्रा के पहले चरण में मोदी 21 और 22 अगस्त को पोलिश राजधानी वारसॉ का दौरा कर रहे हैं। यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी। 1991 में देश के स्वतंत्र होने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा में मोदी 23 अगस्त को लगभग सात घंटे तक कीव में रहेंगे। यात्रा से पहले मोदी ने यूक्रेन संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि एक मित्र और भागीदार के रूप में, भारत इस क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता की वापसी की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, पोलैंड से, मैं राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा करूंगा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा है। उन्होंने कहा, मैं द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और चल रहे यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने कहा, एक मित्र और भागीदार के रूप में, हम क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता की वापसी की उम्मीद करते हैं। मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वारसॉ और कीव की उनकी यात्रा दोनों देशों के साथ व्यापक संपर्कों की स्वाभाविक निरंतरता के रूप में काम करेगी और आने वाले वर्षों में मजबूत और अधिक जीवंत संबंधों की नींव बनाने में मदद करेगी।

प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक रेल फ़ोर्स वन ट्रेन से यात्रा करेंगे जिसमें लगभग 10 घंटे लगेंगे। वापसी यात्रा भी इतनी ही अवधि की होगी। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ सहित कई विश्व नेताओं ने ट्रेन से कीव का दौरा किया है। मोदी की कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के लगभग छह सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी। भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के समाधान का आह्वान करता रहा है। पिछले महीने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी शिखर वार्ता में मोदी ने कहा था कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान पर संभव नहीं है और बम और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को कहा कि मोदी की यूक्रेन यात्रा 'ऐतिहासिक' होगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा, स्थायी शांति केवल उन विकल्पों के माध्यम से हासिल की जा सकती है जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हों। और यह केवल बातचीत से ही समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा, हमारी ओर से, भारत सभी हितधारकों के साथ जुड़ना जारी रखेगा। पोलैंड की अपनी यात्रा पर मोदी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मुलाकात के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, पोलैंड की मेरी यात्रा तब हो रही है जब हम अपने राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे कर रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक भागीदार है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता हमारे रिश्ते को और मजबूत करती है। मैं हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधान मंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मोदी ने कहा, मैं पोलैंड में जीवंत भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करूंगा। यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी।

उपेंद्र कुशवाहा, मनन कुमार मिश्रा, किरण चौधरी, ममता मोहंता, जॉर्ज कुरियन, धैर्यशील पाटिल, नितिन पाटिल, रवनीत सिंह बिट्टू

राज्यसभा में बहुमत के आंकड़े को पाने के लिए एनडीए लगाएगा जोर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा नेता किरण चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, सुप्रीम कोर्ट के वकील मनन कुमार मिश्रा, प्रसिद्ध कुडुमी समुदाय की नेता ममता मोहंता, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन, भाजपा और राकांपा के उम्मीदवार धैर्यशील पाटिल और नितिन पाटिल, मिशन रंजन दास और रामेश्वर तेली और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने बुधवार को उच्च सदन की 12 रिक्त सीटों के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के लिए उपचुनाव एनडीए की राज्यसभा संख्या को बहुमत के आंकड़े से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं, जो विधेयकों को पारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

राज्यसभा की वर्तमान प्रभावी ताकत 229 है- इसमें से, भाजपा के पास 87 सांसद हैं, एनडीए सहयोगियों की संख्या 105 है। छह नामांकित सांसदों के समर्थन से एनडीए की ताकत 111 तक पहुंच जाती है, जो आधे से चार कम है। विपक्ष के 84 सदस्य हैं- कांग्रेस के 26, और सहयोगी दलों के 58। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण 12 में से कई सीटें खाली हो गईं। हरियाणा से, भाजपा नेता किरण चौधरी ने बुधवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जजपा के कुछ बागी विधायकों ने भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया। चौधरी द्वारा अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, पार्टी के कई विधायक, राज्य के लिए पार्टी के सह-प्रभारी बिप्लब कुमार देब और जजपा के कुछ बागी भी मौजूद थे। राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का बुधवार को आखिरी दिन था। कांग्रेस छोड़ने के लगभग दो महीने बाद, मंगलवार को विधानसभा से इस्तीफा देने के तुरंत बाद भाजपा ने चौधरी को उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया। उन्होंने हरियाणा विधानसभा में तोशाम सीट का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद हरियाणा में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए उपचुनाव जरूरी हो गया था। उनका राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त होना था।

जयपुर में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और दीया कुमारी और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी थे। अपना नामांकन पत्र जमा करने से पहले, बिट्टू ने भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान राजस्थान से राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में अपने चयन के लिए आभार व्यक्त किया। राजस्थान में कुल 10 राज्यसभा सीटें हैं, जिनमें से एक खाली है। नौ सीटों में से बीजेपी के पास चार और कांग्रेस के पास पांच हैं. पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू इस साल मार्च में भाजपा में शामिल हुए और लोकसभा चुनाव लड़ा।

(शेष पृष्ठ 9)

आंध्र प्रदेश के एनेकापल्ले में फार्मा कंपनी की यूनिट में लगी आग को बुझाने में लगे दमकल कर्मी।

आंध्र में फार्मा यूनिट में लगी आग, 13 की मौत

पीटीआई। अचुतापुरम (आंध्र प्रदेश)

यहां एक दवा इकाई में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 13 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनाकापल्ली जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने कहा कि अनाकापल्ली जिले के अचुतापुरम में एस्किंतिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर 2.15 बजे आग लग गई। फ़ैक्टरी दो पालियों में 381 कर्मचारियों के साथ संचालित होती है। यह विस्फोट दोपहर के भोजन के समय हुआ। इसलिए, कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। उन्होंने कहा कि विस्फोट बिजली से संबंधित होने का संदेह है। कम से कम 33 घायल लोगों को अनाकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया, जबकि अग्निशमन विभाग छह अग्निशमन गाड़ियों को तैनात करते हुए बचाव कार्य में लगा हुआ है। इसके अलावा, कलेक्टर ने कहा कि यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचाया गया। इस बीच, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार मरने वाले श्रमिकों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। इंटरमीडिएट केमिकल्स और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स

(शेष पृष्ठ 9)

बालिकाओं के साथ घटी घटनाओं ने उजागर किया पीडीए का वास्तविक चेहरा: योगी

● कहा, आसान नहीं कल्याण सिंह होना, चुनना पड़ता है त्याग और बलिदान का मार्ग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस के दूसरे संस्करण के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता की ओर से बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कल्याण सिंह के संघर्षों और चुनौतियों की यात्रा को शिखर से शून्य की यात्रा करार दिया। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति कल्याण सिंह अचानक नहीं बन जाता। कल्याण सिंह बनने के लिए संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान का मार्ग चुनना पड़ता है। चुनौती और संघर्ष जब सामने होता है तो त्याग और बलिदान का जज्बा पैदा होता है, तब कोई भी ताकत आपको झुका नहीं सकती, आपका बाल भी बांका नहीं कर सकती है। एक अपार जनआस्था और विश्वास आपके साथ खड़ा होता है। इस अपार जनविश्वास के प्रतीक श्रद्धेय कल्याण सिंह जी बने। उन्होंने उस समय की ताकतों का मुकाबला किया, विपरीत परिस्थितियों में काम किया, लेकिन श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के मार्ग से कतई नहीं हटे। अंतत: परिणाम आज हमारे सामने है। आज उसकी सुखद अनुभूति पूरी दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में समाजवादी पार्टी और इसके मुखिया पर भी हमला किया और पीडीए पर गंभीर सवाल उठाए।

योगी ने बाबू जी (कल्याण सिंह) को उनकी तीसरी पुण्ण तिथि पर कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि अलीगढ़ के एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले बाबूजी ने शुरुआत से ही संघर्ष और चुनौतियों का मुकाबला करना सीख लिया था। पहले किसान और फिर शिक्षक, आरएसएस के स्वयंसेवी, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ करने वाले बाबू जी की यात्रा शून्य से शिखर तक की यात्रा है। वे विधायक भी थे, सांसद भी थे। वह प्रदेश सरकार में कांग्रेस की दमनकारी नीतियों के खिलाफ और आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के दौरान जेल में भी बंद हुए थे।

(शेष पृष्ठ 9)

हल्के वाहन डीएल मामले पर सुनवाई बहाल होगी

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने इस कानूनी सवाल पर सुनवाई फिर से शुरू करने का बुधवार को फैसला किया कि क्या हल्के मोटर वाहन के लिए ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक के वजन वाले ऐसे परिवहन वाहन को चला सकता है, जिस पर कोई सामान नहीं लदा हो। केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि हालांकि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम 1988 में संशोधन के लिए परामर्श की प्रक्रिया लगभग पूरा हो चुकी है लेकिन प्रस्तावित संशोधनों को अभी संसद के समक्ष पेश किया जाना बाकी है। इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह फैसला सुनाया। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि संशोधित विधेयक को शीतकालीन सत्र में संसद के समक्ष पेश किया जा सकता है। उन्होंने पीठ को सुझाव दिया कि या तो संसद द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने

(शेष पृष्ठ 9)

डॉक्टरों के साथ खिलाड़ी, इंजीनियर भी आंदोलन में शामिल

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

● कोलकाता मामला: सीआईएसएफ अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया

कोलकाता अपने सदियों पुराने प्रतीक चिन्ह – मिछिल नगरी या जुलूसों का शहर के प्रति वफादार बना हुआ है और बुधवार को खिलाड़ी और इंजीनियर, आईटी कर्मी आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या मामले के खिलाफ चल रहे विरोध आंदोलन में डॉक्टरों के साथ शामिल हो गए। फुटबॉल, तैराकी, एथलेटिक्स आदि जैसे असंख्य क्षेत्रों के अनुभवी खिलाड़ी 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के लिए 'न्याय' के लिए मार्च में शामिल हुए, जिसके साथ 8 अगस्त की सुबह कथित तौर पर बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। मार्च में शामिल होने वालों में शतरंज के ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ, तैराक बुला चौधरी, धावक ज्योतिर्मयी सिकदर और राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी गौतम सरकार शामिल थे। चौधरी ने कहा, हम युवा महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए नहीं बल्कि पूरे समाज को न्याय दिलाने के लिए शामिल हुए हैं। बहुत हो गया, अब हम इस दूषित व्यवस्था में सांस नहीं ले सकते जहां सब कुछ सड़ रहा है। कल यह मेरे परिवार के सदस्य या किसी और के भी हो सकते हैं।

सरकार ने भी आवाज उठाते हुए कहा, 'दोषियों को फांसी नहीं होनी चाहिए, बल्कि जिस व्यवस्था में वे पनपते हैं, उस व्यवस्था को फांसी होनी चाहिए...भ्रष्टों द्वारा, भ्रष्टाचारियों के लिए और भ्रष्टाचारियों के लिए यह शासन खत्म होना चाहिए क्योंकि इस भ्रष्टाचार के दलदल में ये शैतान पैदा होते हैं... राज्य के अलावा और कौन ऐसा कर सकता है... हम राज्य के लिए न्याय की मांग करते हैं... अगर एक डॉक्टर अपने ही अस्पताल के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर एक पत्रकार अपने ही कार्यालय के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर कोई महिला पुलिसकर्मी पुलिस स्टेशन के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर कोई खिलाड़ी कैंप के अंदर सुरक्षित नहीं है... या उस मामले के लिए अगर कोई राजनेता विधायिका के अंदर सुरक्षित नहीं है तो कौन किस स्थान पर सुरक्षित है। एक पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी ने कहा, यह वह आवाज है जो समाज के भीतर से उठी है और इसे संबोधित किया जाना चाहिए

(शेष पृष्ठ 9)

पोलैंड में भारतीय रेस्तरां के डोसा व बटर चिकन की धूम

पीटीआई। वारसॉ

पोलैंड में भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हैं और विभिन्न भारतीय रेस्तरां स्वादिष्ट व्यंजनों की बढ़ती मांग को पूरा कर रहे हैं। वहीं, भारतीय रेस्तरां में आने वाले पोलैंडवासियों का कहना है कि डोसा और बटर चिकन जैसे व्यंजन उन्हें भारत यात्रा की याद दिलाते हैं। पोलैंड में स्थित भारतीय दूतावास की सूची के अनुसार, पोलैंड में 45 से अधिक भारतीय रेस्तरां विभिन्न प्रकार के पारंपरिक भारतीय भोजन परोस रहे हैं जिनमें से राजधानी वारसॉ में कम से कम 12 रेस्तरां हैं। भारत और भारतीय भोजन एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं, क्योंकि वारसॉ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए उत्साहित है। मोदी बुधवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंच चुके हैं। यह 45 वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली आधिकारिक यात्रा है।

वारसॉ में, एक गुजराती व्यवसाई चेतन नंदानी ने हाल में चायवाला नाम से एक रेस्तरां खोला है। नंदानी पहले से ही करी हाउस नामक रेस्तरां के भी मालिक हैं। उन्होंने पोलैंड में भारतीय खाने की बढ़ती मांग को देखते हुए चायवाला नामक रेस्तरां खोला है। उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा करने वाले पोलैंडवासी दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में जाते हैं और उन्हें यहां कई अन्य

(शेष पृष्ठ 9)

कीटनाशक से मछली मारने का बड़ा है दुष्प्रभाव

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में गंगा नदी के निचले इलाकों में क्रस्टेशियन या झींगा मछली को मारने के लिए कई मछुआरे बाजार में उपलब्ध जहरीले कीटनाशकों, खास तौर पर सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड्स का अवैध रूप से अंधाधुंध इस्तेमाल कर रहे हैं। आईसीएआर-केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस चलन को लंबे समय तक जारी रहने से नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बहुत नुकसान हो सकता है। शोध में पता चला है कि गंगा नदी से मछली के ऊतकों (टिश्यूज) में कीटनाशक के अवशेष मौजूद हैं, हालांकि वर्तमान में यह मात्रा मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माने जाने वाले स्तरों से नीचे है।

शोधकर्ताओं ने इस संबंध में चेतावनी जारी करते हुए इस संबंध में तत्काल सख्त नियामक कार्रवाई और सामुदायिक जागरूकता का आह्वान किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन कीटनाशकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से मछलियों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होने के साथ ही पानी पीने वाले वन्यजीवों और रोजगार के लिए नदी पर निर्भर मानव आबादी के लिए खतरनाक हो सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि अवैध तरीकों से मछली पकड़ने की प्रथा विशेष रूप से राज्य में नवद्वीप से बालागढ़ तक फैले

क्षेत्रों में प्रचलित है। इसके साथ ही, अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि ऐसा करने वाले पड़ोसी क्षेत्रों के अवैध घुसपैठिए, विशेषकर ड़ोसी क्षेत्रों और नदी से सटे गांवों से आते हैं।

अध्ययन में शामिल आईसीएआर - केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई), बैरकपुर से अजय साहा, आर्किस्मन रे, कौशिक मोंडल, बसंत कुमार दास और आईसीएआर-सीआईएफआरआई, प्रयागराज से विकास कुमार ने कहा कि वे मीठे पानी की झींगा मछली (मैक्रोब्रैकियम एसपीपी) को निशाना बनाते हैं, जिसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। इन मछलियों के शिकार के साथ साथ ही कई प्रकार की छोटी देशी मछली प्रजातियों को बड़े पैमाने पर पकड़ा जाता है, जिसमें पुंटियस एसपीपी, गुडुसिया चपरा, सालमोस्टोमा शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने बताया, वर्तमान में, अधिकांश मछलियों को पकड़ने के लिए गिल जाल, कास्ट नेट, निष्क्रिय मछली जाल, या कभी-कभी पौधे-आधारित मछली जहर का उपयोग किया जाता है।

(शेष पृष्ठ 9)

निवेशकों के पूंजी की सुरक्षा की गारंटी प्रदेश सरकार की: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में 20 लाख टन उत्पादन क्षमता के सीमेंट प्लांट का वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किया गया निवेश पूर्णत: सुरक्षित और व्यवसाय के लिए लाभकारी है। निवेशकों के पूंजी की सुरक्षा की गारंटी प्रदेश सरकार की है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नहीं बल्कि दुर्व्यवस्था थी। हर तीसरे दिन दंगा होता था। व्यापारियों को धमकियां दी जाती थी। बिजनेसमैन को प्रताड़ित किया जाता था। एक-एक फाइल के लिए उन्हें कई-कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे। हमने रिस्क लिया और रिफॉर्म किया। पॉलिसी बनाई और उसे मजबूती के साथ लागू किया। यही वजह है आज उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में अचीवर स्टेट बनकर उभरा है।

सीएम योगी ने बुधवार को प्रयागराज में 20 लाख टन उत्पादन क्षमता के सीमेंट प्लांट का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेके सीमेंट उत्तर प्रदेश का औद्योगिक समूह है। कतिपय कारणों से उत्तर प्रदेश पर से इनका विश्वास कम हो गया था और यह समूह प्रदेश छोड़ने को मजबूर हो गया। धीरे-धीरे इस समूह ने उत्तर प्रदेश से अपने निवेश को समेट कर अन्य राज्यों में करना शुरु कर दिया था। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के अभियान के क्रम में संगम नगरी में जेके सीमेंट के द्वारा यह संयत्र स्थापित किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद इस समूह को पहले तीन वर्ष यह समझने में लग गए कि सरकार की कथनी और करनी में कोई सच्चाई है कि नहीं? उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की कथनी और करनी के जब परिणाम सामने आए तो देखते ही देखते जेके समूह ने 1200 करोड़ के निवेश के साथ प्रदेश में तीन प्लांट 2020 में अलीगढ़, 2022 में हमीरपुर और 2024 में प्रयागराज में स्थापित कर दिया है, या करने जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी में रेलवे, एक्सप्रेसवे और हाइवे का बेहतरीन नेटवर्क है। इससे यहां के उत्पाद दूसरे राज्यों में आसानी से भेजे जा सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश निवेश के मामले में देश में ड्रीम डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि जेके सीमेंट का यह निवेश यूपी के सपने को पंख देगा। यह निवेश हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज उत्तर प्रदेश के किसी औद्योगिक समूह को अपने प्रदेश से पलायन करने को मजबूर नहीं होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्ष के में उत्तर प्रदेश में निवेश अनुकूल माहौल बना है। यही वजह है कि 2016 में जो उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में 14वें स्थान पर हुआ करता था आज देश में दूसरे स्थान पर है। सीएम योगी ने कहा कि निवेश के लिए इन्वेस्टर समिट कैसे होता है यह भी उत्तर प्रदेश ने जीआईएस-2023 के माध्यम से देश को दिखा दिया। उस समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्रदेश को प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ष फरवरी में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रस्ताव का ग्राउंड ब्रेकिंग किया। यही नहीं वर्तमान समय में बहुत सारी इकाइयों ने उत्पादन भी प्रारंभ कर दिया है। इससे लाखों नौजवानों के लिए नौकरी की संभावना बनी है।

कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद कुमार गुप्ता नंदी औद्योगिक विकास के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, प्रदेश के मुख्य सचिव एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर, जेके सीमेंट के वाइस प्रेसीडेंट निधिपति सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर रघवपति सिंघानिया, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ माधव कृष्ण सिंघानिया, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट अरुण शर्मा, प्रयागराज से विधायक वाचस्पति, विनोद प्रजापति और अनुज खंडेवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कृषि सेक्टर को बेहतर बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों में ऑस्ट्रेलिया ने सहायक बनने की इच्छा जताई है। बुधवार को लखनऊ आये ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से भेंट की और कृषि व सहायक सेक्टर में निवेश पर चर्चा की।

दूसरी बार उत्तर प्रदेश आने पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए उच्चायुक्त फिलिप ने मुख्यमंत्री से कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का समृद्ध इतिहास है। उत्तर प्रदेश इन संबधों को और मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुत संभावनाएं हैं और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां इन सम्भावनाओं को विस्तार देने को उत्साहित हैं। यहां के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को मजबूत करने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बनना चाहता है। उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों और उनकी विशेषज्ञता से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के लखनऊ आगमन पर अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी का यह प्रदेश, भारत के फ़ूड बास्केट के रूप में विशिष्ट पहचान रखता है। हमारे पास देश की कुल कृषि भूमि का 12फीसद हिस्सा है, लेकिन देश की खाद्यान्न जरूरतों का 20ब उत्तर प्रदेश में ही पैदा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 85ब कृषि भूमि सिंचित है और इसे आगे विस्तार दिया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसान उत्पादन संगठनों के बारे में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान परिश्रमी है और नावचारों को अपनाने वाला है, ऐसे में यदि ऑस्ट्रेलिया की कृषि तकनीकी हमारे किसानों को मिलेगी तो निश्चित ही प्रदेश में कृषि, उद्यान, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के डेयरी सेक्टर को और बेहतर बनाने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बन सकता है। उत्तर प्रदेश एक जिला-एक डेयरी के एक बड़े कार्यक्रम की आगे बढ़ाने वाला है, इसमें ऑस्ट्रेलिया से तकनीकी सहयोग मिलना उत्साहवर्धक होगा। विभिन्न ऑस्ट्रेलियाई शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के युवा उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया जाते हैं। यह उचित होगा ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय, यूपी के शैक्षिक संस्थानों के साथ शोध, अनुसंधान करने और तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण हेतु एमओयू करते हुए आगे बढ़े। साथ ही, आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदेश में अपने परिसर स्थापित करने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के साथ वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आज जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। निवेश अनुकूल 27 इंडस्ट्रियल सेक्टोरल पॉलिसी हर सेक्टर के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने वाला है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की एफडीआई और फार्च्यून 500 कंपनियों के लिए घोषित नीति को ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों के लिए उपयोगी बताया। ऑस्ट्रेलियाई दल के साथ वार्ता के अवसर पर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन के साथ मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ व्यापार और निवेश आयुक्त, जॉन साउथवेल, कृषि सलाहकार किरण करामिल, द्वितीय सचिव टॉम ओवरटान, व्यापार और निवेश निदेशक आशा सुंदरमूर्ति, ऑसन लैब के भारत निदेशक संदीप जायसवाल, ग्रेनकॉर्प के निवेश प्रबंधक, जॉर्डन जेफरी, पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय रणनीति प्रमुख, निशा राकेश, तस्मानिया विश्वविद्यालय से मिसेल रोज सहित ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों और शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे।

योगी सरकार प्रदेश के 5 मंडलों को जल्द दे सकती है नए रिंग रोड की सौगात

● अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मीरजापुर और सहारनपुर मंडल में रिंग रोड बनाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए विकास का मार्ग प्रशस्त करने में जुटी योगी सरकार जल्द ही यूपी के पांच मंडलों को नये रिंग रोड और बायपास देने की तैयारी में जुट गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव दिया है। बता दें कि अभी प्रदेश के 18 मंडलों में से 12 में नये रिंग रोड बनाने का कार्य चल रहा है, जबकि लखनऊ मंडल में यह बनकर तैयार भी हो चुका है। इसके अलावा 5 बचे हुए मंडलों में रिंग रोड बनाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। केंद्र से हरी झंडी मिलते ही प्रदेश के सभी मंडलों में रिंग रोड का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

वर्तमान में गोरखपुर और कानपुर मंडल में रिंग रोड का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा आगरा, चित्रकूट, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी में रिंग रोड के कुछ हिस्सों का कार्य पूरा हो चुका है और नये फेज़ पर कार्य चल रहा है। इसी प्रकार बस्ती मंडल में रिंग रोड के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है। वहीं अयोध्या मंडल के रिंग रोड को कैबिनेट से हरी झंडी मिल चुकी है। इसके अलावा बरेली मंडल में रिंग रोड के लिए डीपीआर का कार्य हो चुका है, जबकि आजमगढ़ और मुरादाबाद मंडल में रिंग रोड के उत्तरी पार्ट का कार्य चल रहा है। इस प्रकार प्रदेश के 12 मंडलों में रिंग रोड को लेकर कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जबकि लखनऊ मंडल को रिंग रोड की सुविधा पहले ही मिल चुकी है।

हर भारतवासी के मन में है सेना के प्रति सम्मान व स्नेह का भाव: योगी

● मुख्यमंत्री ने बुद्धेश्वर चौराहा पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह (कीर्तिचक्र) की मूर्ति का किया अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन अंशुमान सिंह 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। कोई भी देश अपनी स्वाधीनता की रक्षा तभी कर सकता है, जब वह अतीत का स्मरण करते हुए अपने गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करता है। देश की आजादी के बाद हमारे बहादुर जवानों ने प्राणों की बाजी लगाते हुए भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित किया, इसीलिए हर भारतवासी के मन में सेना के जवानों के प्रति अपार सम्मान व स्नेह का भाव छिपा होता है। यह स्नेह व सम्मान का भाव सैनिकों व उनके परिजनों के उत्साह को कई गुना बढ़ाता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने बुधवार को बुद्धेश्वर चौराहा पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह (कीर्तिचक्र) की मूर्ति का अनावरण किया। नगर निगम ने बुद्धेश्वर चौराहे को कैप्टन अंशुमान सिंह की स्मृति को समर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापित की है।

सैनिकों का सम्मान सीमाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करता है, सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी को पंच प्रण का संकल्प दिलाया था। उसमें एक संकल्प सैनिकों के सम्मान का भी है। यदि हम अपने सैनिक का सम्मान करते हैं तो सीमाओं की सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं। यह भाव सबके मन में आना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद सुनिश्चित किया गया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए या कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपना योगदान देने वाले तथा सेना, अर्धसेना या पुलिस के जवान यदि कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए वीरगति को प्राप्त होते हैं तो यूपी सरकार अपनी ओर से 50 लाख रुपये की सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देगी। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए शहीद की प्रतिमा स्थापना, उनके नाम पर संस्था या मार्ग का नामकरण किया जाएगा। हमारी सरकार 2017 से लगातार इसे आगे भी बढ़ा रही है।

सीएम ने कहा कि नगर निगम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी तरफ से डॉ. अंशुमान सिंह की प्रतिमा की स्थापना की गई है। अंशुमान सिंह का गोरखपुर कमिश्नरी के देवरिया में जन्म हुआ था। भारतीय सेना व भारत की सुरक्षा के प्रति उदग्र भाव ने उन्हें सेना की तरफ आकर्षित किया।

शिक्षक भर्ती मामले में भाजपा सरकार ने की नाइंसाफी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में भाजपा सरकार की नाइंसाफ़ी की एक और आर्थिक, सामाजिक, मानसिक मार, परंतु एकता की शक्ति के आगे हार।

अखिलेश यादव ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती कोर्ट से निरस्त होते ही बांदा डिस्ट्रिक्ट कॉपरेटिव बैंक ने भर्ती हुए शिक्षकों से, बैंक से लिए गए किसी भी प्रकार के ऋण की वसूली का फ़रमान जारी करा और आगे भी किसी भी प्रकार के लोन का रास्ता बंद करने की साज़िश रची परंतु युवाओं के आक्रोश के आगे ये फ़रमान एक दिन भी टिक नहीं पाया और भाजपा सरकार को इसे भी रद्द करने का आदेश निकालना पड़ गया लेकिन याद रहे उप्र की भाजपा सरकार ये काम मन से नहीं दबाव से कर रही है, इसीलिए इस आदेश को पूरी तरह रद्द नहीं बल्कि कुछ समय के लिए स्थगित मानकर इसका भरपूर विरोध जारी रखना चाहिए। वैसे तात्कालिक रूप से ये युवा विरोधी भाजपा के विरूद्ध युवा-शक्ति की एकता की जीत है।

उन्होंने कहा कि जिन भर्ती हुए शिक्षकों ने अपने घर-परिवार और बाक़ी सामान के लिए नौकरी की निरंतरता की उम्मीद पर कुछ लोन लिया था तो क्या अब ये सरकार उनके घरों और सामानों को क़ब्ज़े में लेने की साज़िश कर रही है। ये निहायत शर्मनाक कृत्य है कि भाजपा परिवारों को दुख-दर्द देकर सत्ता की धौंस दिखाना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक भर्ती में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की बदनीयत की जिस तरह फ़ज़ीहत हुई है, शायद उसका बदला वो अभ्यर्थियों से लेना चाहती थी। तभी ऐसे फ़रमान निकलवा रही है। इससे पहले से ही नौकरी खोने के डर से डरे हुए शिक्षकों पर अत्यधिक मानसिक दबाव बढ़ेगा। जब इन लोन की वसूली के लिए बैंक उनके घरों पर जाएगा तो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुँचेगी। इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम निकलेंगे क्योंकि आर्थिक-सामाजिक-मानसिक रूप से प्रभावित शिक्षक का असर शिक्षण पर भी पड़ेगा, जिससे प्रदेश के बच्चों की शिक्षा और उनका भविष्य भी प्रभावित होगा।

सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भारत बंद में बढ़चढ़कर लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्र अखिलेश यादव ने कहा कि आरक्षण की रक्षा के लिए जन-आंदोलन एक सकारात्मक प्रयास है। ये शोषित-वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के ख़िलाफ़ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने पहले ही आगाह किया था कि संविधान तभी कारगर साबित होगा जब उसको लागू करने वालों की मंशा सही होगी।

सत्तासीन सरकारें ही जब धोखाधड़ी, घपलों-घोटालों से संविधान और संविधान द्वारा दिये गये अधिकारों के साथ खिलवाड़ करेंगी तो जनता को सड़कों पर उतरना ही होगा। जन-आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं। आरक्षण को लेकर भारत बंद में आज प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं समर्थकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। समाजवादी पार्टी ने विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित भारत बंद के कार्यक्रम में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभायी। भारत बंद पूरी तरह से सफल रहा। इस एकजुटता ने साबित कर दिया कि संविधान और आरक्षण के साथ छेड़छाड़ की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

पीपीपी माडल पर निर्मित होने वाले बस स्टेशनों को तय समय पर पूर्ण कराने के दिये निर्देश

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में पीपीपी माडल पर निर्मित होने वाले बस स्टेशनों को तय समय पर पूर्ण कराये जाने के दृष्टिगत आज परिवहन निगम के सभागार कक्ष में उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों के साथ विकासकर्ताओं को सम्मिलित करते हुए बस स्टेशन परियोजना के निर्माण कार्य को तीव्र गति से कराये जाने के निर्देश परिवहन मंत्री ने दिये। परिवहन मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इन बस स्टेशनों को आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में दो वर्ष की निर्धारित अवधि में तैयार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विकासकर्ताओं से उनकी कठिनाइयों के बारे में जानकारी लेते हुए उसका निराकरण करायें, जिससे कि तय समय में लोगों को उच्चस्तरीय गुणवत्ता वाले बस स्टेशन की सुविधा मुहैया कराई जा सके।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपना नाम मुरतुजा अहमद से बदलकर मुर्तजा अहमद पुत्र अब्दुल सत्तार कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पता– बदलेपुर ननसेनी दारानगर कौशाम्बी ।

सूचना

मैं तबस्सुम खातून पत्नी श्री अली अहमद कमाल निवासी 13घ शक्ति नगर फैजाबाद रोड लखनऊ उत्तर प्रदेश। ये की मेरे पुत्र मोइनुद्दीन के विद्यालय दस्तावेजों में मेरा नाम ABIDA TABSUM दर्ज है। जबकि मेरा वास्तविक नाम TABASUM KHATOON है। जो आधार कार्ड पर भी दर्ज है. अतः मेरा नाम TABASUM KHATOON पढ़ा जाये

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अमीना रिजवान लिख गया जो कि गलत है जबकि मेरा सही नाम आमना रिजवान है अमीना रिजवान और आमना रिजवान दोनों एक ही व्यक्ति हैं आमना रिजवान पत्नी नजीबुल हसन निवासी फ्लैट संख्या –104 प्रथम तल ताया अपार्टमेंट ला प्लास हजरतगंज लखनऊ

योगी सरकार का फूलप्रूफ प्लान तैयार, परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर

पुलिस भर्ती परीक्षा

सुरक्षा के कड़े प्रबंध सुनिश्चित किये गये है: प्रशांत कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए अभेद्य प्लान तैयार किया गया है। योगी सरकार की ओर से तैयार फूलप्रूफ प्लान पर कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इसके लिए योगी सरकार की ओर से जहां भरपूर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात की जा रही है। सीएम योगी के निर्देश पर इस बार परीक्षा केंद्रों के रास्तों पर भी सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी। साथ ही चिन्हित हॉटस्पॉट्स की ड्रोन कैमरों से चेकिंग की जाएगी। इसके अलावा एसटीएफ, लोकल पुलिस, क्राइम ब्रांच समेत कई एजेंसियां परीक्षा केंद्रों के आस-पास सक्रिय रहेंगी। मालूम हो कि 23 अगस्त से प्रदेश के 67 जिलों में पुलिस आरक्षी के 60,244 पदों पर चयन के लिए लिखित परीक्षा होने जा रही है।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जिसमें उन्होंने परीक्षा की तैयारियों को लेकर बारीकी से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि परीक्षा को लेकर कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए हर एक छोटे-छोटे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इसके तहत अपर पुलिस महानिदेशक एसटीएफ, यातायात, रेलवे, डायल-112 के साथ सभी जोन के एडीजी, पुलिस कमिश्नर, आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी को अपने-अपने जिलों में अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये हैं। इस बार परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्रों के रास्तों पर सीसीटीवी कैमरों से विशेष नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही अति संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त नये सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। वहीं चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर ड्रोन कैमरों से चेकिंग की व्यवस्था की गई है। डीजीपी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध सुनिश्चित किये गये हैं। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर एसपी, एएसपी और सीओ को पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के अंदर एक सुरक्षा अधिकारी भी तैनात रहेगा। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की ओर से परीक्षा केंद्रों का बारीकी से भ्रमण किया जा रहा है। इस दौरान छोटी सी छोटी कमियों को दूर किया जा रहा है। वहीं परीक्षा केंद्रों पर भीड़ और अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए पुलिस फोर्स को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा शिक्षा विभाग, परीक्षा केन्द्रों के प्रबंधकों तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सतर्कता के लिए आपातकाल प्लान के तहत कार्रवाई की योजना बनायी गयी है। इस बार परीक्षा के दो दिन पहले से लेकर परीक्षा खत्म होने के बाद अभ्यर्थियों व अभिभावकों के उनके गृह जनपद में पहुंचने तक की स्थिति का आंकलन किया जा रहा है ताकि उसके अनुसार पुलिस बल का प्रबंध किया जा सके। परीक्षा केन्द्रों, रेलवे, मेट्रो स्टेशन, बस, टैक्सी स्टैंड, होटल, रेस्टोरेन्ट पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए भी पूरी व्यवस्था की गयी है। इसके लिए वहां के संचालकों, प्रबंधकों व अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ मिलकर प्लान बनाया गया है। इन सभी के सहयोग से पल-पल की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर राजपत्रित अधिकारियों एवं मजिस्ट्रेट की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लगायी गयी है। पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए 67 जिलों के जिन थाना क्षेत्रों में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, वहां यूपी-112 पीआरवी के वाहनों के चार्ट में परीक्षा केन्द्र के आस-पास के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों को भी चिन्हित किया गया है। इन स्थानों पर लगातार पीआरवी की मूवमेंट रहेगी ताकि असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण करते हुए अभिसूचना विभाग, एसटीएफ तथा जनपदीय पुलिस द्वारा परस्पर उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाये। इतना ही नहीं परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल, आईटी गैजेट्स एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री ले जाने के संबंध में दिये गये गाइड लाइन का पूर्णत: पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। वहीं परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश स्थलों पर अभ्यर्थियों की तलाशी में सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मी (महिला / पुरुष कर्मी) तैनात किये जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों के आस-पास स्थित फोटो कॉपी मशीन की दुकानों, साइबर कैफे, मोटरसाइकिल स्टैंड आदि के आस-पास प्रभावी चेकिंग की जाएगी।

प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने एवं उत्तर पुस्तिकाओं को कोषागार तक पहुंचाने के लिए जनपदीय पुलिस नोडल अधिकारी और आब्जर्वर की निगरानी में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। वहीं परीक्षा में प्रदेश के बाहर के अभ्यर्थी भी शामिल होंगे। ऐसे में रेलवे, राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए सर्तक रहने के निर्देश दिये गये हैं। इतना ही नहीं जिन जनपदों में परीक्षा केन्द्र नहीं बनाये गये हैं, वहां भी विशेष सतर्कता रखते हुए यातायात व अन्य आवश्यक कार्यवाही समयान्तर्गत सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके अलावा जनपद और कमिश्नरेट के कंट्रोल रूम को और अधिक सक्रिय कर दिया गया है। किसी भी आकस्मिकता की स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल चिन्हित कर लिये गये हैं। इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया सेल, जनपदीय अभिसूचना तंत्र को और अधिक सक्रिय व सतर्क कर दिया गया है। वह परीक्षा से संबंधित समस्त अफवाहों व अन्य सोशल मीडिया पोस्ट का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाएंगे।

राष्ट्र के संरक्षण के लिए संस्कृति को संरक्षित करना बहुत जरूरी

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ का 14वां दीक्षांत समारोह संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल व राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ का 14वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। समारोह में कुल 159 उपाधियों का वितरण किया गया। इनमें से स्नातक के 83 परास्नातक के 74 व पीएचडी के दो विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। समारोह में कुल 22 विद्यार्थियों को 29 स्वर्ण, 10 रजत और 08 कांस्य सहित 47 पदकों का वितरण कुलाधिपति जी द्वारा किया गया। दीक्षांत समारोह में 31 छात्रों और 16 छात्राओं को पदक प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल जी द्वारा बटन दबाकर उपाधियों को डिजिलॉकर में अपलोड किया गया।

राज्यपाल ने उपाधि और पदक प्राप्तकर्ताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को दीक्षांत समारोह की शुभकामनाएं दी। उन्होंने संगीत संस्थान की स्थापना में योगदान देने वाले पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए संगीत को जीवन का अभिन्न अंग बताया और कहा कि प्रकृति के कण-कण में संगीत है। जब वर्षा होती है, नदियां बहती हैं, हवाएं चलती हैं, पक्षी चहकते हैं इन सब में संगीत है। राज्यपाल ने भारत की संस्कृति को अत्यंत समृद्ध और विविधता पूर्ण बताते हुए कहा कि यहाँ कलाओं की अनेक परंपराएं हैं। किसी भी देश की संस्कृति और परम्परा ये दो ऐसी महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं, जो राष्ट्र को विशेष पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को संरक्षित करने के लिए संस्कृति को संरक्षित करना बहुत जरूरी है। भारत की सांस्कृतिक परम्परा को पूरे विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे अनेक महान रचनाकारों ने आध्यात्म, साहित्य, रस और सौंदर्य के माध्यम से भारतीय कला और दर्शन को अमृत प्रदान किया है। राज्यपाल ने कहा कि कला का जीवन से गहरा संबंध है और भारतीय संगीत की परम्परा के प्रमाण वैदिक काल से ही मिलते हैं। उन्होंने कला एवं संगीत के क्षेत्र के कुछ महान कलाकारों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का सांस्कृतिक इतिहास भव्य रहा है। ऐसे ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इस विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति का अध्ययन, अध्यापन और शोध इसे विश्व में विशेष स्थान दिलाएगा। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय जीवन से प्रेरित शिक्षा ही किसी भी देश के विकास में उचित योगदान दे सकती है। अपनी जड़ों से कटी हुई शिक्षा असफल होती है। शिक्षा को लोगों के सामाजिक और आर्थिक परिवेश से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मिलने वाला प्रशिक्षण अस्तित्व के लिए संघर्ष में मददगार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन के अतिरिक्त समाज और पर्यावरण के प्रति भी हमारी कुछ प्रतिबद्धताएं होनी चाहिए। मौसम चक्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अध्ययन के साथ-साथ ऐसी चुनौतियों में भी विद्यार्थियों को अपना सहयोग प्रदान करते हुए देश के सहयोग में भागीदार बनना चाहिए। राज्यपाल जी ने कहा कि ''एक पेड़ माँ के नाम'' जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के लिए कारगर सिद्ध होगा। उन्होंने जल संरक्षण और कम ऊर्जा खपत करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए कम से कम पांच गाँवों में जाकर वहाँ की महिलाओं और बच्चों से मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक प्राइमरी स्कूलों में जाकर बच्चों को संगीत की शिक्षा प्रदान करें और साथ ही बच्चों में उनकी रुचियों की पहचान कर उन्हें उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि यदि भारत को समृद्ध बनाना है, तो हमें आंगनवाड़ी से ही शिक्षा की शुरुआत करनी होगी। इस अवसर पर कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया तथा प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री प्रदान किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव के विद्यालयों के मध्य आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति स्वरूप भेंट देकर उन्हें सम्मानित किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने जनपद उन्नाव की 200 आंगनबाड़ियों को किट प्रदान किया तथा राजभवन की तरफ से प्राथमिक स्कूल के प्रधानाध्यापकों को पुस्तक भेंट की। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि एवं संस्थापक स्पिक मैके, पद्मश्री डॉ. किरण सेठ ने भी इस अवसर पर छात्रों को प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और नियमित रियाज की मदद से ही विद्यार्थी अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए यह जरूरी है कि आप निरंतर प्रयास करते रहें और अपनी क्षमताओं को निखारें।

ग्यारह सितम्बर से शुरू होगा लविवि का दीक्षांत सप्ताह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 16 सितंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में 11 सितंबर से दीक्षांत सप्ताह शुरू होगा। समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समीक्षा की। समीक्षा बैठक में विभिन्न दीक्षांत समारोह समितियों के सदस्य के नामों को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही 11 सितंबर, 2024 से दीक्षांत समारोह की तारीख तक एक सप्ताह लंबे उत्सव की योजना को अनुमोदन दिया गया। दीक्षांत सप्ताह उत्सव की शुरुआत प्रभात फेरी से होगी और फिर विश्वविद्यालय के सभी विभाग पूर्व अनुमति लेकर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करेंगे। बैठक में कुलपति ने निर्देश दिया कि ये आयोजन इस तरह से किये जायेंगे कि कक्षाएं बाधित नहीं हो। कुलपति ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में विभिन्न खेल गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतर-छात्रावास प्रतियोगिता, नृत्य, संगीत का आयोजन किया जाएगा।

दो सितंबर को फार्मेसी भवन का उद्घाटन करेंगी राज्यपाल

दो सितंबर को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में द्वार संख्या 1और द्वार संख्या 2 तथा नए फार्मेसी भवन का उद्घाटन करेंगी। कुलपति ने बताया कि उद्घाटन समारोह में कुलाधिपति द्वारा आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को 100 किट उपहार में दिये जायेंगे। उन्होंने इस उद्घाटन के रूट प्लान, मिनट टू मिनट कार्यक्रम, कार्यक्रम के स्वयंसेवकों, जलपान और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की भी समीक्षा की। उन्होंने यह भी कहा कि धन्यवाद ज्ञापन प्रति-कुलपति प्रो. मनुका खन्ना द्वारा दिया जाएगा।

हस्त निर्मित उत्पादों के पीछे होती है कड़ी मेहनत: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में आसमा हुसैन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ का दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह में आसमा हुसैन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी द्वारा स्किल डेवलेपमेंट ट्रेनिंग, चिकनकारी एवं ड्रेस मेकिंग प्रशिक्षणोपरांत राजभवन में अध्यासित कुल 19 प्रशिक्षित महिलाओं व बालिकाओं को नि:शुल्क सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर हस्त निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का राज्यपाल द्वारा अवलोकन भी किया गया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में सभी उपाधि व पदक प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में जब भी किसी प्रकार की डिग्री, डिप्लोमा या अन्य प्रमाण पत्र का वितरण होता है तो स्वाभाविक रूप से आनंद की अनुभूति होती है, और यह प्रमाण पत्र भविष्य में उपयोगी सिद्ध होता है। राज्यपाल जी ने कहा कि कार्य करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कराए जाने का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार व आय सृजन के अवसर की उपलब्धता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। राज्यपाल ने हस्त निर्मित उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हस्तनिर्मित उत्पादों के पीछे कड़ी मेहनत होती है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से इस प्रकार के कार्य हेतु सहायता प्रदान की जानी चाहिए तथा सभी प्रशिक्षित महिलाओं से उन्होंने अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षणोपरांत अपना कार्य शुरू करें व स्वावलंबी बने। इस अवसर पर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, एवं मध्यम उद्यम विभाग के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने सभी प्रशिक्षितों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा में वृद्धि होती है।

राज्यपाल ने जीपीओ रिंग कोर्ट का किया भ्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को ऐतिहासिक जीपीओ रिंग कोर्ट, लखनऊ का भ्रमण किया। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान काकोरी कांड से जुड़े ऐतिहासिक मुकदमे के लिए प्रसिद्ध है। जीपीओ रिंग कोर्ट ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय का साक्षात्कार किया है। राज्यपाल ने इस अवसर पर काकोरी कांड के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गौरवमयी गाथा का प्रतीक है। उन्होंने इस ऐतिहासिक धरोहर को संजोने और इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जीपीओ रिंग कोर्ट न केवल न्याय का स्थल है, बल्कि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों और बलिदानों का जीवंत प्रमाण भी है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखें और इसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाएं।

एलयू में ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम के लिए आवेदन शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत ऑनलाइन स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। दाखिले के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर पीयूष भार्गव ने बताया कि ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आरंभ कर दिए गए हैं। इन पाठ्यक्रमों में कोई भी भारतीय नागरिक आवेदन करने का पात्र माना जाएगा। यह उन छात्रों के लिए एक अच्छा अवसर है जो किन्हीं कारणवश रेगुलर पाठ्यक्रमों में दाखिला नहीं पा सके। ऐसे सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम में एडमिशन लेकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। प्रो. भार्गव का कहना है कि इन उपाधियों की मान्यता लखनऊ विश्वविद्यालय की रेगुलर उपाधियों के ही बराबर है। उन्होंने बताया कि प्रवेश के लिए किसी भी तरह सीटों की बाध्यता नहीं रखी गई है। कक्षाओं का पीडीएफ और वीडियो उपलब्ध होगा। बीकॉम उपाधि के लिए विद्यार्थियों को छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) पास करने होंगे। हर सेमेस्टर में छह विषय होंगे जिनका पाठ्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के रेगुलर बीकॉम जैसा ही है। विद्यार्थियों को सभी व्याख्यान का पीडीएफ और वीडियो ऑनलाइन ही उपलब्ध कराया जाएगा। उनकी समस्याओं और प्रश्नों का समाधान भी शिक्षकों की ओर से ऑनलाइन ही किया जाएगा। छह माह में मात्र सेमेस्टर परीक्षा के लिए ही विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आना होगा। परीक्षाएं प्रत्यक्ष रूप से लिखित माध्यम से कराई जाएंगी। एमकॉम के लिए चार सेमेस्टर (दो वर्ष) पास करने होंगे।

पाठ्यक्रमों की फीस: बीकॉम- पांच हजार रूपये (प्रति सेमेस्टर), एमकॉम- आठ हजार रूपये (प्रति सेमेस्टर)

अगले सत्र से शुरू होंगे कई कोर्स: आगामी सत्र से कई पाठ्यक्रमों में परास्नातक और स्नातक की ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की जाएगी। इसमें अंग्रेजी, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास और अर्थशास्त्र में परास्नातक कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। जिसे विद्या परिषद और कार्य परिषद की मंजूरी भी मिल चुकी है।

मेडिकल कॉलेजों में जूनियर डॉक्टरों का कार्य बहिष्कार जारी रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बुधवार को दसवें दिन भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं, क्योंकि जूनियर डॉक्टरों ने कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या के खिलाफ कार्य बहिष्कार जारी रखा। उप्र रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरदीप जोगी ने बुधवार को कहा कि जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल आज दसवें दिन भी जारी रही। आज भी प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों में ओपीडी और अन्य सेवाएं बाधित रहीं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कालेजों में जूनियर डॉक्टर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जूनियर डॉक्टर पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों का हर तरह से समर्थन करते हैं। राज्य की राजधानी लखनऊ में इस हड़ताल का असर केजीएमयू के साथ-साथ एसपीजीआई, लोहिया समेत अन्य अस्पतालों में भी दिख रहा है। पिछले सप्ताह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी के दौरान परास्नातक प्रशिक्षु (पीजीटी) महिला डॉक्टर के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई थी। इस डॉक्टर का शव नौ अगस्त को अस्पताल के संगोष्ठी कक्ष के अंदर मिला था। अपराध में कथित संलिप्तता को लेकर अगले दिन एक नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया था। जूनियर डॉक्टर मांग कर रहे हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए, उन्हें कड़ी सजा दी जाए और पीड़िता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया, जिसने 14 अगस्त को अपनी जांच शुरू की।

संस्कृत अमूल्य निधि के समान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को संस्कृत एवं वैदिक अध्ययन विभाग द्वारा वैश्विक संदर्भ में संस्कृत का महत्व विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. रामपाल गंगवार ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के तौर पर प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान प्रो. अर्क नाथ चौधरी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि, संस्कृत अमूल्य निधि के समान है। इसमें वेद, स्मृति, इतिहास, पुराण, वेदांग, दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष, अर्थशास्त्र एवं कामशास्त्र सम्मिलित हैं, जो नि:श्रेयस की प्राप्ति कराते हैं । उन्होंने बताया कि कैसे विश्व की विभिन्न भाषाओं ने संस्कृत भाषा के बहुत से शब्दों को ग्रहण किया है। क्योंकि संस्कृत शब्द और अर्थ प्रधान भाषा है जो कि सभी भाषाओं की उपकारक है। संस्कृत में राष्ट्र, समाज और विश्व का चिंतन है। इसीलिए ही संस्कृत को दैवीय भाषा कहा गया। विभागाध्यक्ष प्रो. रिपुसूदन सिंह ने चर्चा के दौरान कहा कि प्रकृति की जिस प्रकार की चर्चा हमारे संस्कृत वाङ्मय में है, वह किसी भी अन्य भाषा में संभव नहीं है। हम हमेशा से ही प्रकृति पूजक , जिज्ञासु एवं ज्ञान केन्द्रित रहें हैं। साथ ही संस्कृत भाषा कोई मृत भाषा नहीं है बल्कि अभी भी नवीनतम भाषा के तौर पर विद्यमान है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य प्रो. रिपुसूदन सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

इज़हार बने राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश महासचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोक दल ने प्रदेश संगठन का विस्तार करते हुए निम्नलिखित पदाधिकारियों की घोषणा की है। जिसमें हाल ही में बसपा छोड़कर कर रालोद की सदस्यता ग्रहण करने वाले बहराइच के शाह परिवार के देवीपाटन मंडल के कद्दावर नेता इज़हार अहमद शाह का प्रदेश महासचिव पद पर मनोनयन एक बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। इस क्षेत्र में इज़हार का अच्छा खासा राजनीतिक प्रभाव है जिसका लाभ निश्चित तौर पर पार्टी को मिलेगा। राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अब हम पूर्वांचल में तीव्र विस्तार के लिए तत्पर है इज़हार अहमद शाह को महासचिव की ज़िम्मेदारी इस बात का स्पष्ट संकेत है।

राजधानी के 81 परीक्षा केन्द्रों पर शामिल होंगे चार लाख अभ्यर्थी

- लखनऊ विश्वविद्यालय सहित अन्य विद्यालयों में पांच दिन बंद रहेंगे शिक्षण कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 23 अगस्त से प्रस्तावित पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर राजधानी में 81 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जायेगी। पांच दिनों तक चलने वाली इस परीक्षा को फूलप्रूफ बनाने के लिए सरकार ने इस बार कड़े इंतजाम किये है। हर परीक्षा केन्द्र पर एक-एक आईपीएस अधिकारी की ड्यूटी रहेगी। पांच दिनों तक चलने वाली इस परीक्षा को लेकर परीक्ष केन्द्र बनाये गये सभी राज्य विश्वविद्यालयों सहित महाविद्यालयों व राजकीय व अनुदानित कालेंजों में शिक्षण कार्य बाधित रहेगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर सरकार इस बार किसी भी प्रकार की ढील देने के मूड में नहीं है। परीक्षा केन्द्रों को पूरा सिल प्रूफ बनाया जा रहा है। हर आईपीएस अधिकारी के हवाले एक-एक परीक्षा केन्द्र रहेंगे। पांच दिनों तक चलने वाली इस परीक्षा में राजधानी में तकरीबन 4 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थी सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा देंगे। वहीं परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों का बायोमीट्रिक अटेंडेंस लिया जायेगा।

परीक्षा केन्द्र की होगी वीडियोग्राफी

परीक्षा के शुरू होने व समाप्त होने के बाद परीक्षा केन्द्रों का वीडियो बनाया जायेगा। जिसमें एक आदमी यह बोलता हुआ नजर आयेगा कि अब परीक्षा केन्द्र के बाहर या अंदर कोई परीक्षार्थी मौजूद नहीं है। सूत्रों का कहना है कि यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि अक्सर परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थी इस बात को लेकर विवाद करते हैं कि वह समय पर आये थे लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया।

राजकीय व अनुदानित कालेज बने परीक्षा केन्द्र

इस बार पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर सरकार की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के आधार पर केवल राजकीय व अनुदानित कालेजों को ही परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। किसी भी निजी कालेज को केन्द्र नहीं बनाया गया है।

पांच दिन शिक्षण कार्य हेतु बंद रहेंगे परीक्षा केन्द्र

राजधानी में पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर पांच दिन तक परीक्षा केन्द्र शिक्षण कार्य के लिए बंद रहेंगे। बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विद्यानंद त्रिपाठी ने आदेश जारी कर कहा है कि परीक्षा को देखते हुए 23, 24 अगस्त को और 30 व 31 अगस्त को परीक्षा केन्द्र बने विवि और महाविद्यालय बंद रहेंगे। परीक्षा दोनो पालियों में होगी।

भारत बंद का नहीं दिखा असर, किया प्रदर्शन

लखनऊ। एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर बुधवार को बसपा-सपा और भीम आर्मी से जुड़े कार्यकर्ता भारत बंद में शामिल हुए। इस दौरान भारत बंद का असर तो नहीं दिखा लेकिन प्रदर्शन जोरदार रहा। कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन चौक से लेकर हजरतगंज स्थित अम्बेडकर प्रतिमा के पास विरोध जताया। बसपा जिला कमेटी की ओर से हजरतगंज स्थित बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया किया गया। इससे जाम की स्थिति बन गई। सपा महानगर कमेटी ने परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। अगला भीम आर्मी के लोग भी विरोध में शामिल हुए। हजरतगंज में बाब लेख साहेब आंबेडकर प्रतिमा के पास लोगों ने नारेबाजी करते हुए आरक्षण के उप वर्गीकरण के खिलाफ विरोध जताया। आंदोलन को भीम आर्मी ने भी समर्थन दिया है। सपा बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता अलग-अलग समूहों में सरकार को आरक्षण विरोधी बता रहे थे।

यूपीएसआईएफएस के तीन दिवसीय नवारंभ का शुभारंभ

- फोरेन्सिक विज्ञान और कानून के बीच में घनिष्ठ संबंधः न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में बुधवार से तीन दिवसीय नवारंभ 2024-25 कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खान, विशिष्ट अतिथि जेपी पाण्डेय कुलपति एकेटीयू, तिलोत्तमा वर्मा पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण यूपी, उपेन्द्र गिरि सहित संस्थान के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

नवारंभ कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खान ने कहा कि फारेन्सिक विज्ञान और कानून के बीच में घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने फोरेंसिक विज्ञान और कानून के बीच घनिष्ठ संबंध की व्याख्या करते हुए अपराधों को सुलझाने में जैविक नमूनों के सही संग्रहण के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों को कठिन परिश्रम करने, अध्ययन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ध्यान केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने सभी अतिथियों का स्वागत कर संस्थान की स्थापना से लेकर वर्तमान दौर एवं पाठ्यक्रमों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्ल्ड क्लास की सुविधाएं हमारे यहाँ स्थापित हो रही है। उन्होंने बताया कि लॉ विद लैब का पहल प्रयोगशाला के एकीकरण का प्रतीक है । ला विद लैब के सिद्धान्त पर चलते हुए फॉरेंसिक साइंस के उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं । छात्रों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक अनुशासित छात्र ही अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकता है। और इस संस्थान में अनुशासन का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि फारेंसिक साइंस एक ऐसी विधा है जिसके माध्यम से हम सच्चाई को वैज्ञानिक रूप से कानून के समक्ष ला सकते हैं। लोगों को न्याय दिलाने में सहयोग करना हमारा मुख्य कार्य होगा। इस अवसर पर तिलोत्तमा वर्मा आईपीएस ने कहा कि नये कानून के आने से फारेन्सिक साइन्स की जिम्मेदारियां और बढ़ी हैं इस क्षेत्र में प्रतिबद्धता और साहस के साथ काम करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने वन्य जीव व्यापार को रोकने का रोकने के लिए वाइल्ड लाइफ फारेन्सिक लैब के विकास की वर्तमान आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवागत छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि फारेन्सिक साइंस का सदुपयोग से बहुत लोगों को न्याय दिलाकर उनकी जिन्दगी को बचा सकते हैं। इस अवसर पर कुलपति एकेटीयू डॉ. जेपी पांडेय ने नवीनतम प्रौद्योगिकी और रुझानों के साथ अद्यतन रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जानकारी और कौशल को निरंतर अपडेट करते रहें और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए टीम के रूप में काम करें। इस अवसर पर नेहा जैन आईएएस ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि अगर आपके भीतर का इन्सान जिन्दा है तो उससे बड़ा मानवियता कोई नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिस भी चीज से आपको डर लगता हो तो उसका सामना करना सीखें क्योंकि भागने से वह विषय बार-बार आपका पीछा करेगी।

योगी सरकार का खादी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्पः सचान

● युवाओं की फैशन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए होगा उत्पादनः खादी मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खादी के विकास और निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री, राकेश सचान ने बुधवार को खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्यालय, खादी भवन के सभागार में आयोजित एक विशेष बैठक में खादी के विकास हेतु प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया।

मंत्री सचान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खादी के उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य है कि खादी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए, जिससे न केवल प्रदेश में खादी वस्त्रों की मांग बढ़े, बल्कि ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित हों। इस दिशा में, आधुनिक बाजार की मांगों के अनुरूप उत्पादन बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए खादी उद्योग के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खादी को एक परंपरागत वस्त्र से आगे बढ़ाकर, इसे आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं और युवाओं की फैशन अभिरुचियों के अनुरूप ढालने की जरूरत है। इसके साथ ही, खादी उद्योग के निर्यात को भी बढ़ावा देकर इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के प्रयासों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खादी को आधुनिक बाजार की मांग, युवा पीढ़ी के रुझान, और आधुनिक फैशन के साथ-साथ निर्यात की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इसके उत्पादन को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जाए। खादी को वैश्विक पहचान दिलाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के प्रयासों को तेज़ी से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया जाए। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की पंजीकृत खादी संस्था, पंचमदास ऑर्गेनिक खादी ग्रामोद्योग सेवा समिति, लखनऊ ने भी अपने प्रयासों का प्रस्तुतिकरण किया। इस संस्था ने खादी उत्पादन, बिक्री और निर्यात के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की खादी को देश-विदेश में एक विशेष पहचान दिलाई है। संस्था द्वारा खादी के निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया, जापान, जर्मनी, अमेरिका, इंग्लैंड, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भी निर्यात किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ उज्जवल कुमार, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव त्यागी, वरिष्ठ संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन. पी. मौर्य, संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिद्धार्थ यादव, वित्तीय सलाहकार मानवेंद्र सिंह सहित संस्था के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

ड्रेनेज सिस्टम पर स्थित अतिक्रमण तत्काल हटाएंः सुरेश खन्ना

● प्रभारी मंत्री ने लखनऊ जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीयकार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि लखनऊ नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत जहां भी डेऊनेज सिस्टम पर अतिक्रमण है उसे तत्काल कम से कम नुकसान एवं बल प्रयोग करते हुए हटाया जाए। जनप्रतिनिधि भी इस कार्य में सहयोग करें और डेऊनेज व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने आमजन से अनुरोध भी किया है कि लोग डेऊनेज सिस्टम को प्रभावित करने वाले अपने घरों के रैम्प को तोड़कर उसे इस प्रकार बनवायें, जिससे नालियां प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि नालियों के ड्रेनेज को प्रभावित करने वाले रैम्प को प्रशासन द्वारा तोड़े जाने पर उस पर आने वाले व्यय को भी संबंधित व्यक्ति द्वारा वहन किया जायेगा।

प्रभारी मंत्री आज यहां डा. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कलेक्टेऊट में लखनऊ जनपद की विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए, जिससे आमजन को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लखनऊ प्रदेश की राजधानी होने के नाते लोगों के लिए एक मॉडल जनपद है। उन्होंने कहा कि लखनऊ जनपद में स्थित स्मारक, पर्यटन स्थल एवं निर्माणाधीन पर्यटन स्थलों का रखरखाव बेहतर ढंग से करते हुए उन्हें आकर्षक बनाया जाए। जिससे यहां आने वाले पर्यटक आकर्षित हों और लखनऊ की छवि एक माडल राजधानी के रूप में बने।

उन्होंने कहा कि टयूबल बिल माफी योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थी 31 अगस्त, 2024 तक अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करायें, जिससे उन्हें बिल माफी योजना का लाभ मिल सके। 31 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन न करा पाने की दशा में कृषकों को अपने बिल का भुगतान स्वयं करना होगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कृषकों को इसके लिए जागरूक करें। खन्ना ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छुट्टा गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं में रखा जाए। ऐसे पशुपालक जो दूध निकालने के उपरांत पशुओं को छोड़ देते हैं उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि बैंकों में इनफार्मेशन सेंटर बनाया जाए, जिसके माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं में बैंक के माध्यम से मिलने वाले लोन एवं अन्य लाभ के बारे में जानकारी दी जाए। बैंकों में ऋण अस्वीकृति की दर को न्यूनतम किया जाए। खन्ना ने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि जनपद में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभपरक योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक आमजनमानस तक पहुंचायें।

अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने विभागों की संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी साझा करें। जनप्रतिनिधिगण व्यक्तिगत प्रयास करके भी उनके क्षेत्रों में इच्छुक और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचायें।

आप सांसद संजय सिंह को मिली राहत

● सुल्तानपुर की अदालत में हाजिर होने से आज तक के लिए छूट

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2001 में सुल्तानपुर जिले में सड़क जाम कर धरना प्रदर्शन करने के एक मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह को गुरूवार तक के लिए स्थानीय अदालत में हाजिर होने से छूट प्रदान की है। पीठ गुरूवार को ही उनकी पुनरीक्षण याचिका व जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगी। जस्टिस करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने यह आदेश संजय सिंह की पुनरीक्षण याचिका पर दिया है। इस याचिका पर वरिष्ठ वकील सतीश चन्द्र मिश्र ने बहस की। उनका कहना था कि वर्ष 2001 के इस मामले में दोषसिद्ध करार देते हुए निचली अदालत ने संजय सिंह को तीन माह की सजा सुनाई थी। उन्होंने इस फैसले के विरुद्ध अपील दाखिल की। सत्र अदालत द्वारा उनकी अपील खारिज कर दी गई। सुनवाई के दौरान याचिका का राज्य सरकार की ओर से विरोध किया गया। कहा गया कि नौ अगस्त को ही अपीलेट कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निचली अदालत के समक्ष हाजिर होने का आदेश दिया था। लेकिन बिना वहां आत्म समर्पण किए उसने यह याचिका दाखिल की है, जो पोषणीय नहीं है। इस पर संजय सिंह की ओर से कहा गया कि वह वक्फ संशोधन बिल के सम्बन्ध में बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य हैं। जिसकी 22 अगस्त को बैठक होनी है। इसलिए उनकी ओर से हाजिरी से छूट का प्रार्थना पत्र भी दाखिल किया गया है। पीठ ने इस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक मामले में दिए गए फैसले के तहत याचिकाकर्ता को गुरूवार तक के लिए हाजिर होने से छूट प्रदान कर दी।

कृषि क्षेत्र में सहयोग की नई राह दिखायेगा यूपी-ऑस्ट्रेलिया एग्री बिजनेस कॉन्क्लेव

● खाद्य प्रसंस्करण नीति को सरल बनाया गयाः शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राजधानी लखनऊ एक एक होटल में बुधवार को उत्तर प्रदेश-ऑस्ट्रेलिया एग्री बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव का आयोजन कृषि क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और दोनों देशों के बीच कृषि उत्पादन, उत्पादकता, और व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया। कॉन्क्लेव में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उद्यान, कृषि विदेश व्यापार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, और कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त डॉ. फिलिप ग्रीन, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग भी उपस्थित थीं।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने वक्तव्य में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण नीति को सरल बनाया है, जिससे प्रदेश के किसान और उद्यमी अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। प्रदेश में और अधिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से कृषि उपज के मूल्य में वृद्धि होगी, जिससे किसानों की आय में सुधार होगा। हम ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने को एक सुनहरा अवसर मानते हैं।श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े और यह कॉन्क्लेव उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑस्ट्रेलिया से आने वाली तकनीकों और विशेषज्ञता के माध्यम से हम कृषि और संबंधित उद्योगों में रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकते हैं। उद्यान कृषि विदेश व्यापार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश का कृषि निर्यात बढ़े और हमारे किसानों को वैश्विक बाजारों में अधिक अवसर मिलें। ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग से हम इस लक्ष्य को तेजी से प्राप्त कर सकते हैं। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने अपने वक्तव्य में कहा कि कृषि में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा देना समय की मांग है। इस कॉन्क्लेव में जिन तकनीकों और विचारों पर चर्चा हो रही है, वे न केवल उत्पादन बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेंगी। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त डॉ. फिलिप ग्रीन ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएं हैं और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां इन संभावनाओं को विस्तार देने के लिए उत्साहित हैं। यहां के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को मजबूत करने में ऑस्ट्रेलिया एक अच्छा सहयोगी बन सकता है। हम उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर इस दिशा में काम करने को तत्पर हैं। कॉन्क्लेव में ऑस्ट्रेलिया से आए विशेषज्ञों ने कृषि में नवीनतम तकनीकों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, और उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर प्रस्तुतियाँ दीं। दोनों देशों के बीच समान जलवायु परिवर्तन की समस्याओं पर भी चर्चा हुई, जिसमें यह बात उभरकर आई कि दोनों देशों को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक दूसरे के अनुभवों और तकनीकों से सीखना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए यह कॉन्क्लेव एक महत्वपूर्ण पहल है। हम ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर कृषि में तकनीकी नवाचार और उन्नत तरीकों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमारे किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए तकनीक का उपयोग अनिवार्य है। इस कॉन्क्लेव में जो विचार और तकनीकें सामने आई हैं, वे निश्चित रूप से प्रदेश के कृषि क्षेत्र को लाभ पहुंचाएंगी।

सीएम योगी से मिले राजेश्वर विधानसभा की समस्याएं रखी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंटकर सरोजनीनगर में संचालित विकास कार्यों से अवगत कराया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात की जानकारी अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) पर देते हुए आगे लिखा कि इस दौरान विधायक ने सीएम योगी से पत्र सौंपकर सरोजनीनगर व सम्पूर्ण लखनऊ की प्रमुख समस्या जलभराव के सम्बन्ध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति के गठन का अनुरोध किया, जो एंटी वाटर लॉगिंग मास्टर प्लान बनाकर समस्या का प्रभावी, त्वरित एवं स्थाई समाधान निकाल सके। साथ ही डॉ. सिंह ने प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों पर आयोजित किए जाने वाले तहसील दिवस के आयोजन को सीसीटीवी की लाइव निगरानी से जोड़कर उसकी मॉनिटरिंग जिलाधिकारी, मंडलायुक्त एवं प्रभारी अधिकारी /मंत्री स्तर पर कराये जाने अनुरोध किया और परिणाम की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री को सुविधानुसार लाइव मॉनिटरिंग से जुड़ने का सुझाव भी दिया। विधायक ने ट्विटर के माध्यम से जानकारी देते हुए लिखा प्रदेश में संचालित ऑनलाइन शिकायत निवारण एकीकृत प्रणाली जनसुनवाई, जन सामान्य के हितार्थ उत्कृष्टतम पहल है। मुख्यमंत्री से प्रत्येक सप्ताह पोर्टल पर निस्तारित दर्शाए जा रहे 100 क्रमरहित प्रकरणों के निस्तारण का परीक्षण करवाकर समाधान की गुणवत्ता को अधिक प्रभावी बनाए जाने का अनुरोध भी किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री ने सभी अनुरोधों पर सहर्ष सकारात्मक आश्वासन प्रदान किया, साथ ही विधायक ने समय प्रदान करने के लिए सीएम योगी का आभार भी जताया।

प्रो. केके सिंह बने मीडिया सेल के प्रभारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने बुधवार को सर्जरी विभाग के प्रो. केके सिंह को मीडिया सेल का फैकल्टी इंचार्ज नियुक्त किया है। प्रो. सिंह रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रो. संतोष कुमार के स्थान पर नियुक्त किये गये हैं। जबकि रेडियोथेरेपी विभाग के प्रो. सुधीर सिंह को-फैकल्टी इंचार्ज के रूप में कार्य करते रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं पद्म विभूषण से सम्मानित श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उनके स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर कहा श्रद्धेय बाबूजी एक ऐसे जननायक थे, जिनके जीवन का हर क्षण वंचितों, गरीबों व पिछड़ों के उत्थान को समर्पित रहा।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही अक्षम्यः निदेशक

● परियोजना अधिकारी झांसी, सीएलटीसी झांसी व सीएलटीसी फिरोजाबाद को कार्य में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण मांगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूडा द्वारा संचालित प्रत्येक योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों की है वो पूरी तत्परता व कर्तव्यनिष्ठा के साथ इस काम को करें। कार्य में शिथिलता व लापरवाही अक्षम्य है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। ये बातें आज सूडा भवन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने कहीं।

सूडा भवन में बुधवार प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, डे-एनयूएलएम योजना व योजना के विभिन्न घटक, शक्ति रसोई की जनपदवार समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए निदेशक सूडा ने प्रत्येक जनपद में योजनाओं की प्रगति की हकीकत परखी। जिन जनपदों द्वारा अच्छी प्रगति की गई उनकी प्रशंसा की। वहीं परियोजना अधिकारी झांसी, सीएलटीसी झांसी व सीएलटीसी फिरोजाबाद को कार्य में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि प्रदेश के कुछ जनपद तो लक्ष्य के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कतिपय जनपद के जिम्मेदारों द्वारा उस गति से काम नहीं किया जा रहा है, जैसे की उनसे अपेक्षा है। अत- अगस्त में लक्ष्य के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ मुख्यमंत्री अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना की समीक्षा के दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि उक्त योजना से जल्द से जल्द ऐसी बस्तियों को आच्छादित किया जाए जहां पर इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। इस कार्य में कोताही करने वालों पर कार्रवाई होना तय है। शक्ति रसोई योजना की समीक्षा के दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि 15 जनपदों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई की सफलता को देखते हुए जल्द ही प्रदेश के समस्त जनपदों में इस योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।

योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचेः संयुक्त सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना व डे-एनयूएलएम योजना समाज के उस वर्ग के लिए संचालित की जा रही है, जिसकी आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है। ऐसे लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उनको स्व-रोजगार के लिए प्रशिक्षण देना व वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना भी योजना का लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश में योजनाओं के संचालन की स्थिति संतोषप्रद है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगे राज्य नगरीय विकास अभिकरण सूडा अंत्योदय की भावना से काम करते हुए योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम पाएदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करेगा। उक्त बातें बुधवार को को सूडा भवन में भ्रमण पर आए राहुल कपूर, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, डे-एनयूएलएम तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कही। संयुक्त सचिव राहुल कपूर का सूडा भवन पहुंचने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने किया। संयुक्त सचिव ने मुख्यालय के समस्त अधिकारियों के साथ मुलाकात की तथा योजनाओं के और भी बेहतर क्रियान्वयन हेतु विचार-विमर्श किया।

विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन आयोजित

लखनऊ। विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलम्बी भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक भव्य उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्वावलंबी बनने की दिशा में प्रेरित करना और उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाना था। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम 21 अगस्त से 02 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उद्यमिता प्रोत्साहन से संबंधित गतिविधियों का आयोजन होगा। इस अभियान की शुरुआत लखनऊ के अलीगंज स्थित कौशल विकास मिशन के सभागार में की गई, जहां प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

एक माह में हो जाएगा दुग्ध समितियों का भुगतानः धर्मपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने वर्ष 2022-23 में प्रदेश के सर्वाधिक दुग्ध आपूर्तिकर्ता 66 दुग्ध उत्पादकों को गोकुल पुरस्कार और गाय के सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले 48 दुग्ध उत्पादकों को नन्दबाबा पुरस्कार से बुधवार को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। पुरस्कृत सभी 114 दुग्ध उत्पादकों को प्रतीक चिन्ह, पुरस्कार धनराशि प्रमाण-पत्र सहित देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से भारतीय गोवंशीय देशी गाय के दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है और गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्री सिंह ने दुग्ध उत्पादकों से दुग्ध समितियों के माध्यम से व्यवसाय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक माह के अंदर दुग्ध समितियों के दुग्ध मूल्य का भुगतान कराया जायेगा। कार्यक्रम में गोकुल पुरस्कार के अंतर्गत लखीमपुर-खीरी जनपद निवासी एवं वेलवा मोती समिति के वरूण सिंह को राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार और मेरठ के रहने वाले रुहासा दुग्ध समिति के हर्ष मित्तल को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इन दोनों दुग्ध उत्पादकों को क्रमशः 02 लाख रुपये एवं 1.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि तथा शेष अन्य चयनित लाभार्थियों को जनपद स्तरीय पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है। इसी प्रकार नंदबाबा पुरस्कार के तहत अयोध्या निवासी उधौली दुग्ध समिति के लवलेश कुमार को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित करते हुए पुरस्कार स्वरूप 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

भाजपा नेताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर जतायी चिंता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता व्यक्त की गई और हिंदुओं की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की गयी। साथ ही इस दिशा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की अपील भी की गई। बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी को अटल के इस वाक्य पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है कि हमारा एक भी कार्यकर्ता टूटना नहीं चाहिए, घर बैठना नहीं चाहिए। उसकी योग्यता और दक्षता के अनुसार उसका उपयोग पार्टी में सदैव किए जाने की आवश्यकता है। बैठक में चर्चा की गयी कि पार्टी अपने उन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का भी उपयोग कर जो अपने को हाशिए पर समझने लगे हैं। जिससे वे अपने को उपेक्षित महसूस न करें। इस हेतु निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही इस ओर ध्यान दिलाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय नेतृत्व से इन सभी स्थितियों से अवगत कराने के लिए दिल्ली जाकर भेंट करेगा।

वन मंत्री की अध्यक्षता में दुधवा टाइगर कंजर्वेशन फाउण्डेशन की बैठक सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 265.80 लाख रुपये के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, राज्यमंत्री, (स्वतंत्र प्रभार), डा. अरूण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में वन मुख्यालय, पारिजात कक्ष में दुधवा टाइगर कंजर्वेशन फाउण्डेशन की बैठक आयोजित की गयी। मुख्य वन संरक्षक/ फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी द्वारा दुधवा टाइगर कर्न्जवेशन फाउण्डेशन से सम्बन्धित एजेण्डा बिन्दुवार प्रस्तुतिकरण किया गया। बैठक में मुख्य तौर पर पिछले वर्ष का दुधवा टाइगर कर्न्जवेशन फाउण्डेशन का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। विगत वर्ष 2023-24 में 202.94 लाख के सापेक्ष 100.28316 लाख के व्यय को अनुमोदित किया गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु फाउण्डेशन के पास उपलब्ध 415.60 लाख की धनराशि के विरुद्ध 265.80 लाख के प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया। वन मंत्री द्वारा इस बात पर बल दिया गया कि मानव वन्यजीव संघर्ष, पर्यटन एवं फ्रन्टलाइन स्टॉफ के ऊपर किये जाने वाले व्यय को प्राथमिकता दी जाये। ईको टूरिज्म सम्बन्धित शुल्क पिछले वर्ष से 10 प्रतिशत की दर बढाकर रखा गया, इस पर जनप्रतिनिधयों द्वारा यह अवगत कराया गया कि पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी ईको टूरिज्म सम्बन्धित शुल्क रखा जाए। शासी निकाय सदस्यगण द्वारा इस सुझाव को स्वीकार करते हुए पिछले वर्ष की दर को ही अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर मंत्री द्वारा निर्देश दिये गये कि आवंटित धनराशि को इसी वर्ष ही सम्पूर्ण व्यय किया जाए। सुहेली नदी एवं गेरुवा नदी पर शिल्ट सफाई के लिए प्रस्ताव बनाकर उच्च स्तर को भेजने के निर्देश दिये गये।

आई.ई.आर.टी. की प्रवेश परीक्षा में सफल 11 विद्यार्थियों का सम्मान

सोनभद्र। हिण्डालको रेनूसागर द्वारा चलाये जा रहे ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित ग्राम गरबन्धा में कोचिंग सेन्टर के अध्ययन से 11 विद्यार्थियों ने आई. ई. आर. टी. की प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित कर अपने गाँव के नाम को रोशन किया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर हिण्डाल्को रेणुसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड आर. पी. सिंह द्वारा इन 11 छात्र छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये सभी विद्यार्थी निश्चय ही एक दिन नई ऊँचाईयों पर पहुँचेंगे और मैं इनके सफलता के लिए बधाई देता हूँ। इसके पूर्व सी.एस.आर. हेड अनिल झा ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में विशेष कोचिंग सेन्टर आई. ई. आर. टी. एवं डिप्लोमा के प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए चलाया जा रहा है जिसमें कुल 25 विद्यार्थी अध्ययन कर अपनी तैयारी कर रहे थे। जिसमें से 11 विद्यार्थियों ने आई. ई. आर. टी. की प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर किया है। विगत वर्ष 5 विद्यार्थियों का चयन इस सेन्टर के माध्यम से हुआ था। इस अवसर पर एच आर हेड शैलेश विक्रम सिंह मेन्टेनेन्स हेड जगदीश पात्रा ई.आर.हेड मृदुल भारद्वाज एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वृक्षों का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान

सोनभद्र। विधानसभा क्षेत्र घोरावल के जोकाही गावं में पौधरोपण कर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे आशु ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गयें निर्देश के क्रम में जनपद में लगातार राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधरोपण का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होने कहाकि हम सबके लिए बहुत आवश्यक है की पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी आगे आये और पौधरोपण करे बरसात के लिए भी वृक्षों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। पर्यावरण प्रदूषण सें बचाव व मौसम चक्र को नियमित रखनें के लिए पौधरोपण आवश्यक है। उन्होने कहाकि प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह कम से कम एक पौध को लगाकर वृक्ष होने तक उसका संरक्षण करे। वृक्षों का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि अगर हम सभी अपने वार्डों में भी एक-एक पौध लगाए तो यह भी, पर्यावरण के लिए अच्छा योगदान होगा। युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि नौजवानों को भी पौधरोपण के कार्य में बढ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए जीवन के लिए यह आवश्यक है। पौधरोपण के दौरान अनिल चौबे कमलेश चंद्रवंशी विजय खरवार गणेश भारती केशव चंद्रवंशी प्रवेश बियार अनिल कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

आरक्षण में क्रीमी-लेयर लागू करने को लेकर किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के विरोध में आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा 21 अगस्त को भारत बंद का ऐलान किया था। भारत बन्द के समर्थन में जनपद सोनभद्र में एससी-एसटी कर्मचारी संघ सोनभद्र, बहुजन समाज पार्टी, भीम सेना समेत अन्य संगठनों नें प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। एससी-एसटी कर्मचारी संघ ने पुसौली स्थित अम्बेडकर स्थल से बहुजन समाज पार्टी ने रामलीला मैदान से व भीम सेना ने हाइडिल मैदान से जलूस निकाला पुरे नगर मे भ्रमण करते हुए सभी संगठनों का जुलूस जिला मुख्यालय पहुंचा जहां अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा गया। इस दौरान किसी भी तनाव पूर्ण स्थित से बचने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक प्रबन्ध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार कों एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा है कि जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है उन्हें आरक्षण में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इस फैसले को लेकर व्यापक बहस छिड़ गई है। भारत बंद का ऐलान करने वाले संगठन इस फैसले को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र प्रसाद आर सी सरोज मुंशी राम डा0 के0 कुमार विनोद कुमार सरोज बौद्ध जगदीश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चिकित्सा महानिदेशक ने रक्तदान महादान के प्रति किया जागरूक

महानिदेशक ने कहा डा. राजीव मिश्रा युवाओं के हैं रोल मॉडल और प्रेरणाश्रोत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के महानिदेशक डॉ बृजेश सिंह राठौर ने रक्तदान महादान के प्रति समाज के युवाओं को जागरूक करने का काम किया। जिससे कि रक्त की कमी से किसी की जान ना जाए। यह कार्यक्रम चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं लखनऊ उत्तर प्रदेश में किया गया। जागरूकता कार्यकम ब्लू क्रॉस आर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित किया गया। गौरतलब है कि ब्लू क्रॉस आर्गेनाइजेशन की ओर से रक्तदान का कार्यक्रम पूरे भारत में होता है। चिकित्सा महानिदेशक डॉ बृजेश सिंह राठौर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रक्तदान महादान की जागरूकता की काफी कमी है। ऐसे में समाज के युवाओं को आगे आना चाहिए ताकि खून की कमी से किसी की जान न जाए। रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ राजीव मिश्रा को उन्होंने बधाई दी। कहा कि डा राजीव मिश्रा समाज और देश के लिए रोल मॉडल हैं साथ ही साथ युवाओं के प्रेरणा स्रोत भी हैं। समाज के लोगों को सीखना चाहिए कि रक्तदान कैसे किया जाता है क्यों किया जाता है। रक्तदान के क्षेत्र में महा शतक लगाकर डॉ राजीव मिश्रा 23 राज्यों में जाकर 104 बार रक्तदान कर चुके हैं। इसके प्रति जागरूकता करके सैकड़ों लोगों की जान बचाने का पुनीत कार्य कर चुके हैं। बता दें कि डॉ राजीव मिश्रा ने मणिपुर की राजधानी इंफाल को लेकर अब तक 23 राज्यों में रक्तदान और रक्तदान के प्रति जागरूकता का कार्य किया है। साथ ही साथ 104 बार रक्तदान कर और अपने शरीर से 36 लीटर खून दान कर चुके हैं। साथ ही 90 शिविर लगाकर सैकड़ों लोगों की जिंदगी बचाने का पुनीत और निस्वार्थ कार्य किया है। डॉ राजीव मिश्रा का कहना है कि रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा दान है। इससे जिंदगी को बचाया जाता है। समाज के लोगों ने इस मुहिम में शामिल होना चाहिए। ब्लू क्रॉस आर्गेनाइजेशन की तरफ से हमेशा रक्तदान शिविर लगता है लोग बढ़ चढ़कर रक्तदान करते है। क्योंकि रक्तदान लोगों को जीवन देता है। रक्तदान महादान के मुहिम को लेकर डॉ राजीव मिश्रा ने अब तक कन्याकुमारी तमिलनाडु अरुणाचल प्रदेश मध्य प्रदेश बिहार उत्तर प्रदेश केरला राजस्थान गोवा मणिपुर की राजधानी इंफाल अरुणाचल प्रदेश नागालैंड की राजधानी कोहिमा जम्मू कश्मीर छत्तीसगढ़ असम मेघालय की राजधानी शिलांग पंजाब नई दिल्ली महाराष्ट्र हरियाणा लेह लद्दाख और पड़ोसी देश नेपाल तक जाकर लगभग 78 हजार किलोमीटर की यात्रा कर रक्तदान और रक्तदान के प्रति युवाओं को जागरूक करने के का कार्य किया है। रक्तदान महादान के क्षेत्र में अद्भुत कार्य करने वाले डॉ राजीव मिश्रा को 11 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ साथ राज्यपाल मुख्यमंत्री उप मुख्यमंत्री सांसद चिकित्सा मंत्री विधायक स्वास्थ्य महानिदेशक उत्तर प्रदेश कमिश्नर जिलाधिकारी एडी हेल्थ मुख्य चिकित्सा अधिकार

किसानों ने नहर को लेकर गिनाईं समस्याएं

अम्बेडकरनगर। विकास भवन सभागार में किसान गोष्टी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उपकृषि निदेशक डॉ अश्विनी कुमार सिंह ने किया। और संचालन जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय ने की और उसके बाद जनपद से आए किसानों को किसान संबंधित जितनी योजनाएं थी। उनको विस्तार से जानकारी दी जिसमें विभाग वार सभी अधिकारी विकास भवन में उपस्थित रहे ।जिन किसानों का जो जानकारी चाहिए था ।उसे विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी जिसमें सबसे ज्यादा सिंचाई विभाग मामला किसानों द्वारा नहर सफाई और पटरी की व्यवस्था ठीक करने की बात आई सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने नहर की सफाई और पटरी की व्यवस्था ठीक कराने का किसानों का आश्वासन दिया। किसानों द्वारा खाद की समस्या को लेकर सहकारिता विभाग के अधिकारियों के सवाल किया वहीं दूसरी तरफ किसानों द्वारा उद्यान विभाग के अधिकारियों के सामने आलू की बीज की बात की तो उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में अबकी बार 200 कुंतल आलू की मांग किया गया है उसके बाद कृषि उद्यान मत्स्य पशुपालन व सहकारिता सहित अन्य विभागों के लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों से विभागों में पंजीकरण करने का सुझाव दिया गया किसान दिवस के अवसर पर विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों उपस्थित रहे।

विष्णुकांत अग्रवाल बने मंडल रेल डीआरयूसीसी के सदस्य मनोनीत

चंदौली। पीडीडीयू नगर के प्रमुख उद्यमी और समाजसेवी विष्णुकांत अग्रवाल को मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति ;डीआरयूसीसीद्ध का सदस्य मनोनीत किया गया है। इससे उनके शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। विष्णुकांत ने जिम्मेदारियों के सही ढंग से निर्वहन करते हुए यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में काम करने का भरोसा दिलाया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की ओर से विष्णुकांत अग्रवाल को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी गई है। विष्णुकांत अग्रवाल ने कहा कि यात्री सुविधाओं की बेहतरी के लिए अधिकारियों को सुझाव दिए जाएंगे। पीडीडीयू जंक्शन पर जो भी कमियां होंगीए उनके बारे में भी अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। कोशिश की जाएगी कि यात्रियों को अच्छी से अच्छी सुविधा मिले।

बसपाइयों ने भारत बंद के तहत जुलूस निकाल किया विरोध प्रदर्शन

गाजीपुर। बहुजन समाज पार्टी की राष्?ट्रीय अध्?यक्ष मायावती के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के आरक्षण का वर्गीकरण व इसमे भी क्रीमीलेयर कराने का फैसला निरस्?त करने हेतु संविधान संसोधन लाने व एससीध्एसटी आरक्षण को संविधान की नौंवी अनुसूचि में शामिल करने के बाबत भारत बंद आंदोलन के अंतर्गत जनपद में बसपा के कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहब भीमराव अम्?बेडकर पार्क से जुलूस के शक्?ल में लंका से लेकर मिश्रबाजार होते हुए महुआबाग के रास्?ते कचहरी तिराहे पर इकट्ठा होकर अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति जी के नाम से ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया गया। इस मौके पर अवनशी कुमारए नियाज भाईए बुझारत राजभरए विनोद कुमार बागड़ीए परवेज खांए मनोज विद्रोहीए ओमप्रकाश गौतमए रामप्रकाश गुड्डूए कमाल भाईए संजीव कुमारए सिपाही गोंडए सुबास रामए रामजी कुशवाहाए सुरेंद्रए पूर्णवासी पालए अमरेंद्र भारतीए नंदलाल बिष्?टए हरिनाथ राजभरए सीताराम भारतीए एवं लोकसभा प्रत्?याशी रहे उमेश सिंहए बलिया लोकसभा प्रत्?याशी लल्?लन यादव एवं संचालन जिलाध्?यक्ष अजय भारती ने किया।

महाकुंभ में सफाई और रोजगार की पहल आज से

प्रयागराज। महाकुंभ में व्यापक स्तर पर सफाई और रोजगार की सराहनीय पहल गुरूवार को दोपहर 12 बजे से ओम नम: शिवाय प्रयागराज के गऊघाट स्थित आश्रम से शुरू होगी। इसका शुभारंभ महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद करेंगे। ओम नम: शिवाय के गुरुदेव ने बताया कि मेला क्षेत्र में तीन दर्जन स्थानों पर विशाल अन्नक्षेत्र दिन रात चलता है। सभी श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को नाश्ता और खाना स्टील की थाली में खिलाया जाता है लेकिन महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद की पहल पर मेला को स्वच्छ और रोजगार परक बनाया जा रहा है इसके लिए अब सभी श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को खाना पत्तल दोना और पानी कुल्हड़ में दिया जाएगा। शिव सेना की प्रदेश सचिव रूचि अभिषेक तिवारी ने बताया कि अभी मेजा क्षेत्र के मुसहर और कुम्हार को महाकुंभ मेला में दोना पत्तल और कुल्हड़ के लिए संपर्क किया गया है लेकिन अलग अलग टीम चित्रकूट बांदा महोबा मिर्जापुर भदोही वाराणसी जौनपुर सुल्तानपुर अमेठी प्रतापगढ़ सहित अन्य जिलों के मुसहर और कुम्हार से संपर्क करके उनसे महाकुंभ में संस्थाओं को दोना पत्तल और कुल्हड़ की आपूर्ति की जाएगी। कार्यक्रम में महाकुंभ मेला के प्रबंधक विवेक शुक्ला उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां वरिष्ठ समाजसेवी राजीव कुमार मिश्र वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरि प्रकाश यादव मौजूद रहेगे। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज सिन्हा करेंगे।

कल्याण सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि

गाजीपुर। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चौथी पुण्य तिथि बुधवार को जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर उनके चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित करए व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए मनाई गई। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण आंदोलन के अग्रदूत पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह कुशल राज नेताएऔर अप्रतिम मुख्यमंत्री थे जिनका सुचिता पूर्ण सुशासन आज भी लोगों के मन चेतन में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के परम हितैषीएकड़े फैसले लेने वाले नेता थे। उनके मन में कार्यकर्ताओं के प्रति श्रद्धाए समर्पण का भाव था। जिला महामंत्री ओमप्रकाश राय ने कहा कि अदम्य साहस क्षमता के धनी उ प्र मे निर्माण और विकास की गति तेज करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने उत्तर प्रदेश में पति के मृत्युपरांत बच्चों के साथ ही पत्नी को वरासत का अधिकार देने का लोकप्रिय कार्य किया था। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह ने आजीवन विचारों और सिद्धान्तों से कभी समझौता नही किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रवीण सिंहए अवधेश राजभरए श्यामराज तिवारीए अखिलेश रायए जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्माए विनोद खरवारएअच्छेलाल गुप्ताए नीतीश दूबेए विष्णु प्रताप सिंहए धनेश्वर बिंदए संदीप गुप्ताए प्रमोद रायए गोपाल रायएराजन प्रजापतिएअरविंद सिंहए मुरली कुशवाहाए तेज बहादुर सिंह सहित आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

रूढ़ियों को तोड़कर साहस से आगे बढ़ रहे हैं खिलाड़ी

प्रयागराज। विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो का एक प्रमुख ब्रांड टाटा टी अग्नि ने एक नया कैम्पेन शुरू किया है। बिना थके पूरे निस्वार्थ भाव और अटूट जोश के साथ हर दिन काम करने वाली गृहिणियों का सम्मान टाटा टी अग्नि ने इस नए कैम्पेन में किया है। जोश जगाए हर रोज़ टाटा टी अग्नि ब्रांड की इस पहचान को घर घर की गृहिणियों की ऊर्जा के साथ जोड़कर हर गृहिणी की निष्ठा को अभिवादन किया गया है। पूरे परिवार के सपनों को सच बनाने के लिए दिन भर काम करने वाली गृहिणियों में हर दिन जोश जगाने का काम करके टाटा टी अग्नि उनकी सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। टीवीसी के लांच के बारे में बोलते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेस के अध्यक्ष पुनीत दास ने कहा टाटा टी अग्नि टाटा टी पोर्टफोलियो के सबसे बड़े ब्रांडों में से एक है जो पूरे देश भर में उपलब्ध है। इस नए कैम्पेन में हम भारत भर की गृहिणियों को सम्मानित कर रहे हैं। हर गृहिणी की ऊर्जा और जोश असीम है और इसीलिए वह ब्रांड अग्नि की भीतर के जोश की भावना को दर्शाती हैं। यह टीवीसी सभी गृहिणियों को हमारे जीवन में उनकी विशेष भूमिका के लिए सलाम करता है। जुनून के कई रूप होते हैं हर व्यक्ति के जुनून के पीछे उसकी अनूठी भावना होती है।

जलकल और प्रकाश विभाग का नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया औचक निरीक्षण

मीरजापुर।नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने पालिका के जलकल और प्रकाश विभाग का औचक निरीक्षण किया।नपाध्यक्ष ने सुबह ही ईओ जी लाल के साथ प्रकाश विभाग पहुंचेएजहा विभाग में अनियमता बरतने वाले कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई।उन्होंने प्रकाश विभाग के कर्मचारियों को जनहित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने का निर्देश दिया। जहा एक दिन पहले ही लापरवाही बरतने वाले दो कर्मचारियों की सेवा भी समाप्त कर दी थी।उन्होंने कहा की निरीक्षण में कमी जाए पाने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।इसके बाद जलकल कार्यालय पहुंचेए जहा उन्होंने जलमुल्य एवं जनता से संबधित मुख्य बिंदुओं पर जलकल अभियंता को निर्देशित किया।

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी

भारत अपनी पुरानी सभ्यता पर आज भी कायम व चीरस्थायी :कमल नयन पांडेय

गाजीपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 99 वर्षों से समाज में एकता एकात्मकता एवं समरसता के निर्माण हेतु प्रयत्नशील है संघ के प्रयासों के परिणाम स्वरुप समाज में हिंदुत्व भाव सुदृढ़ हुआ है एवं राष्ट्रीय एकात्मकता का ओजवर्धन हुआ है। समाज में पारस्परिक स्नेह एवं बंधुभाव को सुदृढ करने के लिए रविवार को नगर के महुआबाग स्थित स्थानीय मैरेज हाल के सभागार में बंधुताए समताए समरसता एवं हम सब भाई.भाई का संदेश देने वाला रक्षाबंधन उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के प्रांत संघचालक अंगराज व अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश झारखण्ड कमल नयन पाण्डेय व सह नगर संचालक तुलसीदासए जिला व सह नगर संचालक तुलसीदासए जिला संचालक जयप्रकाशए ने संयुक्त रूप से डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार एवं मां भारती तथा सदाशिव राव गोलवरकर गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। मुख्यअतिथि ने अपने उदबोधन में रक्षाबन्धन व हिन्दु सभ्यता पर प्रकाश डाला बताया कि युनानए मिश्रए रोम की सभ्यता का उदाहरण देते हुए बताया कि कभी युनाव व मिश्रए एथेन्सए रोम जैसे राज्य अपनी सभ्यता को लेकर चरमोत्कर्ष पर थे वे अपनी सभ्यता को नही बचा पायेए वही भारत अपनी पुरानी सभ्यता पर आज भी कायम व चीरस्थायी है। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नही हमारी। समरसता के भाव के साथ सभी स्वयंसेवको ने मुख्यअतिथि व भगवाध्वज को रक्षासूत्र बाधकर सुरक्षा का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में शामिल हुए भगनियो में नीलम रायए नीलम राष्टीय सेविका समिति व संगीताए अर्चना चौरसियाए निरूपमाए अनिताए वैष्णवीए महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साधना रायए आरती सिंह ने सभी को रक्षासूत्र बाधकर कर रक्षाबंधन पर्व मनाया। संचालक सच्चिदानंद राय ने डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार एवं भारत माता तथा सदाशिव राव गोलवरकर गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर नगर संचालक दीनदयालए विभाग सह प्रचारक दीपकए जिला प्रचारक सूरजए दुर्गेशए हर्षए रोहितए संजय सिंहएअनमोल सिंहए संजय यादव आदि उपस्थित रहे।

गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन कार्यालय पर किया गया शोक सभा

गाजीपुर। गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन के संरक्षक रहे स्वर्गीय आरसी खरवार की पत्नी राजकुमारी देवी का बुधवार को सुबह निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार बुधवार को ही शाम को 3 बजे अति प्राचीन शमशान घाट पर किया गया वही संस्था के सदस्य वसीम रजा के पिताजी अब्दुल मन्नान साहब का मंगलवार 20 अगस्त को वाराणसी में निधन हो गया था।दोनों मृत आत्माओं की शांति के लिये गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन के कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में सूर्यवीर सिंहएआशुतोष त्रिपाठीएविनय तिवारीएविनय सिंहएअनिल उपाध्यायएरविकांत पांडेयएआलोक त्रिपाठीएदेवव्रत विश्वकर्माएविनोद गुप्ताएशशिकान्त तिवारी और प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे।

एमपाक्स का प्रकोप

सतर्कता जरूरी

एमपाक्स का प्रकोप सारी दुनिया के लिए चिन्ता का विषय है। हालांकि, अभी परेशान होने के बजाय इसके प्रति सतर्कता जरूरी है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद अब दुनिया एक और बड़ी स्वास्थ्य चुनौती 'एमपाक्स' का सामना कर रही है जिसे पहले 'मंकीपाक्स' के नाम से जाना जाता था। यह वाइरल बीमारी परंपरागत रूप से अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों में पाई जाती थी, पर अब यह परेशान करने वाली गति से दुनिया भर में फैल रही है। इससे दुनिया भर के स्वास्थ्य अधिकारियों में चिन्ता फैल गई है। एमपाक्स मंकीपाक्स वाइरस से फैलता है जो 'आर्थोपाक्स कुल' में शामिल है। चेचक या स्मालपाक्स वाइरस भी इसी कुल का है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश मामलों में यह जानलेवा नहीं होता है और इसका इलाज किया जा सकता है। हालांकि, एमपाक्स का कोई खास इलाज नहीं है, पर अधिकांश पीड़ित कुछ सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। अच्छी प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों में सामान्य देखभाल और दर्द नियंत्रण से राहत मिलती है, लेकिन कमजोर प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों को इलाज की जरूरत पड़ती है। हालांकि, यह स्मालपाक्स की तुलना में कम घातक है, पर एमपाक्स से खासकर कमजोर प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों में गंभीर बीमारी हो सकती है। वाइरस का प्रसार मुख्यत: जानवर-मनुष्य संपर्क तथा मानव-मानव संपर्क से हो सकता है। सीधे संपर्क, शरीर के द्रवों, सांस से निकलने वाली छोटी-छोटी बूंदों या बिस्तर जैसे संक्रमित स्थान से संक्रमण फैल सकता है। एमपाक्स के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, लसीका ग्रंथियों में सूजन, कंपकंपी तथा अक्सर चेहरे से शुरू होकर शरीर के अन्य भागों में फैलने वाले चकत्ते शामिल हैं।

हाल ही में कोरानावायरस वैश्विक महामारी से राहत पाने के बाद लोग एक और वैश्विक महामारी का सामना करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि, अभी यह महामारी नहीं है, पर यदि रक्षात्मक कदम न उठाए गए तो यह वैश्विक महामारी में बदल सकती है। दुनिया भर में एमपाक्स मामले बढ़ने के बाद भारतीय हवाईअड्डों पर सतर्कता बढ़ाई गई है तथा वाइरस का प्रसार रोकने के कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक राष्ट्रव्यापी सलाह जारी कर हवाईअड्डों को जांच प्रक्रिया गहन बनाने तथा संभावित मामलों की पहचान व उनको अलग-थलग करने के प्रोटोकाल कठोरता से सुनिश्चित करने को कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने अनेक क्षेत्रों में एमपाक्स मामले बढ़ने की जानकारी दी है। इससे पहले वाइरस को नियंत्रित रखने वाले क्षेत्रों में चिन्ता फैल गई है। बुखार, चकत्ते या लसीका ग्रंथियों में सूजन जैसे लक्षण वाले यात्रियों को और चिकित्सकीय परीक्षणों के लिए कहा जा रहा है। दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरू जैसे शहरों में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे महत्वपूर्ण रक्षात्मक कदम उठा रहे हैं। त्वरित आंकलन के लिए इन स्थानों पर विशेष चिकित्सा टीमें लगाई गई हैं ताकि एमपाक्स संक्रमित किसी व्यक्ति को अलग कर उसका इलाज किया जा सके। बाहर से आने वाले यात्रियों के अलावा देश से बाहर जाने वाले यात्रियों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। खासकर वाइरस संक्रमित क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को सावधानियां बरतने को कहा जा रहा है। हालांकि, भारत में अभी एमपाक्स के ज्यादा मामले सामने नहीं आए हैं, पर वाइरस को देश में जड़ें जमाने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जोर दिया है कि एमपाक्स का प्रसार रोकने के लिए संक्रमितों की जल्दी पहचान तथा उनको अलग-थलग करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। भारत जैसे घनी बस्तियों वाले देश में एमपाक्स प्रसार के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन

आर्थिक उथलपुथल और सैनिक विद्रोह के कारण बांग्लादेश से भारत के अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध अब अनिश्चितता का शिकार हैं। वहां भारत-विरोधी भावनायें बढ़ रही हैं तथा रणनीतिक हितों पर सवाल उठ रहे हैं।

अशोक के. मेहता
(लेखक, सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

आर्थिक उथलपुथल और सैनिक विद्रोह के कारण बांग्लादेश से भारत के अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध अब अनिश्चितता का शिकार बन गए हैं। वर्तमान समय में वहां अनेक कारणों से भारत-विरोधी भावनायें बढ़ रही हैं तथा भारत के उस देश में रणनीतिक हितों पर सवाल उठ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा कि भारत बांग्लादेश की घटनाओं व खासकर वहां हिंदुओं व अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बहुत चिन्तित है। प्रधानमंत्री के इस संबोधन के फौरन बाद 'अंतरिम सरकार' के मुखिया प्रोफेसर यूनूस ने मोदी से फोन पर बात कर उनकी सुरक्षा के बारे में आश्वासन दिया। ढाका में पिछले 53 साल में हुए चौथे परोक्ष सैनिक विद्रोह का नेतृत्व पूरी तरह छात्र-संचालित आंदोलन के कारण हुआ। इससे प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी सत्ता गंवानी पड़ी। इसका प्रमुख कारण शेख हसीना का जनता से संपर्क टूटना तथा आर्थिक परेशानियों पर लगाम लगाने में विफलता थी। छात्रों द्वारा संचालित आंदोलन में अनेक छात्रों समेत लगभग 200 लोगों और संभवत: इससे भी अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हसीना की सत्ता के लिए 'ऊंट की पीठ तोड़ने वाला आखिरी तिनका' साबित हुई। इसके बाद सेना प्रमुख-सीओएएस जनरल वकार-उज़-ज़मां के सामने केवल एक ही विकल्प बचा और उन्होंने शेख हसीना को देश छोड़ कर जाने के लिए 45 मिनट का समय दिया।

बांग्लादेश के जनरल ने संभवत: 'एक दिन बाद घटने वाली' इस स्थिति का पहले से अनुमान लगा लिया था। यदि ऐसा न होता तो सत्ता का तेजी से और व्यवस्थित हस्तांतरण संभव ही नहीं हो सकता था। बांग्लादेश की सड़कों पर हसीना-विरोधी भावनायें भड़क रही थीं। इसके साथ ही शेख मुजीबुर रहमान की विरासत पर भी सवाल उठ रहे थे जिसे उन्होंने पाकिस्तान से स्वतंत्रता के रूप में पाला-पोसा था। भारत ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में व्यापक सहायता की थी। बांग्लादेश में इस 'विरासत' के प्रति गुस्से की भावना भी बढ़ रही थी जिसे समय पर नहीं पहचाना गया। शेख मुजीबुर रहमान की मूर्तियां तथा मुक्ति संग्राम से जुड़े स्मारक तोड़ने की घटनायें इसके प्रतीक के रूप में सामने आईं। बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनायें भड़कने का एक कारण हसीना सरकार का भारत द्वारा आंख बंद कर समर्थन करना था, जबकि उनकी लोकतांत्रिक पहचान लगातार गिर रही थी। इसके साथ ही बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं के अन्य कारण भी थे जिनमें बीएसएफ द्वारा सीमा पर की गई गोलीबारी, तीस्ता जल का साझा न हो पाना तथा सिलीगुड़ी कारीडोर का प्रयोग करने की अनुमति न देना भी शामिल हैं।

भारत के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सीएए-एनआरसी की जोरदार पैरोकारी ने भी भारत के प्रति बांग्लादेश में संदेह का वातावरण बना। इन परिस्थितियों में शेख हसीना को भारत में अनिश्चित काल तक शरण देने के निर्णय से भी बांग्लादेश में भारत के प्रति गुस्सा बढ़ने की आशंका है। बांग्लादेश में जुलाई और अगस्त की घटनाओं के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। इनमें अनेक षडयंत्र सिद्धान्तों को आश्चर्यजनक रूप से बढ़ावा दिया गया। इनमें अमेरिका का नाम लेना, सीआईए द्वारा सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्जे की इच्छा तथा पाकिस्तानी, आईएसआई व चीन का नाम लेना शामिल हैं। सेंट मार्टिन द्वीप पर म्यांमार भी अपना दावा करता है। हालांकि, इनमें से कुछ पक्षों ने निश्चित रूप से परेशानियों का लाभ उठाने का प्रयास किया, पर भारत को 'इस्लामवादी' व 'जिहादी' संगठनों की खासतौर से चिन्ता करनी चाहिए। हालांकि, नोबेल विजेता, उदारवादी लोकतांत्रिक व क्षेत्रीयतावादी मुहम्मद यूनुस 'अंतरिम सरकार' का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन कहा जाता है कि वे छात्रों व उनके नेताओं नाहीद इस्लाम व आसिफ मुहम्मद द्वारा निर्देशित होंगे। यह रहस्य है कि शेख हसीना के रिश्तेदार जनरल जमां ने इस विद्रोह में क्या भूमिका अदा की। बांग्लादेश में कोई भी सत्ता परिवर्तन बिना सेना की संलिप्तता के कार्यान्वित नहीं किया जा सकता है।

शेख हसीना की सबसे बड़ी उपलब्धि एक समय अत्यन्त निर्धन बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बनाना था। उसके मानव विकास सूचकांक श्रीलंका को छोड़ कर सभी क्षेत्रीय देशों से आगे थे। वेतनों पर विरोध प्रदर्शनों तथा हड़तालों व कोविड में तबाह होने के पहले उसका गारमेंट उद्योग विश्वस्तरीय था। बांग्लादेश ने दो दशक तक 6.5 प्रतिशत की गति से प्रगति की थी और उसकी प्रति व्यक्ति आय 2600 डालर थी जो भारत से भी बहुत अधिक थी। लेकिन उसकी प्रगति की यह गाथा आईएमएफ से 4.76 बिलियन डालर कर्ज लेने और मुद्रास्फीति 10 प्रतिशत से अधिक होने के कारण नष्ट हो गई। भारत के साथ उसका व्यापार तेजी से बढ़ा और वह 18 बिलियन डालर तक पहुंच गया। यदि बांग्लादेश के साथ एफटीए हो जाता तो बांग्लादेश के निर्यात में 182 प्रतिशत वृद्धि होती। बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक है और उन्होंने चिकित्सा पर्यटन को गति दी है। बांग्लादेश के साथ रक्षा संबंध बहुत अच्छे रहे और यह एक प्रकार से दुश्मन को दोस्त में बदलने की कथा है। हालांकि, बांग्लादेश 'वार गेम्स' में भारत को शत्रु की तरह पेश करता था, पर इसके बावजूद भारत ने बांग्लादेश को रक्षा खरीद के लिए 500 बिलियन डालर की सहायता दी थी। लेकिन बांग्लादेश की सेना और एक समय जनरल जमां द्वारा नियंत्रित रक्षा खरीद में भारत सबसे निचले स्तर पर जबकि चीन सबसे ऊपर था। वहां विमान, पनडुब्बियां, टैंक, तोपखाना और अन्य उपकरण मुख्यत: चीनी हैं।

वर्तमान समय में बांग्लादेश छात्र नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के कारण परेशानी में फंसा है जिनका क्रियान्वयन अंतरिम सरकार कर रही है। इस प्रकार भारत को ऐसे देश में चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है जिसे जन्म देने में उसने प्रमुख भूमिका अदा की थी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का स्वर्णिम काल वह था जब भारत के हितों को समुचित रूप से संबोधित किया जाता था। यही कारण है कि बांग्लादेश की नई सरकार शेख हसीना तथा अवामी लीग से जुड़े सभी लोगों पर निशाना लगा रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में बांग्लादेश की सेना दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और भारत इसकी उम्मीद भी कर सकता है। यदि बांग्लादेश अपने समक्ष आने वाली आर्थिक चुनौतियों का सामना करना चाहता है तो इसके लिए भी उसे भारत की सहायता अनिवार्य रूप से लेनी होगी। बांग्लादेश और भारत की भौगोलिक स्थिति तथा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की संरचना भी द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकती है। ढाका को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 2022 में भयानक आर्थिक संकट और दीवालियापन से नई दिल्ली ने कोलंबो को बाहर निकालने में किस प्रकार सहायता की थी। इस सत्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि केवल छात्रों का विरोध आंदोलन ही श्रीलंका की राजनीति बदलने में सक्षम नहीं था। बांग्लादेश के एकमात्र हिंदू पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुरेन्द्र कुमार सिन्हा को हसीना ने हटा दिया था। सुरेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा है कि बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है वह पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने 'अंतरिम सरकार' द्वारा किए अनेक परिवर्तनों को भी रेखांकित किया है। क्रांति या सैनिक विद्रोह में संविधान को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। प्रशासन ने कहा है कि किसी चुनाव के पहले संविधान समीक्षा समेत संस्थागत सुधार किए जांएगे। इस सबमें समय लगेगा। सत्ता परिवर्तन के इस शुरुआती समय में अनिश्चितता व्याप्त है। इससे भारत की नई भू-राजनीतिक चुनौतियां सामने आ रही हैं और अब उसे प्रासांगिक पक्षों से संबंध स्थापित करने होंगे। इन चुनौतियों में शेख हसीना व अवामी लीग से व्यवहार भी शामिल है।

फास्ट फैशन के निहितार्थ

नैतिक रूप से तैयार टिकाऊ वस्त्र हमारे फैशन के केन्द्र में होने चाहिए।

शाइनी शर्मा
(लेखिका शिक्षाविद हैं)

नवीनतम प्रवृत्तियों के आधार पर तेजी से सस्ते वस्त्रों के उत्पादन, यानी 'फास्ट फैशन' ने वैश्विक फैशन उद्योग को बदल दिया है। जारा, एचएंडएम व फारएवर 21 जैसे ब्रांडों ने यह आंदोलन शुरू किया है। इसका उद्देश्य बहुत तेज गति से सस्ते वस्त्र उपलब्ध कराना है। कुछ ही सप्ताह में नई डिजाइनों व स्टोर-रेडी वस्त्रों के कारण लेटेस्ट स्टाइलें बहुत से लोगों, खासकर युवा ग्राहकों तक पहुंच रही हैं। हालांकि, यह फैशन का लोकतांत्रीकरण है, पर इसके गंभीर पर्यावरणीय, सामाजिक व आर्थिक नतीजे सामने आते हैं।

'फास्ट फैशन' माडल तेजी से ग्राहकों से मिल कर सस्ते व ट्रेंडी वस्त्रों का प्रचार करते हैं। बिजनेस की यह रणनीति सक्षम सप्लाई श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है जो तेजी से लोकप्रिय शैलियों की नकल करती हैं। इससे ग्राहक लगातार नए उत्पादों से जुड़े रहते हैं। इस दृष्टिकोण से सस्ते फैशन को आगे बढ़ाया हैजिसमें ग्राहकों को विभिन्न ट्रेंड से प्रयोग का अवसर मिलता है और इस पर ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ता है। युवा ग्राहकों के लिए अक्सर फैशन आत्माभिव्यक्ति का माध्यम होता है। लेकिन खराब गुणवत्ता और कम जीवन होने के कारण ऐसे वस्त्र अति-उपभोग, बरबादी और पर्यावरणीय नुकसान को जन्म देते हैं।

'फास्ट फैशन' का सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को होता है। इस उद्योग में ऊर्जा का भारी उपयोग होता है जो वस्त्र उत्पादन और उनके परिवहन के लिए फासिल ईंधनों पर निर्भर करती है। अनुमान है कि फैशन उद्योग विश्व स्तर पर 10 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन का जिम्मेदार है जो सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों तथा समुद्री शिपिंग को मिला कर भी उनसे अधिक है। इसका कारण बड़े पैमाने पर सिंथेटिक रेशों का प्रयोग है जो फासिल ईंधनों से बनते हैं।

इसके साथ ही उनके विनिर्माण व दुनिया भर में वितरण में भी ऊर्जा खर्च होती है। इसके साथ ही उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर पानी का प्रयोग होता है। यह खासकर काटन के मामले में सर्वाधिक है जो आमतौर से वस्त्रों में प्रयोग होता है। एक किलोग्राम रेशा बनाने में हजारों लीटर पानी खर्च होता है।

इसके साथ ही टेक्सटाइल रंगने और फिनिशिंग में प्रयोग भारी मात्रा में पानी प्रदूषण बढ़ाता है। 'फास्ट फैशन' का पर्यावरणीय फुटप्रिंट कार्बन उत्सर्जन और जल उपभोग से आगे जाता है। 'फास्ट फैशन' सप्लाई श्रृंखलाओं में काम करने वाले कामगार अक्सर खराब कार्यस्थितियों व कम वेतन का शिकार होते हैं। अनेक मामलों में उनके श्रम का दोहन पर्यावरणीय रूप से प्रदूषक गतिविधियों से जुड़ा रहता है।

निर्माता पर्यावरण को नुकसान की चिन्ता किए बिना नियमन कठोरता से लागू नहीं करते हैं। इस प्रकार 'फास्ट फैशन' के सामाजिक व पर्यावरणीय प्रभाव एक दूसरे से जुड़े हैं। इन सरोकारों के बावजूद 'फास्ट फैशन' सस्ता होने और लगातार नई शैलियों की चमक के कारण लोकप्रिय बना हुआ है। कम खर्च करने वाले अनेक ग्राहक अपनी खरीद के नैतिक व पर्यावरणीय प्रभावों से परिचित नहीं हैं। लेकिन टिकाऊ फैशन के पक्ष में भी आंदोलन खड़ा हो रहा है जो इन मुद्दों के प्रति बढ़ती जागरूकता से संचालित है। टिकाऊ फैशन मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर जोर देता है, पर्यावरण-हितैषी सामग्रीव नैतिक उत्पादन व्यवहारों का प्रयोग करता है। कुछ ब्रांड 'सर्कुलर इकोनामी' सिद्धान्तों का पालन करते हुए रिसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग व मजबूत उत्पादों की डिजाइनिंग का काम करते हैं।

ग्राहकों को उनकी कपड़ों की पसंद के पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। सरकारों को टेक्सटाइल उत्पादन में कठोर नियमनों को लागू कर रिसाइक्लिंग पहलों पर जोर देना चाहिए। टिकाऊ व्यवहारों को प्रोत्साहन तथा पर्यावरण-हितैषी उत्पादों की मांग को बढ़ावा देने से उद्योग ज्यादा जिम्मेदार उत्पादन विधियों का प्रयोग करेगा। 'फास्ट फैशन' के बजाय टिकाऊ विकल्पों का प्रयोग उद्योग के पर्यावरणीय व सामाजिक नुकसान बचाने के लिए जरूरी है। संक्षेप में कहें तो 'फास्ट फैशन' ने ट्रेंड्स को ज्यादा पहुंच में लाने का काम किया है, पर इसके पर्यावरणीय व सामाजिक नुकसान बहुत अधिक हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है जिनमें ग्राहकों, उद्योग प्रमुखों तथा नीति निर्माताओं की सहभागिता जरूरी है ताकि ज्यादा नैतिक व टिकाऊ फैशन व्यवहारों की ओर बढ़ा जा सके।

आप की बात

लैटरल एंट्री

लैटरल एंट्री का विज्ञापन देखते ही विपक्ष ने इसे तुरंत ही आरक्षण विरोध के रूप में लपक लिया और सरकार पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगा दिया। लेकिन बड़े पेमाने पर विपक्ष को हलचल मचाने के पूर्व ही सरकार ने मोदी के निर्देश पर लैटरल एंट्री के विज्ञापन को वापस ले लिया और यूपीएससी को पत्र लिखकर लैटरल एट्री से नियुक्तियां नहीं करने के निर्देश दिए। इससे लगता है कि सरकार फूंक फूंक कर कदम रख रही है और वह विपक्ष को बिना वजह उंगली उठाने का कोई मौका देना नहीं चाहती। हालांकि, केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा कि 2014 से पहले भी लैटरल इंट्री में आरक्षण का कोई प्राविधान नहीं था। कहा जाता है कि स्वयं अर्थशास्त्री व प्रोफेसर मनमोहन सिंह लैटरल इंट्री से ही देश के वित्त सचिव बने थे। इसके अलावा उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में भी अनेक लोगों को इसी प्रकार निजी उद्यमों से सरकारी पदों पर आने का अवसर मिला था। मजेदार बात है कि जिन कामों की शुरुआत स्वयं कांग्रेस ने की थी, अब वही काम थोड़ा तेजी से करने पर वह मोदी सरकार की आलोचना कर रही है। वैसे कांग्रेस या विपक्ष की किसी पार्टी ने एक अवधारणा के रूप में लैटरल इंट्री का विरोध नहीं किया है, जबकि वास्तव में यह अनैतिक एवं अनुचित है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

अमेरिकी चुनाव

अमेरिकी चुनाव में सिर्फ अब ढाई महीने का समय बचा है। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के लिए इस हफ्ते शिकागो में हज़ारों लोग जमा हुए हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले हर चार साल में होने वाला यह कन्वेंशन पिछले सम्मेलनों से थोड़ा अलग है। कमला हैरिस के मैदान में आने से ट्रम्प की तमाम तैयारियां धरी की धरी रह गयीं हैं। ट्रम्प पर हुए कातिलाना हमले के बावजूद उनकी लोकप्रियता में उनके कोई वृद्धि नहीं हुई है। इसीलिए ट्रम्प ने कमला पर निजी और नस्ली हमला करना शुरू कर दिया है। मगर कमला अपनी भविष्य की आर्थिक नीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट कर दर को 21 से बढाकर 28 करने की इच्छा जाहिर की है। इसके साथ ही वे किफायती आवास तक पहुँच के विस्तार, परिवारों के लिए कर छूट में वृद्धि और लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल कवरेज सुनिश्चित करने की बात कर रही हैं। इसके विपरीत ट्रम्प ने कॉर्पोरेट टैक्स 21 से घटाकर 15 फीसद करने की बात की है। इस प्रकार कमला हैरिस ने मध्यवर्ग एवं निम्न मध्यवर्ग का पक्ष लिया है, जबकि ट्रम्प ने अमीर लोगों को फायदा पहुंचाने की बात कही है। देखें अमेरिकी मतदाता किसे तरजीह देता है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

यूनुस सरकार की माफी

बांग्लादेश में हिंदू-विरोधी हिंसा पर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने हिंदुओं से माफी मांगी है। उनकी सरकार में गृह मंत्रालय के सलाहकार पूर्व ब्रिगेडियर जनरल एमएस हुसैन ने माना है कि हम अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा करने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं हाथ जोड़कर इसके लिए अपने अल्पसंख्यक भाइयों से दिल से माफी मांगता हूं। अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना देश के बहुसंख्यक समुदाय का बड़ा फर्ज एवं कर्तव्य है एवं अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं तो हमें इसका विश्व भर में सभी को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा यह हमारे धर्म का भी हिस्सा है कि हम अपने अल्पसंख्यक भाइयों की रक्षा करें। यही कारण है कि मैं इसके लिए अपनी और से हाथ जोड़कर अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय से माफी मांगता हूं। मेरा आग्रह है कि यह बहुसंख्यक आबादी का फर्ज है कि वह अपने अल्पसंख्यक भाइयों की रक्षा एवं सुरक्षा करें क्योंकि आखिर में वे भी तो इसी बंग्लादेश की धरती पर ही जन्मे है तथा हम सब एक साथ.साथ ही यहां बड़े हुए हैं। यूनुस सरकार के गृह मंत्री का यह माफी मांगना निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, लेकिन अभी बांग्लादेश में स्थिति सामान्य नहीं हुई है तथा हिंदू व अल्पसंख्यक भय के साये में जीने को मजबूर हैं।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

फिल्म उद्योग में महिलायें

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आखिर सार्वजनिक हो गई। रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान करती हैं। पहले तो राज्य सरकार द्वारा इस रिपोर्ट को 5 वर्ष तक दबा कर रखा गया और अंतत: आरटीआई के जरिए भी इसे बाहर लाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ी। आखिर ऐसी गंभीर रिपोर्टों को सरकारें दबाकर क्यों रख लेती हैं? केवल मलयालम ही नहीं मुंबई व अन्य स्थानों की फिल्म इंडस्ट्रीज के हालत भी इतने ही या इससे भी बदतर हैं। दौलत और शोहरत की चकाचौंध में युवतियां अपना सब कुछ दांव पर लगाकर फिल्म इंडस्ट्रीज में घुसना चाहती है। इस उद्योग में शोषण तो सबका होता है, मगर काम केवल चुनिंदा युवतियों को ही मिलता है। इंडस्ट्री में स्थापित होने के बाद भी कई रूपों में उनका शोषण जारी रहता है। फिल्म उद्योग में महिलाओं का हर प्रकार का शोषण कोई नई बात नहीं है। इसमें अनेक अभिनेता, निर्देशक और निर्माताओं के साथ कभी-कभी राजनेता भी शामिल होते हैं। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए एक व्यापक संघर्ष की जरूरत है।

–**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते चकबन्दी कानूनगो को दबोचा

● मेंहदावल तहसील गेट के पास हुई कार्यवाही

संतकबीरनगर। तहसील गेट के पास से एक चाय की दुकान पर एंटी करप्शन की टीम ने एक चकबंदी कानूनगो को पांच हजार रूपए की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कानूनगो की गिरफ्तारी होते ही समूचे मेंहदावल तहसील में हड़कंप मच गया। आरोपित कानूनगो को टीम के द्वारा बखिरा थाने पर ले जाया गया। आरोपित पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपित को जेल भेजा जाएगा। मेंहदावल के ददरा निवासी राजपाल पुत्र महेंद्र कुमार ने मेंहदावल तहसील में कार्यरत चकबंदी कानूनगो अंगद कुमार की एंटी करप्शन से घूस मांगने की शिकायत की थी। भूमि को

आरोपी चकबन्दी कानूनगो।

चकबंदी के दौरान इधर-उधर करने के नाम पर 5 हजार रुपए की घूस मांगने का इन पर आरोप है। पीड़ित की शिकायत पर उदय प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में एंटी करप्शन टीम ने बुधवार की शाम 3 बजे मेंहदावल तहसील पर जाल बिछाया। इस दौरान पीड़ित के द्वारा 5 हजार रूपए चकबंदी कानूनगो को घूस देते उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी होते ही समूचे मेंहदावल तहसील में भगदड़ मच गई। अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। काफी देर तक लोग मामले के बारे में समझ नहीं पाए। एंटी करप्शन की इस कार्रवाई से पूरे जनपद में हड़कंप मचा रहा। आरोपित कानूनगो अंगद कुमार के खिलाफ बखिरा थाने में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया जा रहा है। घटना के बाद से चकबंदी व राजस्व विभाग के कर्मियों पर हड़कंप मचा रहा। मेंहदावल में हुई यह गिरफ्तारी चर्चा के केंद्र में रही। वैसे भी तहसील परिसर में स्थित चकबंदी कार्यालय अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चाओं में रहता है। यहां अधिकारी से लेकर लेखपाल व कानूनगो तक पर भ्रष्टाचार के आरोप चर्चाओं में रहते हैं।

पुलिस टीम ने चार गोवध अभियुक्तों को दबोचा जवाबी फायरिंग मे एक अभियुक्त घायल

जगदीशपुर, अमेठी। सुबह तडके पुलिस टीम की छापेमारी मे गोवध करने की तैयारी मे जुटे अभियुक्तों मे भगदड मच गई वहीं अपने को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग झोंका तो पुलिस ने भी जवाबी फायर किया जिससे एक अभियुक्त घायल हो गया घेराबंदी करके पुलिस ने अभियुक्तों को धर दबोचा जिनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा। थानाक्षेत्र के अंतर्गत स्थित उरूवा गांव के समीप जंगल मे गोवध करने की तैयारी मे जुटे गो हत्यारों मे उस समय भगदड़ मच गई जब कोतवाल धीरेन्द्र कुमार यादव मय टीम अभियुक्तो की घेराबंदी करके उन्हे पकड़ने का प्रयास किया ।गोवध करने की तैयारी मे जुटे अभियुक्तों ने सीधा पुलिस को चुनौती देते हुए फायर झोंकना चालू कर दिया तभी पुलिस ने भी मजबूर होकर अपने बचाव हेतु अभियुक्तों पर फायर किया जिसमे एक अभियुक्त घायल हो गया अन्य अभियुक्तो ने भागने का प्रयास किया परंतु पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए अभियुक्तो को गिरफ्तार कर लिया। पूंछतांछ करने पर घायल अभियुक्त ने अपना नाम मोहम्मद अकमल निवासी सिधियावा थाना जगदीशपुरए दूसरे ने रईश निवासी कस्बा निहालगढ थाना उपरोक्त व तीसरे ने अपना नाम अरमान निवासी पूरे बेलखरिया थाना कमरौली बताया। अभियुक्तो की तलाशी से एक तमंचा व जिंदा कारतूस खोखा घटनास्थल पर बिछी पल्ली दो अदद चाकू लकडी का ठीहा प्लास्टिक की पन्नी आदि उपकरण बरामद हुआ। वहीं मुखबिर की सूचना पर चौथे अभियुक्त मजीद निवासी निहालगढ थाना जगदीशपुर को अयोध्या रायबरेली रोड पर स्थित जायस तिराहे से गिरफ्तार करने मे पुलिस सफल हुई। वहीं कडाई से पूछताछ करने पर कुछ अन्य अभियुक्तो को गोवध मे शामिल होने की बात कुबूल की।

● गोवध उपकरण एवम तमंचा कारतूस बरामद

समय से हो किसानों की समस्याओं का समाधानः डीएम

● किसान दिवस पर डीएम ने सुनीं किसानों की समस्याएं

संवाददाता। गोंडा

कलेक्ट्रेट में किसानों की समस्याएं सुनतीं डीएम नेहा शर्मा।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में किसान दिवस पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से किसानों की समस्याओं को लेकर सजग है और निस्तारण के लिये निरंतर प्रयास कर रहा है। किसान बंधु इस बैठक में अपनी समस्या लेकर आते हैं तो उनका सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा उचित निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं का समय से निराकरण कराया जाए।

बैठक में किसानों द्वारा खाद, बीज, सिंचाई, केसीसी, ऋण, विद्युत, गन्ना, सहकारी समितियां, छुट्टा पशु, नहर सिंचाई, राजकीय नलकूप सिंचाई, सोलर पम्प, जनहानि, दुर्घटना बीमा आदि को लेकर अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिस पर उन्होंने उपकृषि निदेशक व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करायें। डीएम ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान लापरवाही करने व बगैर सूचना के बैठक में अनुपस्थित रहने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, उप निदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर, जिला कृषि अधिकारी, एसडीईओ कृषि, एक्सईईएन सिंचाई विभाग, जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सिंह, नहर विभाग, विद्युत विभाग, भूमि संरक्षण अधिकारी, रेशम विभाग, उद्यान विभाग सहित दर्जनों किसान बन्धु उपस्थित रहे।

अमर सेनानी राना बेनी माधव बक्स सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में एक कला प्रतियोगिता का आयोजन

रायबरेली। अमर सेनानी राना बेनी माधव बक्स सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में एक कला प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय होटल प्लीजेंट व्यू सेनानी में संपन्न हुआ। कला प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों के 547 से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया।समिति द्वारा आयोजित कला प्रतियोगिता में जनपद के न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल त्रिपुला, न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मंदिर, रेयान इंटरनेशनल, सेंट पीटर्स, दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, राइजिंग चाइल्ड पब्लिक स्कूल, बीएसएस पब्लिक स्कूल, रायबरेली कान्वेंट स्कूल, वी ए एस एन पब्लिक स्कूल, विबग्योर पब्लिक इंटर कालेज की चारों शाखा समेत जनपद के 26 स्कूलों ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह व डा अमिता खुबेले, कार्यक्रम प्रभारी डा शशिकांत शर्मा ने किया। समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कला प्रतियोगिता में जिले से करीब 32 विद्यालयों के 400 बच्चों ने 4 वर्गों में प्रतिभाग किया। सबसे खास बात तो यह रही कि इस प्रतियोगिता में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की उपस्थिति रही। अपनी कला का हुनर दिखने वाले बच्चों की कला देखते ही बनती थी। प्रतियोगिता के बाद डॉक्टर ओमिका सिंह, डॉक्टर पूजा त्रिवेदी, डॉक्टर प्रियंका अग्रवाल, व गोविंद खन्ना निर्णायक की भूमिका परिणाम फाइनल करेंगे। परिणाम गुरुवार को घोषित किया जायेगा। पुरस्कार पाने वाले बच्चों को 24 अगस्त को कवि सम्मेलन के पूर्व पुरस्कृत किया जाएगा।

एसपी ने महिला थाना व को. भिनगा का किया निरीक्षण

श्रावस्ती। भिनगा। पुलिसअधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने महिला थाना व थाना को0 भिनगा का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान महिला हेल्प डेस्क कार्यालय सीसीटीएनएस पर पहुंच कर वहां मौजूद कर्मचारीगण से दैनिक कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कुशलक्षेम जाना तथा प्राप्त शिकायतों के बारे में भी पूछताछ कियाएथाने के अभिलेखों को चेक किया तथा रख रखाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने सभी विवेचकगण को सभी विवेचनाओं जांचों को पूर्ण मनोयोग पूर्वक अतिशीघ्र निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया थाना परिसर बैरक कार्यालय आदि की साफसफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया।

इसके साथ ही थाना को0 भिनगा पर वर्तमान भोजनालय को कर्मचारियों की असुविधा को देखते हुए दूसरी जगह स्थानान्तरित कर दिया गया है मेस के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य

प्रचलित है मेस का निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूरा करवाने हेतु प्रभारी निरीक्षक को0 भिनगा को निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त महिला थाना परिसर पर टीन शेड के निर्माण कार्य करवाने हेतु भी सम्बंधित को निर्देशत किया इस निर्माण का उद्देश्य फरियादियों को बैठने की उचित और सुरक्षित सुविधा प्रदान करना है जिससे वे अपनी शिकायतें और आवश्यक कार्य आसानी से कर सकें। इस शेड के निर्माण से फरियादियों को धूप बारिश या अन्य मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाव भी मिलेगा।

ग्राम पंचायत में गठित समिति व जिम्मेदार अधिकारियों पर विकास कार्यों में घोर अनियमित्ता व गबन का आरोप

ऊंचाहार। अरखा ग्राम पंचायत में गठित समिति व जिम्मेदार अधिकारियों पर विकास कार्यों में घोर अनियमित्ता व गबन का आरोप लगाते हुए ग्रामीण ने जिलाधिकारी से मामले की शिकायत की है। गाँव के रहने वाले पुष्पेंद्र सिंह ने डीएम को दिये शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि पिछले वर्ष जून के महीने में अरखा ग्राम पंचायत में वित्तीय व प्रशासनिक कृत्यों के संपादन के लिए समिति का गठन किया गया था। पिछले वर्ष अक्टूबर महीने से इस वर्ष के जुलाई महीने तक एक करोड़ रुपये की धनराशि विकास कार्यों में खर्च की गई है। आरोप है कि इस धनराशि में समिति के सदस्यों व जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर गबन किया गया है। स्ट्रीट लाइट, नल मरम्मत, नल रिबोर, कायाकल्प, कम्प्यूटर खरीद आदि कार्यों में जमकर धांधली व भ्रष्टाचार किया गया है।

क्विक न्यूज

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

अमेठी। शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया तथा मौके पर ही जिलाधिकारी द्वारा उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। किसान दिवस में किसान बन्धुओं द्वारा नहरों में पानी ना आनेए निराश्रित गोवंश की समस्या, पेयजल योजना के अंतर्गत पाइपलाइन डालने के दौरान सड़कों को खोदने के उपरांत उन्हें पुनः गुणवत्तापूर्ण ढंग से मरम्मत न किए जाने सहित अन्य बिंदुओं पर अपनी

शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। किसान दिवस के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी किसान बन्धुओं को उपलब्ध कराई गई।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज

ऊंचाहार। डीसीएम में मृत मिले गोवंशों के मामले में पुलिस ने वाहन स्वामी के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया थाए जिसे जेल भेजने की कार्यवाई की गई है। जुलाई महीने की दो तारीख को सवैया हसन गाँव के पास सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में लगभग 2 दर्जन गोवंश मृत अवस्था में मिले थे। पुलिस ने पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों की मौजूदगी में गोवंशों को दफ्न कराया था।मामले में पुलिस ने विवेचना के दौरान डीसीएम वाहन स्वामी घनश्याम उर्फश्याम वर्मा निवासी नौबस्ता थाना देल्हूपुर जिला प्रतापगढ़ के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था।बुधवार को पुलिस मनीरामपुर पुल के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालयों में अनिवार्य रूप से प्रधानाध्यापक का पद जरूर हैः अंबिका देवी

संतकबीरनगर। प्राथमिक शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष अंबिका देवी ने बताया की संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा राज्य मंत्री बेसिक शिक्षा को पत्र देकर मांग किया कि समस्त प्राथमिक व जूनियर विद्यालय में प्रधानाध्यापक का पद अनिवार्य रूप से रखा जाए। सर प्लस शिक्षकों हेतु समस्त विद्यालय जहां पर शिक्षक की आवश्यकता है उन सभी विद्यालयों को खोला जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति होने वाले तथा दिव्यांग व असाध्य रोग से ग्रसित शिक्षकों का समायोजन ना किया जाये। अंबिका देवी यादव ने

बताया की इस आशय का पत्र प्रमुख सचिव, महानिदेशक, सचिव बेसिक शिक्षा को भी भेजा गया है। जिला उपाध्यक्ष जफीर अली करखी, के सी सिंह, मो आजम, मो शोएब अख्तर, राम निवास, मनोज कुमार अनिल, फूल चंद, कमाल अहमद आदि ने भी मांग किया की प्राथमिक व जुनियर हाई स्कूल में रिक्त प्रधानाध्यापक पद पर शीघ्र पदोन्नति की जाए।

23 को जनपद आयेंगे राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह

श्रावस्ती। प्रदेश के राज्यमंत्री संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह जनपद में 23 अगस्त को पूर्वान्ह 11ः30 बजे सर्किट हाउस श्रावस्ती पहुंचेंगे। तत्पश्चात् मंत्री जी अपरान्ह 12 बजे कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में आयोजित आशा सम्मेलन कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। अपरान्ह 02 बजे मंत्रीजी लखनऊ हेतु प्रस्थान कर जाएंगे। उक्त जानकारी प्रभारी अधिकारी प्रोटोकाल ने दी है।

अज्ञात चोरों ने विद्यालय को बनाया निशाना

जगदीशपुर, अमेठी। बीती रात अज्ञात चोर विद्यालय को निशाना बनाकर हजारो का माल लेकर फरार हो गए सुबह घटना की तहरीर पुलिस को देकर प्रधानाध्यापक ने कार्यवाई की मांग की। थानाक्षेत्र भाले सुल्तान शहीद स्मारक के अंतर्गत बीती रात वारिसाबाद स्थित कंपोजिट विद्यालय मे अज्ञात चोर दीवार तोड़कर उसमे रखा राशन बर्तन साउण्ड समेत हजारो का माल लेकर फरार हो गए। प्रधानाध्यापक ने थाने पर तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की । इस संबंध मे थानाध्यक्ष तनुज कुमार पाल ने बताया कि तहरीर मिली है जांच पड़ताल हेतु मौके पर टीम भेजा गया है ।

गोली मारकर हुई हत्या के मामले नामजद विशाल सिंह के पक्ष में करणी सेना ने एसपी ऑफिस का किया घेराव

रायबरेली। रायबरेली में बीते दिनों दलित युवक अर्जुन पासी की हुई गोली मारकर हत्या के मामले में हत्याकांड में फर्जी तरीके नामजद मुकदमें में दर्ज,आरोपी पक्ष के समर्थन पहुंची करनी सेना ने एसपी ऑफिस का घेराव कर एसपी से मुलाकात की आपको बता दे कि रायबरेली जनपद के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विशाल सिंह निर्दोष है के नारे लगाते हुए करणी सेवा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी ने करणी सेवा के प्रमुख वीर प्रताप सिंह की अगुवाई में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया घंटा जय भवानी जय भवानी के नारों पुलिस अधीक्षक कार्यालय गूंज उठा करणी सेवा प्रमुख वीर प्रताप सिंह की अगुवाई में सैकड़ो की तादाद में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने डीएम एसपी से मुलाकात करते हुए उनको ज्ञापन सोपा है और कहा है कि जिस तरह से विशाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर दलित संगठनों

द्वारा प्रशासन पर दबाव डाला जा रहा है वह गलत है मामले में जिला प्रशासन निष्पक्ष जांच करके कार्यवाही सुनिश्चित करें आपको बताते चलें कि 11 अगस्त 2024 को दलित युवक अर्जुन पासी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी इसके मामले में सात लोगों के खिलाफ नसीराबाद थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया था उपरोक्त मामले में पुलिस ने अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है लेकिन साथ में आरोपी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह की गिरफ्तारी न होने के बाद दलित समाज के संगठनों के साथ-साथ राजनीतिक संगठनों ने भी मामले को बढ़ावा दिया जिसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के राजनेता सामने नजर आए मंगलवार को मृतक अर्जुन पासी के परिवार से मिलने पहुंचे राहुल गांधी से मृतक के परिजनों ने विशाल को मास्टरमाइंड बताते हुए उसकी गिरफ्तारी की मांग की है वही करणी सेवा के प्रमुख ने कहा कि निष्पक्ष जांच ना हुई तो आगे भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा। गौर तलब है कि अर्जुन पासी हत्या का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा हैं।

डीएम ने पुस्तक संग्रहालय में किताबें दान देने के लिए जन सामान्य से की अपील

● जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा पुस्तक संग्रह अभियान

अमेठी। जरूरतमंद व ज्ञानार्जन करने वाले गरीब बच्चों को निशुल्क किताबें उपलब्ध कराए जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक संग्रह अभियान चलाया जा रहा है इसके लिए कलेक्ट्रेट के प्रथम तल पर पुस्तक संग्रहालय कक्ष की स्थापना की गई है जिसका जिलाधिकारी निशा अनंत द्वारा बीते स्वतंत्रता दिवस को शुभारंभ किया जा चुका है।

पुस्तक संग्रहालय में किताबें दान करने वाले 06 लोगों को आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निशा अनंत व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें श्याम सुंदर लेखपाल द्वारा

175 किताबेंए डॉ आशीष कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ पत्रकार एनबीटी अमेठी द्वारा 25 किताबें, पुनीत द्विवेदी रीडर डीएम अमेठी द्वारा 75 किताबें, शीतला गुप्ता राजस्व निरीक्षक द्वारा 38 किताबें, पूनम सक्सेना सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अमेठी द्वारा 60 किताबें तथा सरफराज अहमद कनिष्क सहायकए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 20 किताबें दान में दी गई जिसके लिए आज जिलाधिकारी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों तथा जनसामान्य से पुस्तक संग्रहालय में किताबें दान देने की अपील की तथा कहा कि इस मुहिम से जरूरतमंद व ज्ञानार्जन करने वाले बच्चों को निशुल्क किताबें दी जाएंगे आप लोगों के पास हिंदी, अंग्रेजी माध्यम तथा अन्य सर्विसेज एक्जाम की तैयारियों से संबंधित किताबें दान दें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए की सभी पंचायत भवनों में एक रैक रखने के निर्देश दिए जिसमें सभी प्रकार की किताबें उपलब्ध रहें।

तेरह केंद्रों पर 52,320 अभ्यर्थी देंगे पुलिस भर्ती परीक्षाः जिलाधिकारी

● जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी में होगी परीक्षा

गोंडा। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए गोंडा जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के द्वारा इंतजाम कर लिए गए हैं। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम की निगरानी में यह परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि परीक्षा के लिए जनपद में 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रों पर दो पालियों में सुबह 10 से 12 बजे व दोपहर 3 से 5 बजे के बीच परीक्षा होगी। यह परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को आयोजित की जाएगी। जिसमे कुल 52,320 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को सफल, सुचारू, नकलविहीन, और सकुशल संपन्न कराने के लिए केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, और परीक्षा सहायक की तैनाती की गई है। केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्र पर परीक्षा आरंभ होने से 3 घंटे पूर्व पहुंचेंगे और प्रश्न पुस्तिका से संबंधित सीलबंद बक्से सेक्टर मजिस्ट्रेट से प्राप्त कर निर्धारित समय पर केंद्र प्रभारी पुलिस और स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में खोलेंगे। ओएमआर शीट व अन्य परीक्षा सामग्री के सीलबंद पैकेट नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट को प्राप्त कराना सुनिश्चित करेंगे। केंद्र व्यवस्थापक यह भी सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा केंद्र पर किसी भी कार्मिक/अभ्यर्थी के पास मोबाइल फोन नहीं होगा। कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति के समय केंद्र व्यवस्थापक के द्वारा उनकी क्षमता, निष्ठा, सामान्य छवि, और दृढ़ अनुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का ध्यान दिया जाना आवश्यक है। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज (मेन कैंपस), लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज (साइंस कैंपस), राजकीय पॉलीटेक्निक गोंडा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज, जिगर मेमोरियल इंटर कॉलेज, सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला इंटरमीडिएट कॉलेज, स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज, फअ.अ. राजकीय इंटर कॉलेज, भइया राघव राम पांडेय स्मारक गांधी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज रेलवे कॉलोनी बड़गांव, कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज रेलवे कॉलोनी व मारवाड़ इंटर कॉलेज बड़गांव गोंडा में परीक्षा केन्द्र बनाए गये हैं।

सुरक्षा देने से पल्ला झाड़ने पर आरपीएफ के खिलाफ कर्मचारियों में गुस्सा

लालगंज-रायबरेली। अधुनिक रेलकोच फैक्ट्री के आवासीय परिसर में 15 कर्मचारियों के घर में चोरी की वारदात के मामले में आरपीएफ के पल्ला झाड़ने पर कर्मचारियों ने खांसा आक्रोश व्यक्त किया है। इसकी शिकायत वृहस्पतिवार को रेलवे बोर्ड के सदस्य के संभावित दौरे पर कर्मचारी यूनियनें करेंगी और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग भी करेंगी। आवासीय परिसर में निवास करने वाले कर्मचारियों के भयभीत परिवारों में हाहाकार मचा हुआ है वहीं दूसरी तरफ एमसीएफ के महाप्रबंधक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर नेताओं की तरह कर्मचारियों को महज आश्वासन दे रहे हैं। एमसीएफ व उसमें कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा के नाम पर करोड़ों रूपये खर्च होने के बावजूद न तो फैक्ट्री सुरक्षित दिखाई दे रही है और न ही उसमें कार्यरत कर्मचारी व अधिकारी। आवासीय परिसर में ऊँची चहारदीवारी व उस पर लगे कटीले तार, कालोनियों की सड़क मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइटें तथा सुरक्षा के लिए बनाए गये टॉवर, महज सफेद हांथी साबित हो रहे हैं। रेलवे ने एमसीएफ के अधिकारियों की तैनाती कर बाकायदे थाना बना रखा है जिससे की फैक्ट्री और उसमें कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी सुरक्षित रहे। इतना ही नहीं इन्ही के माध्यम से निजी सुरक्षा एजेंसी पूर्व सैनिक कल्याण निगम के पूर्व सैनिक भी रेलवे ने दिये हैं इसके बावजूद आरपीएफ न तो फैक्ट्री की सुरक्षा कर पा रही है और न ही कर्मचारियों की। आवासीय परिसर के मुख्य गेट पर भारी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती है और समूचे परिसर में ऊँची चहारदीवारी उसपर कटीले तार तथा सुरक्षा के लिए टॉवर बने हैं। कालोनियों की सड़को पर स्ट्रीट लाइटें भी लगी हैं लेकिन अव्यवस्था के कारण यह सब सफेद हांथी साबित हो रहे हैं। सूत्रों की माने तो सुरक्षा टॉवरों पर तो किसी की भी तैनाती होती ही नहीं है। स्ट्रीट लाइटों की लाइन बिल बचाने के चक्कर में रात्रि 11 बजे के बाद बंद कर दिया जाता है और आवासीय परिसर में गश्त के नाम पर महज खानापूरी करती है।

इनर व्हील क्लब रायबरेली ने बनाई 'हरियाली तीज'

● इनर व्हील की क्लब की सदस्यों ने हंसते मुस्कुराते सावन को विदाई दी

संवाददाता। रायबरेली

इनर व्हील क्लब अगस्त की देर रात को दीप पैलेस में हरियाली तीज मनाई ।कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष दीप्ति सिकरिया, सचिव विनीता राजपाल ,पीडीसी ज्ञान लता गुप्ता, पूर्व अध्यक्षों व कार्यक्रम अधिकारी रेखा जिवनानी ,अनामिका गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। रंगारंग सावन के गीतों पर जमकर सभी ने खूब आनंद उठाया ।लोकगीत में ढोलक की थाप पर सभी ने जमकर नृत्य किया ।चूड़ी गेम में संध्या भार्गव प्रथम तो प्रेरणा श्रीवास्तव द्वितीय रहीं । म्यूजिकल कप गेम में रीना गुप्ता व शिल्पी सिंह प्रथम तो पारुल अग्रवाल व आशा सिंह द्वितीय रहीं। आशा सिंह ने सबको सरप्राइज गेम खिलाया।सबसे प्रश्न पूछे फिर सबको गिफ्ट भी दिए गए। छक् ब्यूटी पार्लर से भी रिचा चंदवानी जी ने सभी को गिफ्ट वाउचर दिए, मेहंदी व मेकअप की नि:शुल्क सेवा दी। फिर तंबोला खेला गया ।

नृत्य के माध्यम से तीज का अल्हड़पन वह मस्ती ने भी खूब समां बांधा। हाल की साज- सज्जा में विशेष रूप से अनामिका मेहरोत्रा ,सुरभि अग्रवाल व अनामिका गुप्ता का सहयोग रहा। सेल्फी पॉइंट पर सब ने खूब फोटो खिंचवाई । अध्यक्षा दीप्ति सिकरिया ने रिचा चंदवानी जी को स्मृति चिन्ह वह पुरस्कार देकर धन्यवाद दिया। सभी ने लजीज व्यंजनों का आशा सिंह ,दीपा अग्रवाल, प्रेरणा श्रीवास्तव ,मंजू खेतान व लता सिंह जी के कारण खूब लुत्फ को उठाया । पीडीसी ज्ञान लता गुप्ता जी ने कार्यक्रम के समापन में कार्यक्रम अधिकारी रेखा जिवनानी व कार्यक्रम संयोजक अनामिका गुप्ता , रिचा चंदवानी , सभी होस्ट व आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएम ने अफसरों संग परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

● बच्चों से पढ़वाई किताब परखी शैक्षिक गुणवत्ता

●मुख्य मार्ग से दूरस्थ, पीएस तेंदुआ पहुंची डीएम

प्रधानाध्यापिका पर हुई खफा, मांगा स्पष्टीकरण

लखीमपुर खीरी। बुधवार सुबह डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों की टीम संग ब्लॉक फूलबेहड़ अंतर्गत संविलियन विद्यालय ओदरहना, पीएस तेंदुआ का औचक निरीक्षण कर पठन.पाठन की गुणवत्ता, साफसफाईए छात्र.छात्राओंए शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य रूप से डीपीआरओ विशाल सिंह, बीएसए प्रवीण तिवारी मौजूद रहे। सर्वप्रथम डीएम सुबह 08.35 बजे विकास क्षेत्र फूलबेहड़ के ग्राम ओदरहना पहुंची, कक्षा सात में ब्लैकबोर्ड पर फूल बना देखाए पूछने पर पता चला कि छात्रा आफरीन यह फूल बनाया है। इसपर उन्होंने आफरीन के सिर पर हाथ फेरकर दुलारा और प्रशंसा करते हुए आशीर्वाद दिया। शिक्षिका सुषमा अवस्थी द्वारा बच्चों को पढ़ाया जा रहा था। डीएम ने पुस्तक उठाई। पेज सं. 15 खोला और बच्चों से पढ़वाकर रीडिंग स्किल चेक की। क्लास 6 में शिक्षिका रुपिंदर कौर पढ़ाती मिली। क्लास में फर्नीचर कम होने का कारण जाना। शिक्षक ने बताया कि फर्नीचर टूट गया है। बीएसए ने अवगत कराया कि फर्नीचर की 05 साल की वारंटी है। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में फर्नीचर क्षतिग्रस्त हो गए हैं उनकी मरम्मत कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मियों की टीम सफाई करते मिली। डीएम के पूछने पर डीपीआरओ ने बताया कि रोस्टर के मुताबिक आज इस गांवए विद्यालय में साफ सफाई कराई जा रही है। विद्यालय बाउंड्रीवॉल बनवाने के संबंध में एडीओ को निर्देश दिए। डीएम ने बीएसए को निर्देशित किया कि बीटीएफ और डीटीएफ सदस्य परिषदीय विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान कागजी घोड़े दौड़ने के बजाय स्कूलों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने पर फोकस करे।

अनोखे अंदाज में पढ़ाती मिली निहारिका, डीएम ने की सराहना

निरीक्षण के दौरान कक्षा चार में सहायक अध्यापिका निहारिका अनोखी अंदाज में पढ़ाती मिली। चंदा के गांव मेंए बादलों की छांव में बच्चे एक्टिविटी करते मिले। शिक्षिका की कक्षा के छात्र उनके अनोखे शिक्षण के तरीके को काफी एंजॉय कर रहे हैं। डीएम ने निहारिका के इस प्रयास की सराहा, अन्य शिक्षकों को भी उनसे प्रेरणा लेने की बात कही।

डीएम खफा, प्रधानाध्यापिका का स्पष्टीकरण तलब

डीएम ने जिला मुख्यालय से 20 किमी और मुख्य सड़क मार्ग से लगभग 05 किमी अंदर सुबह 09.20 बजे प्राथमिक विद्यालय तेंदुआ पहुंची, जहां सभी बच्चे एक ही क्लास में बैठे मिलेए पूछने पर शिक्षिका माधुरी पांडेय ने बताया कि बरसात की वजह से बच्चे कम आए है। डीएम ने पूछा एक ही क्लास में दो शिक्षक कैसे पढ़ाएंगे। प्रधानाध्यापिका शीला देवी से शिक्षक संदर्शिका व शिक्षक डायरी मांगीए जवाब में शीला देवी ने बताया कि वह घर पर हैए इस पर गहरी नाराजगी जताईए बीएसए को इनका स्पष्टीकरण प्राप्त करने को कहा।

शिक्षकों को शिक्षक संदर्शिका व शिक्षक डायरी का अनिवार्यता से दैनिक प्रयोग करने के निर्देश दिये। इसके बाद डीएम ने रसोई घर का निरीक्षण किया। इस दौरान गैस चूल्हा खराब थाए चूल्हे पर खाना बनता मिला। स्कूल स्टाफको तत्काल चूल्हा सही करने के निर्देश दिए। चूल्हे पर खाना तैयार करने से आपके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगाए इसलिए गैस चूल्हे पर ही भोजन तैयार किया जाए। उन्होंने दूध प्रदान किए जाने वाले बर्तन भी देखा और जाना कितनी मात्रा में बच्चों को दूध प्रदान किया जाता है। दूध व भोजन वितरण के संबंध में बच्चों से भी पुष्टि की।

पुलिस मुठभेड़ में इनामियां हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फतेहपुर। गाजीपुर थाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम की इन्द्रो पुलिया से असोथर जाने वाली नहर पटरी पर चेकिंग के दौरान पच्चीस हजार का इनामिया, वांछित गैंगेस्टर, अंतर्जनपदीय चोरी से संबंधित शातिर हिस्ट्रीशीटर से मुठभेड़ हो गई। जिसमें बदमाश घायल हो गया। उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीओ थरियांव ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। गाजीपुर पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त टीम मंगलवार की रात इन्द्रो पुलिया से असोथर जाने वाली नहर पटरी पर वहद ग्राम चक काजीपुर पर चेकिंग कर रहे थे। तभी एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से आता हुआ दिखायी दिया। जिसे रोकने का इशारा किया तो वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। बाइक से फिसलकर गिर पड़ा। घिरता हुआ देख पुलिस पार्टी पर फायर करने लगा। आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में अभियुक्त सैफुल्ला पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी शोहदमऊ थाना सुल्तानपुर घोष घायल हो गया। पुलिस ने हिरासत में लेकर इलाज हेतु नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सीओ थरियांव ने बताया कि अभियुक्त थाना सुल्तानपुर घोष का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर, पंजीकृत गैग का सदस्य व गैगेस्टर एक्ट के मुकदमें में 25000 रुपये का इनामिया वांछित अपराधी है। अभियुक्त के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों पर 12 से अधिक मुकदमें पंजीकृत है। गिरफ्तारी से अपराध व अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। पुलिस टीम में थानाध्याक्ष विनोद मिश्र, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उप निरीक्षक सावन पटेल, बृजेश के अलावा एसओजी टीम में निरीक्षक विनोद कुमार यादव, उपनिरीक्षक सुरेश सिंह, हेड कां अनिल सिंह, शैलेन्द्र कुशवाहा, कांस्टेबल विपिन मिश्रा व अतुल त्रिपाठी शामिल रहे।

अलग-अलग स्थानों पर जहर खाकर दो महिलाओं ने दी जान

फतेहपुर। अपने मायके में पांच वर्षों से रह रही 27 वर्षीय महिला ने बुधवार की सुबह भोले बाबा मंदिर के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पारिवारिक कलह से तंग 23 वर्षीय एक युवती ने जहर खा लिया। सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। दोनों के परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने के उद्देश्य से शवों को घर वापस ले गए। सदर कोतवाली क्षेत्र के बेरूईहार गांव निवासी सुरेश की पत्नी सुनैनका देवी पांच वर्ष पूर्व अपने पति को छोड़कर मायका राधानगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर आ गई थी। तब से यहीं रह रही थी। सुबह वह घर से निकली और करसवां के समीप भोले बाबा मंदिर के पास जहर खा लिया। वहीं अचेत हो गई। जिला चिकित्सालय भेजा। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध भीम आर्मी, बसपा व अन्य दलों ने अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर प्रदर्शन

फर्रुखाबाद। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफभीम आर्मी तथा बसपा एवं अन्य संगठनों ने मिलकर कड़ा विरोध किया। बडी संख्या में लोग फतेहगढ़ स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल के पास एकत्र हो गए। जहां उन्होंने बिरोध में आवाज बुलंद कर जोरदार नारेवाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ज्यादातर प्रदर्शनकारी गले में नीला गमछा डाले पूरे जोश में दिखाई दे रहे थे। विरोध प्रदर्शन के अलावा जिले में बाजार बंदी, सड़क जाम, रेल रोको, स्कूल कालेज बंदी जैसा कोई नजारा देखने को नहीं मिला। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जिले भर में भारत बंद आवाहन का कोई खास असर पड़ता दिखाई नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खास कर दलित वर्ग में भारी आक्रोश अवश्य झलकता मालूम पड़ा। हर जगह विशेष रूप से दलित वर्ग के लोग बातों – बातों में ही फैसले को चुनौती देनी जैसी मुद्रा में दिखे। उनकी बात का काफी संख्या में पिछड़े वर्ग के जागरूक लोग भी पूरी तरह समर्थन कर रहे थे। नाराज प्रदर्शनकारी केन्द्र सरकार से जजमेन्ट के खिलाफ आध्यादेश लाने की मांग कर रहे थे।

उनका कहना था कि दलित वर्गीकरण करना एक सोची समझी रणनीति का है । जिसे वे स्वीकार नहीं कर सकते । भारत बंद की जानकारी प्रशासन को थी। क्योंकि भारत बंद आवाहन पहले से ही किया जा चुका था। इसलिए व्यवस्था के लिए पूरे जिले में हर जगह पुलिस की गश्त बढ़ाते हुए सुरक्षा के कडे इंतजाम किए गए थे। लगभग हर थाना क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों से लेकर चौराहों तिराहों तथा मुख्य मार्गों पर पुलिस की कड़ी चौकसी बरती जा रही थी । पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी पुलिस बल के साथ स्वयं मोर्चा संभाले हुए थे। मुख्य प्रदर्शन स्थल पीडब्लूडी फतेहगढ़ तिराहा स्थित अंबेडकर मूर्ति के पास प्रदर्शन काफी देर तक चलता रहा।

लोधी महासभा ने पूर्व मुख्य मंत्री बाबू कल्याण सिंह की तीसरी पुण्य तिथि मनाई

फर्रूखाबाद। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूजी कल्याण सिंह की तीसरी पुण्यतिथि विक्रांतसिंह राना के प्रतिष्ठान पर धूमधाम से मनाई गई , जिसमें बाबूजी कल्याण सिंह को भारत रत्न देने की एक स्वर से मांग की गई। आज श्रंद्धाजलि सभा में लोधी महासभा के प्रदेश महामंत्री परशुराम वर्मा ने कहा कि बंथलशाहपुर में हुए लोधियों के सगे दो भाईयों के मर्डर में एक भाई की छोटी बच्ची को आर्थिक सहायता हेतु एक लाख पच्चीस हजार रुपए फंड की व्यवस्था महासभा के द्वारा की गई है। जिला अध्यक्ष महेशचंद्र राजपूत ने कहा कि लोधी समाज घर घर में पैर पसार चुकी शराब व नशामुक्ति हेतु, तरह तरह की फैली कुरीतियों व अंधविश्वास को समाप्त करने के लिए जाग्रति चौपाल गांव गांव लगायेगी।

महासभा के कानूनी सलाहकार प्रेमपाल सिंह राजपूत एडवोकेट ने

कहा कि बंथलशाहपुर की घटना को शीघ्र ही सीबीआई से जांच कराने की मांग की तथा उन्होंने बताया कि अगली 23 अगस्त को झंडेवाला पार्क लखनऊ में शहीद हुए गुलाब सिंह लोधी बलिदान दिवस को धूमधाम से अध्यापक अनिल वर्मा के आवास कमालगंज में मनाया जायेगा,आज बाबूजी को श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा सुमन अर्पित करने में प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री परशुराम वर्मा, जिलाध्यक्ष महेशचंद्र राजपूत, राम लडैते राजपूत, अमर सिंह राजपूत, हरिनाथ सिंह राजपूत, प्रेमपाल सिंह राजपूत एडवोकेट, अजय राजपूत फौजी , रामसरकार राजपूत , अहिवरन सिंह लोधी, बेचेलाल वर्मा, अनिल राजपूत, रोशनलाल राजपूत, प्रवीन वर्मा, महिपाल गुप्ता आदि मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रांत सिंह राना लोधी व संचालन रामाधार सिंह वर्मा ने किया।

युवक ने पिता के द्वारा रुपए न देने पर लगाई फांसी

फर्रूखाबाद। पिता ने पैसे की मांग पूरी न होनें पर युवक नें पहले शराब पी उसके बाद फांसी का फंदा अपने गले में लगाकर जान दे दी। परिजनों मे इसके बाद कोहराम मच गया । राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चित्रकूट निवासी 22 वर्षीय राघवेन्द्र सिंह पुत्र रामकिशन बीते 18 अगस्त को जयपुर से घर रक्षाबंधन पर आया था। उसने रक्षाबंधन के बाद जयपुर जानें के लिए पिता रामकिशन से 5 हजार रूपये मांगे। उसे पिता रामकिशन नें 3 हजार रूपये दिये। जिससे खफा होकर राघवेन्द्र नें कमरा बंद कर गमछे से छत के कूड़े में फांसी लगा ली। परिजनों नें गम्भीर हालत में उसे सीएचसी राजेपुर पंहुचाया जहाँ चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक जयपुर में बाल काटने का कार्य करता था। उप निरीक्षक शिशुपाल सिंह ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा । प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह सोलंकी नें बताया कि शव का पोस्ट मार्टम कराया जायेगा।

क्विक न्यूज

युवक ने फांसी लगाकर दी जान स्वजनों में मचा कोहराम

राठ। जरिया थाने के करियारी गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। करियारी गांव निवासी मंगलवार देवीदयाल(30) ने कमरे में लाइट की डोरी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्वजनों ने जब युवक को फांसी पर लटका देखा तो हड़कंप मच गया। मृतक के चचेरे भाई भूपेंद्र पाल ने बताया कि देवीदयाल के पास करीब दो बीघा जमीन है। देवीदयाल पिता के साथ खेती.बाड़ी के साथ मेहनत मजदूरी करता था। वह अविवाहित था और शराब पीने का आदी था। उसकी मां ज्ञान देवी और पिता मातादीन खेत पर काम करने के लिए गए थे। मृतक तीन भाइयों में मंझला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नाबालिग के साथ किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

कुशरा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के जखेला गांव में सोमवार को देर रात घर से दूध लेने जाते समय एक युवक ने नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफबलात्कार का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के जखेला गांव निवासी एक नाबालिग लड़की घर से दूध लेने जा रही थी तभी पहले से घात लगाये बैठे गांव के दिलीप अहिरवार पुत्र जगपाल ने उसका हाथ पकड़ कर घसीटते हुए ले गया और जबरन मुंह दबाकर बलात्कार किया। बलात्कार के बाद दिलीप उसे बदहवास स्थित में छोड़कर मौके से भाग गया।पीड़ित लड़की का पिता ने थाना कुशरा में देर रात मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। तथा आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

ननिहाल गए पांचवीं के छात्र की नदी में डूबने से मौत

राठ। बुधवार को ननिहाल में 9 वर्षीय बालक अपने दोस्तों के साथ बेतवा नदी में नहाने गया था। जिसकी डूब कर मृत्यु हो गयी। राठ निवासी रजनी कुशवाहा पत्नी प्रमोद रक्षाबंधन के पर्व में अपने अपने 9 वर्षीय पुत्र आयुष को लेकर मायके जिटकरी थाना जरिया सोमवार को गई थी। बुधवार की सुबह करीब दस बजे उनका एकलौता पुत्र आयुष अपने मौसी के लड़के व उसके दो दोस्तों के साथ गांव के पास बह रही बेतवा नदी के किनारे नाले में नहाने गया था। नहाते समय वह उसमें डूब गया। दोस्तों की आवाज सुन आस पास मौजूद मछुआरों ने आयुष को नदी से बाहर निकाला। सूचना पर स्वजन उसे सीएचसी सरीला ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

बिजली के पोल से टकराई बाइक हुई युवक की मौत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। क्षेत्र के ग्राम सिंहपुर निवासी 22 वर्षीय विपिन बाथम पुत्र अशोक बाथम बुधवार की दोपहर लगभग 12:30 बजे अपनी बाइक से मलिकपुर जा रहा था अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया जहां विपिन को मृत घोषित कर दिया। उधर मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।

आज जाएंगी पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री एवं पूर्व सांसद कार्यालय के प्रवक्ता शिव प्रताप सिंह ने बताया कि कल (आज) पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति जिले में आएंगी। प्रातः 11 बजे महर्षि विद्या मंदिर में गीत गोविंद प्रकाशन की आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगी तत्पश्चात दोपहर 12 बजे भाजपा कार्यालय में सदस्यता अभियान के बाबत आयोजित कार्यशाला में सम्मिलित होंगी।

ट्रकों की भिड़ंत में खलासी की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौफेरवा एनटीपीसी के समीप मंगलवार की रात ट्रकों की भिड़ंत में 30 वर्षीय खलासी की मौत हो गई वहीं घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जनपद संतकबीरनगर के थाना धनघटा गांव तौकिया निवासी भोलानाथ का पुत्र प्रमोद यादव ट्रक में खलासी था। मंगलवार की रात लगभग बारह बजे झांसी से ट्रक लेकर संतकबीरनगर जा रहे थे तभी चौफेरवा के समीप ट्रकों की भिड़ंत हो गई। जिससे उसकी मौत हो गई।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

फतेहपुर। औंग थाना क्षेत्र के ग्राम करचलपुर में रेलवे लाइन पार करते समय 48 वर्षीय महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन हेतु भेजा है। जानकारी के अनुसार करचलपुर गांव निवासी अवध नारायण सिंह की पत्नी किरन सिंह मंगलवार की दोपहर किसी काम से जा रही थी जब वह रेलवे लाइन पार करने लगी तभी ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दंपति घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम सौंरा एनएच-2 में बुधवार की दोपहर बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से दंपति घायल हो गए। वहीं दूसरा बाइक सवार अन्य वाहन से टकराकर घायल हो गया। जिसे पीआरवी 112 अपने निजी वाहन में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। कानपुर नगर के गांव रमइया थाना बिधनू निवासी सिद्दीक अहमद का 30 वर्षीय पुत्र सलमान अपनी 28 वर्षीय पत्नी आमना व दो वर्षीय पुत्र के साथ आमना को लेकर हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा मामा के यहां आया था। वापस लौटते समय जैसे ही यह लोग सौंरा के समीप पहुंचे तभी बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई। दोनों घायल हो गए। दूसरी बाइक सवार जमुना प्रसाद पुत्र स्व. राम प्रताप 55 वर्ष निवासी सौंरा अन्य वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौजूद पीआरवी 112 ने अपने सरकारी वाहन से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

हत्या के प्रयास के लिए अमीन व साथियों के विरुद्ध एफआईआर का आदेश

खागा, फतेहपुर। कथित दरियाव सिंह स्मारक समिति के महामंत्री राम प्रताप सिंह (अमीन) और उनके साथियों के विरुद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट फतेहपुर ने एफआईआर का आदेश सुनाया है। मजिस्ट्रेट ने यह आदेश बीते 8 अक्टूबर 2023 को जनहितकारी इण्टर कॉलेज के प्रवक्ता रहे प्रमोद कुमार सिंह पर ग्राम बुदवन में कथित तौर पर राम प्रताप अमीन और उनके साथियों द्वारा अध्यापक पर किए गए जानलेवा हमले के संबंध में सुनाया है।

बकौल प्रवक्ता उक्त तारीख को उन्हें जान से मारने के उद्देश्य से राम प्रताप अपने साथ लाठी-डंडा से लैश होकर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह, हरिश्चन्द्र सिंह, प्रवीण सिंह, बृजेश (टब्बू), बब्लू (भूत), अमित, ओम प्रकाश सिंह, सुरेन्द्र सिंह, रवि सिंह व 50-60 व्यक्ति नाम-पता अज्ञात लोगों के साथ आकर प्राण-घातक हमला बोला था। पुलिस के जवानों ने प्रवक्ता की जान बचाकर उन्हें सुरक्षित किया था। प्रवक्ता ने बताया कि राम प्रताप, अमर शहीद ठा0 दरियाव सिंह लोधी का फर्जी प्रपत्र बनकर सार्वजनिक रूप से सम्मान ले चुका है। वह लोध जाति के सिंगरौर फिरके के अन्तर्गत आने वाले गरीब विद्यार्थियों का लोध जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत करवाने में प्रशासन के साथ मिलकर अड़ंगा लगाता है, धमकी देता है। जबकि गुप्त रूप से अनेक सिंगरौर अपने लोध जाति का प्रमाण-पत्र बनवाकर शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इन सबका विरोध करने पर राम प्रताप (अमीन) प्रवक्ता प्रमोद सिंह से रंजिश और खुन्नस मानने लगा। जान से मारने का निरंतर प्रयास करने लगा। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को प्रवक्ता पर जानलेवा हमला किया। प्रवक्ता ने इस पर एफआईआर लिखवाने का प्रयास किया, तो राम प्रताप के प्रभाव और रवि सिंह पुत्र पक्का सिंह के दबाव में थाना पुलिस ने रिपोर्ट पंजीकृत नही किया था। अपने ऊपर हुए हमले पर विधिक न्याय पाने के लिए प्रवक्ता ने न्यायालय की शरण ली।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया याद

● कांग्रेस जनों ने जयंती पर पार्टी की मजबूती का संकल्प लिया

जयन्ती पर राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

कन्नौज। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कि 79 वीं जयंती को सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया। पार्टी कार्यालय पर एकत्रित हुए कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल नें राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुये कहा कि उन्होनें सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है।

मकरन्द नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करनें के उपरान्त जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने बताया की 1984 से 1989 तक राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे। उनके शासन में शांति, शिक्षा और प्रौद्योगिकी में सुधार की पहल हुई। जिसका नतीजा है कि आज हर हाथ में मोबाइल है। सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण का आज तक प्रभाव है। उनके सम्मान और लोगों को उनके जीवन मूल्यों के बारे में बताने के लिए आज सद्भावना दिवस मनाया जाता है।

इस मौके पर पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्र, मो. तारिक़ बशीर, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद शाक्य, अरविंद दुवे, शहर अध्यक्ष मीर हारून, महिला जिलाध्यक्ष रीना वर्मा, अनमोल दीक्षित, ओमकार नाथ त्रिपाठी, सत्य प्रकाश शर्मा, वीनू त्रिपाठी, रमेश सविता, असलम खां, शकील अहमद, विनाश दुबे, सुमन देवी,एहसानुल हक़ आदि मौजूद रहे। उधर गुरसहायगंज तिर्वारोड स्थित कैम्प कार्यालय मे नगर अध्यक्ष संजीव दुवे मुन्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती कार्यकर्ताओं के साथ मनाई जिसमें उन्होनें कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि स्व. राजीव गांधी से हमें व कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। युवाओं के समग्र विकास के लिये पंचवर्षीय योजनाओं को धरातल पर लाने का काम राजीव गांधी ने किया था।

किसान दिवस में किसानों को विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी, सुनी गई समस्याएं

● पर ड्राप मोर क्राप (माइक्रोइरीगेशन), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जनपद स्तरीय कियान्वयन समिति की हुई बैठक

कानपुर देहात। अन्नदाता किसानों की समस्याओं के त्वरित निदान करने के साथ.साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित योजनओं/कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार एवं डीएम आलोक सिंह के मार्गदर्शन में तथा सीडीओ लक्ष्मी एन. की उपस्थिति में किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। किसान दिवस में किसानों को विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं को लाभ उठाते हुए अपनी आय में वृद्धि करने हेतु जागरूक किया गया। जिला कृषि अधिकारी डा. उमेश कुमार गुप्ता द्वारा धान फसल की सुरक्षा के संबंध मे ए नैनो उर्वरकों के प्रयोग से होने वाले लाभों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। भूमि संरक्षण अधिकारी देवेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा खेत तालाब योजना का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि जनपद में इस वर्ष 54 खेत तालाब खोदे जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसका आकार 22 गुणा 20 गुणा 3 मीटर निर्धारित है, जिसकी अनुमानित लागत प्रति खेत तालाब रू0 105000 रु. है। कृषि विभाग द्वारा प्रति खेत तालाब 50 प्रतिशत अनुदान रू0 52500ध्दो किश्तों में अनुदान के रूप में लाभार्थी किसान को प्रदान किये जायेगें। पहली किस्त का भुगतान कृषक को खुदाई पूर्ण करने पर अनुदान की 75 प्रतिशत धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी तथा शेष 25 प्रतिशत धनराशि पक्का कार्य पूर्ण होने पर की जायेगी। तालाब खोदे जाने पर भूमिगत जल स्तर बढने के साथ.साथ तालाब में मत्स्य पालनए सिंघाडा उत्पादन आदि का कार्य करने किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। योजनान्तर्गत किसानो का चयन पहले आओ.पहले पाओं के आधार पर किया जायेगा तथा खेत तालाब के साथ.साथ सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित किये जाने की अनिवार्यता हे अर्थात किसान द्वारा पूर्व में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित की हो या तालाब खुदने के बाद सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित करने का त्रिपक्षीय समझौता किया होना आवश्यक है। जिला उद्यान अधिकारी बलदेव प्रसाद द्वारा उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए सब्जी उत्पादन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराना हमारी प्राथमिकता: डीएम

● किसान दिवस में आई विभिन्न समस्याएं, डीएम ने विभागाध्यक्षों को दिए निर्देश

किसान दिवस में समस्याएं सुनतीं डीएम सी. इन्दुमती।

फतेहपुर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी सी. इन्दुमती की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में डीएम ने निर्देशित किया कि यदि कृषि अथवा उससे संबद्ध विभागों से इतर यदि कृषकों से शिकायत प्राप्त होती है तो उन विभागाध्यक्षों को निराकरण हेतु सक्षम स्तर सश्नपत्र निर्गत कराकर प्रेषित कराया जाये एवं उन्हें अगली बैठक में अनुपालन आख्या/निस्तारण आख्या के साथ बैठक में प्रतिभाग किये जाने हेतु आमंत्रित किया जाए। डीएम के समक्ष कृषकों ने सामूहिक रूम से फसल बीमा का प्रीमियम बैंकों द्वारा बिना कृषक स्वीकृति के काटे जाने की शिकायत की। डीएम ने कृषकों को सामूहिक रूप से इस संबंध में समस्या के निराकरण कराये जाने हेतु प्रार्थना पत्र दिए जाने हेतु कहा। ताकि इस सम्बन्ध में उनके स्तर से शासन स्तर से पत्राचार कर समस्या का निदान कराया जा सके। ने अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई खण्ड को निर्देशित किया कि नहर संचालन के मील संख्या पर दो कर्मचारियों की तैनाती कराये जाने हेतु सक्षम स्तर से वार्ता कर आवश्यक कार्यवाही की जाये। ताकि जनपद को आवंटन के अनुसार नहर जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके। यदि उनके स्तर से यह सम्भव न हो तो जिलाधिकारी स्तर से पत्र निर्गत कराकर समस्या का निराकरण कराया जाए। डीएम ने किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाने, उर्वरक समितियों में डीएपी उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके अलावा डीएम ने किसानों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक ने संचालन करते हुए पूर्व बैठक में कृषकों की शिकायतों के अनुपालन के संबंध में कृषकों को अवगत कराया। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रभारी प्रीतम सिंह ने ग्राम अतरहा ब्लाक हंसवा के प्राथमिक पाठशाला के पास लगे ट्रांसफार्मर के ओवरलोड होने एवं विद्युत लाइन को सही कराये जाने, शाह पावर हाउस को विस्तार करते हुए अलग विद्युत लाइन बनाये जाने की मांग की। डीएम ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों पर कृषकों के द्वारा लगातार शिकायतें किसान दिवस में प्राप्त हो रही है उनका त्वरित संज्ञान लेकर गुणवत्तापरक निराकरण कराया जाए।

शिकायतों का सात दिवस में निस्तारण कराने के निर्देश

फतेहपुर। डीएम ने गत बैठक में किसान नेता नरसिंह पटेल व गया प्रसाद पुत्र शिवबालक निवासी ग्राम चंदनमऊ खागा की शिकायत के क्रम में अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड तृतीय एवं सहायक अभियन्ता विद्युत भंडार गृह द्वारा अपेक्षित कार्यवाही न करने क्रम में अधिशाषी अभियन्ता विद्युत तृतीय को तत्काल आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश देते हुए प्रकरण का पटाक्षेत्र सात दिवस के अंदर किये जाने के निर्देश दिये। गत बैठक में प्राप्त शिकायत छोटेलाल निवासी ग्राम कोण्डार द्वारा महाखेडा के अन्दर कोण्डार माइनर पर पुलिया निर्माण का निस्तारण न होने के संबंध में उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि प्रकरण के निराकरण हेतु उनके स्तर से पत्र अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को पत्र पुलिया निर्माण कराये जाने हेतु प्रेषित किया जाए एवं प्रकरण का निस्तारण सात दिवस में निस्तारण कराया जाए।

राजनीति नहीं छोड़ूंगा, नई पार्टी बनाने को तैयार

भाषा। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि वह राजनीति नहीं छोड़ेंगे और नया सियासी दल बनाने का विकल्प उनके लिए हमेशा खुला है। सोरेन ने कहा कि वह झामुमो नेताओं के हाथों अपमान का सामना करने के बाद अपनी योजनाओं पर अडिग हैं। सोरेन ने दावा किया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को समर्पित कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता ने मंगलवार आधी रात के बाद सरायकेला-खरसावां जिले में अपने पैतृक गांव झीलिंगोरा पहुंचने के तुरंत बाद कहा, यह मेरे जीवन का नया अध्याय है। मैं राजनीति नहीं छोड़ूंगा, क्योंकि मुझे अपने समर्थकों से बहुत प्यार और समर्थन मिला है। अध्याय (राजनीति छोड़ने का) समाप्त हो गया है, मैं एक नया संगठन बना सकता हूं। सोरेन (67) को 1990 के दशक में पृथक राज्य बनाने की लड़ाई में उनके योगदान के लिए झारखंड का टाइगर उपनाम दिया गया था। झारखंड को 2000 में बिहार के दक्षिणी भाग से अलग करके बनाया गया था। चंपई सोरेन ने कहा, झामुमो से किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया है। यह झारखंड की धरती है...मैंने छात्र जीवन से ही संघर्ष किया है। मैंने पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य के लिए आंदोलन में हिस्सा लिया था। झामुमो नेता ने कहा कि अगर उन्हें अगली यात्रा के दौरान कोई समान विचारधारा वाला संगठन या मित्र मिल गया तो वह किसी भी संगठन से हाथ मिला सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं पार्टी को मजबूत करूंगा, नई पार्टी बनाऊंगा और अगर रास्ते में कोई अच्छा दोस्त मिल गया तो दोस्त के साथ आगे बढ़ूंगा...। उन्होंने 18 अगस्त को एक्स पर की गई अपनी पोस्ट का हवाला देते हुए कहा, मैंने वही पोस्ट किया जो मुझे उचित लगा। पूरा देश जानता है कि मैंने क्या सोचा। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच वरिष्ठ नेता ने कहा था कि मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें घोर अपमान का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें वैकल्पिक रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होना पड़ा। चंपई सोरेन ने कहा, इतने अपमान के बाद, मुझे वैकल्पिक रास्ता तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलाई के पहले सप्ताह में उनके सभी सरकारी कार्यक्रम पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी जानकारी के बिना अचानक रद्द कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, जब मैंने कार्यक्रम रद्द करने का कारण पूछा तो मुझे बताया गया कि तीन जुलाई को पार्टी विधायकों की बैठक है और मैं तब तक किसी भी सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकता। उन्होंने पूछा, क्या लोकतंत्र में किसी मुख्यमंत्री का कार्यक्रम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रद्द कर दिए जाने से अधिक अपमानजनक कुछ हो सकता है? सोरेन ने दावा किया कि यद्यपि मुख्यमंत्री के पास विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार था, लेकिन उन्हें बैठक के एजेंडे के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा था, बैठक में (3 जुलाई को) मुझसे इस्तीफा देने को कहा गया। मैं हैरान रह गया। चूंकि मुझे सत्ता की कोई चाहत नहीं थी, इसलिए मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया। हालांकि, मेरे स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंची। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विधायक दल की बैठक में घोषणा की थी कि आज से मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। उन्होंने कहा, उस दिन से लेकर अब तक और आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक, इस यात्रा में मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं। चंपई सोरेन ने दो फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, उनके पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन ने धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने से ठीक पहले इस्तीफा दे दिया था।हेमंत सोरेन को 28 जून को उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। तीन जुलाई को उन्हें झामुमो विधायक दल का नेता चुना गया था। इसके बाद चंपई सोरेन ने राज्यपाल को अपना त्यागपत्र सौंप दिया, जिससे हेमंत सोरेन के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख आदिवासी बहुल इलाकों में दिखा भारत बंद का असर

रायपुर।(भाषा) आरक्षण से संबंधित उच्चतम न्यायालय के हाल के आदेश को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा बुधवार को बुलाए गए भारत बंद का छत्तीसगढ़ में आंशिक असर रहा। एक दिवसीय भारत बंद का असर राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों में देखने को मिला, जबकि शेष जगहों पर इसका ज्यादा असर नहीं दिखा। सरगुजा संभाग के कुछ हिस्सों में, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा धमतरी जिले में ज्यादातर दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। दक्षिण छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सात जिलों में भी बंद का असर रहा। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और कोरबा जैसे जिलों में बंद का आंशिक असर देखने को मिला। स्कूल, अस्पताल और अन्य आवश्यक सेवाओं को बंद से बाहर रखा गया। परिवहन सेवाएं भी काफी हद तक अप्रभावित रहीं। दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में सर्व आदिवासी समाज (एसएएस) के सदस्यों द्वारा बंद के समर्थन में एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। आदिवासी संगठनों के एक छत्र संगठन एसएएस की आदिवासी इलाकों में अच्छी उपस्थिति है। सर्व आदिवासी समाज के नेता बल्लू भवानी ने संवाददाताओं से कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ इस बंद का दंतेवाड़ा में अच्छा समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि व्यापारी संगठन सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बंद का समर्थन किया। भवानी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा है, जिसमें एसटी और एससी आरक्षण पर असंवैधानिक फैसले के खिलाफ विरोध जताया गया है। राज्य के विपक्षी दल कांग्रेस ने भी बंद को नैतिक समर्थन दिया और उनकी मांगों पर ध्यान देने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस की संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, एसटी और एससी के लोगों और उनसे जुड़े संगठनों ने अपनी वैध मांगों के समर्थन में भारत बंद का आह्वान किया है। उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाना चाहिए क्योंकि यह उनका संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस उनके आंदोलन का नैतिक समर्थन करती है।

केंद्र ने शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है। इस कार्य के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें जेड प्लस श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को करने के लिए पहले से ही महाराष्ट्र में है। जेड प्लस सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण उच्चतम जेड प्लस से शुरू होता है। इसके बाद जेड , वाई प्लस , वाई और एक्स आते हैं।

गोयल ने अमेजन के कारोबारी तरीकों निवेश घोषणा पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। (भाषा) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर बुधवार को सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में अमेजन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है लेकिन यह भारत के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इसका असर करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ता है।

गोयल ने यहां भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए ई-कॉमर्स कंपनियों के कारोबारी मॉडल को लेकर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, जब अमेजन भारत में एक अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा करती है तो हम जश्न मनाते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि ए अरबों डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था की बड़ी सेवा या निवेश के लिए नहीं आ रहे हैं। कंपनी को उस साल अपने बही-खाते में एक अरब डॉलर का घाटा हुआ था और उन्हें उस घाटे की भरपाई करनी थी। वाणिज्य मंत्री ने कहा, यह घाटा पेशेवरों को।,000 करोड़ रुपए का भुगतान करने की वजह से हुआ था। मुझे नहीं पता कि ए पेशेवर कौन हैं। मुझे यह जानना अच्छा लगेगा कि कौन से चार्टर्ड अकाउंटेंट, पेशेवर या वकील।,000 करोड़ रुपए पाते हैं, जबतक कि आप उन्हें रोकने के लिए सभी बड़े वकीलों को भुगतान नहीं करते हैं ताकि कोई भी आपके खिलाफ मुकदमा न लड़ सके। उन्होंने अचरज जताते हुए कहा कि एक साल में 6,000 करोड़ रुपए का घाटा होने से क्या कीमतों को बेहद कम रखने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। यह सिर्फ एक ई-कॉमर्स मंच है और उन कंपनियों को सीधे ग्राहकों को बेचने (बी2सी) की अनुमति नहीं होती है। सरकार की स्थापित नीति के मुताबिक, कोई भी ई-कॉमर्स मंच देश में सीधे ग्राहकों के साथ यानी बी2सी कारोबार नहीं कर सकता है। हालांकि, मंत्री ने आरोप लगाया कि ए कंपनियां केवल खुद को बी2बी दिखाने के लिए सभी व्यवसायों को एक इकाई के माध्यम से पुनर्निर्देशित करती हैं। उन्होंने कहा, वे ऐसा कैसे कर रही हैं? क्या यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में एक भूमिका है, लेकिन उनकी भूमिका के बारे में बेहद सावधानी और सतर्कता से सोचने की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियां छोटे खुदरा विक्रेताओं के अधिक मूल्य और उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों को खत्म करती जा रही हैं जबकि छोटी दुकानें इनके दम पर ही जिंदा रहती हैं।मंत्री ने देश में ऑनलाइन खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ने पर परंपरागत दुकानों के साथ बड़ा सामाजिक व्यवधान पैदा होने की आशंका भी जताई। उन्होंने पश्चिमी देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि यूरोप और अमेरिका ने इस प्रवृत्ति के परिणाम देखे हैं। गोयल ने कहा, मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि प्रौद्योगिकी अपनी भूमिका निभाएगी। प्रौद्योगिकी सशक्तीकरण, नवाचार, उपभोक्ता जरूरतों को पूरा करने का एक साधन है लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि यह व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हम ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के बाजार में 27 प्रतिशत की वार्षिक हिस्सेदारी की दौड़ में देश के 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न नहीं करना चाहते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री के अगले वर्ष अप्रैल तक आईएसएस पर पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। (भाषा) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि नासा-इसरो सहयोगात्मक पहल के तहत अगले साल अप्रैल तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए उड़ान भर सकता है।इस अभियान को लेकर दो भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालकृष्णन नायर एक्सिओम स्पेस एक्स-4 मिशन के लिए अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्ला को एक्स-4 मिशन के लिए नियुक्त किया है, जबकि नायर प्रतिस्थापन उम्मीदवार होंगे।

सिंह ने पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रमा पर विक्रम लैंडर के उतरने के उपलक्ष्य में पहली बार मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह से पहले यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगले साल अप्रैल तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस की यात्रा करेगा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की थीम है चांद को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा। इस अवसर पर, इसरो 23 अगस्त को चंद्रयान-3 मिशन द्वारा एकत्र किए गए वैज्ञानिक डेटा को जारी करेगा जिसका उपयोग शोधकर्ताओं द्वारा किया जा सकता है। पिछले दो महीनों में देश भर में एक हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां भारत मंडपम में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में शिरकत करेंगी और भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन और इसरो रोबोटिक्स चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। आगामी अंतरिक्ष मिशन के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए इसरो के वैज्ञानिक सचिव शांतनु भातवाडेकर ने कहा कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन निसार को अगले वर्ष फरवरी के बाद प्रक्षेपित किए जाने की संभावना है। अब तक का सबसे महंगा उपग्रह बताए जा रहे पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के 12 मीटर के रिफ्लेक्टर में कुछ गड़बड़ी आ गई थी और उसे सुधार के लिए वापस अमेरिका भेज दिया गया था। उम्मीद है कि रिफ्लेक्टर अक्टूबर तक भारत वापस आ जाएगा और उपग्रह के साथ जोड़ा जाएगा। भातवाडेकर ने कहा, चूंकि नवंबर से जनवरी तक सूर्यग्रहण का समय होता है, इसलिए निसार का फरवरी से पहले प्रक्षेपण नहीं किया जा सकता।

काकरापार में बने 700 मेगावाट के दूसरे स्वदेशी परमाणु रिएक्टर ने पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली। गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (केएपीएस) में 700 मेगावाट के भारत के दूसरे स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ने बुधवार को पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया। संयंत्र संचालक ने यह जानकारी दी। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने बताया कि केएपीएस में चौथी इकाई 700 मेगावाट की पूर्ण क्षमता तक पहुंचने से पहले 90 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही थी। एनपीसीआईएल ने कहा, केएपीएस-3 की पूर्ण क्षमता पर सुचारू संचालन के बाद केएपीएस-4 का पूर्ण क्षमता से संचालन, अपनी तरह के पहले स्वदेशी 700 मेगावाट के दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) डिजाइन की शक्ति को प्रदर्शित करता है। गुजरात के काकरापार में निर्मित भारत के दूसरे स्वदेश निर्मित 700 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्र का वाणिज्यिक परिचालन 31 मार्च को शुरू हुआ। केएपीएस-4 इकाई का विद्युत स्तर परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) की अनुमति के अनुरूप बढ़ाया गया। भारत इसी डिजाइन के 700 मेगावाट के 14 और परमाणु ऊर्जा रिएक्टर का निर्माण कर रहा है जिनका परिचालन 2031-32 तक शुरू होने की उम्मीद है।

अवैध खनन पट्टा मामले को लेकर सिद्धरमैया- कुमारस्वामी में वाक्युद्ध

बेंगलुरु। कर्नाटक में कथित अवैध खनन पट्टा मामले की जांच को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। लोकायुक्त के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के खिलाफ अभियोजन की अनुमति मांगी गई है।सिद्धरमैया ने बुधवार को कोप्पल जिले के गनीगेरा में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा है कि इस मामले में कुमारस्वामी को गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कुमारस्वामी को लेकर कहा, अगर उन्हें गिरफ्तार करने की कोई परिस्थिति (मामले से जुड़ी) है, तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें गिरफ्तार करेंगे। अभी ऐसी परिस्थिति नहीं है। उन्हें अब डर है कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत मंजूरी दे देंगे। अगर वह डरे हुए नहीं होते तो आज उन्होंने संवाददाता सम्मेलन नहीं किया होता। इसे लेकर कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे गिरफ्तार करने के लिए 100 सिद्धरमैया को आना होगा। क्या आपको ऐसा लगता है कि मैं डरा हुआ हूं? मुख्यमंत्री ने कुमारस्वामी के इस बयान को लेकर कहा, 100 सिद्धरमैया नहीं...पुलिस ही कुमारस्वामी को गिरफ्तार कर सकती है...मैं नहीं...एक सिपाही ही उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काफी है। अगर 100 सिद्धरमैया भी आ जाएं तो भी गिरफ्तारी नहीं हो सकती। मैं गिरफ्तार नहीं कर रहा...गिरफ्तारी पुलिस करती है। एसआईटी ने पिछले साल नवंबर में, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने के लिए गहलोत से अनुमति मांगी थी। आरोप है कि कुमारस्वामी ने 2007 में राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स को कथित तौर पर कानून का उल्लंघन करके खनन पट्टा दिया था।

कोलकाता की घटना कुशासन और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है

उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों और पूर्व नौकरशाहों समेत प्रमुख हस्तियों के समूह ने पीड़िता के लिए इंसाफ की मांग की

नई दिल्ली। (भाषा) उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों एवं पूर्व नौकरशाहों समेत प्रमुख हस्तियों के एक समूह ने कोलकाता की पीड़िता के लिए इंसाफ की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या पश्चिम बंगाल में बिगड़ते सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य और महिलाओं के सामने आने वाले गंभीर खतरों की याद दिलाती है।

एक संयुक्त बयान में, प्रमुख हस्तियों ने आरोप लगाया कि यह घटना पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में व्याप्त उदासीनता, कुशासन और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है और पीड़िता की रक्षा करने के बजाय अपराधियों को बचाने की राज्य सरकार की स्पष्ट प्रवृत्ति न्याय उपलब्ध कराने में गंभीर नाकामी को दर्शाती है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में यह कोई अकेली घटना नहीं है। एक आम तस्वीर उभर कर सामने आती है कि पिछले कई सालों से राज्य में कई वर्गों में हिंसा देखी गई है। प्रमुख हस्तियों ने कहा कि चुनाव के दौरान हुई हिंसा से लेकर हाल में हुए बलात्कारों तक, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत है और तत्काल सुधारात्मक उपाय किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह कार्वाई का समय है। हम सभी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, अधिक न्यायपूर्ण समाज की मांग करते हैं। हम पश्चिम बंगाल के अधिकारियों से हमारी बहन को न्याय दिलाने की मांग करते हैं। संयुक्त बयान पर कुल 295 प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए, जिनमें पूर्व पुलिस प्रमुख, पूर्व राजदूत और पूर्व सैनिक भी शामिल हैं। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा, पूर्व रक्षा सचिव धनेन्द्र कुमार, पूर्व रॉ प्रमुख संजीव त्रिपाठी, पूर्व राजदूत भास्वती मुखर्जी और बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के पूर्व सचिव गोपाल कृष्ण शामिल हैं। बयान में उन्होंने कहा कि आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या को शुरू में आत्महत्या बताया गया था और पीड़िता के माता-पिता को अपनी बेटी का शव देखने की अनुमति देने से पहले कई घंटों तक इंतजार कराया गया। प्रमुख हस्तियों ने दावा किया कि जांच की गहनता पर सवाल उठने के बाद जल्दबाजी में गिरफ्तारी की गई। बयान में कहा गया, यह जघन्य अपराध न केवल न्याय की मांग करता है, बल्कि तत्काल बदलाव की अपील भी करता है। यह अधिकारियों के लिए एक चेतावनी है कि वे सभी जातियों और धर्मों की महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कई सिफारिशें करते हुए उन्होंने कहा, जिन इलाकों में डॉक्टर रात की ड्यूटी पर हैं, वहां गश्त और सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

हेमा समिति की रिपोर्ट : यूडीएफ ने केरल के मुख्यमंत्री विजयन से माफी मांगने को कहा

तिरुवनंतपुरम। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के इस दावे को नकार दिया कि न्यायमूर्ति हेमा ने खुद उनसे मलयालम फिल्म उद्योग पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक न करने का अनुरोध किया था। यूडीएफ ने इसे सरासर झूठ और पाखंड बताया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि तीन सदस्ईय समिति की अध्यक्ष रहीं न्यायमूर्ति हेमा ने सरकार से इसे सार्वजनिक न करने के लिए कभी नहीं कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने झूठ बोलकर सभी को गुमराह करने की कोशिश की और उनका यह जवाब कि सरकार हमेशा पीड़ितों के साथ है, पाखंड के अलावा कुछ नहीं है।

पेज 1 का शेष

राज्यसभा...

वह हार गए, लेकिन उन्हें केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और रेलवे राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। बिहार में दो राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, सुप्रीम कोर्ट के वकील मनन कुमार मिश्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके डिप्टी सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित राज्य में एनडीए के शीर्ष नेता दोनों उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान विधानसभा सचिवालय में मौजूद थे। मौजूदा राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर (भाजपा) और मीसा भारती (राजद) के लोकसभा के लिए चुने जाने से उपचुनाव जरूरी हो गया है। मिश्रा, जिन्होंने 2009 के लोकसभा चुनावों में बसपा के टिकट पर वाल्मिकी नगर से चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी, पांच साल बाद भाजपा में शामिल हो गए, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में भी प्रचार किया।

आंध्र....

(एपीआई) बनाने वाली एसिएंटिया एडवांस्ड साइंसेज ने 200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ अप्रैल 2019 में उत्पादन शुरू किया। यह आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) के बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में अचुतापुरम क्लस्टर में 40 एकड़ के परिसर में स्थित है।

बालिकाओं....

आपातकाल के बाद बनी सरकार में वह स्वास्थ्य मंत्री भी थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद उमड़ी हुई आस्था में पहली बार भारतीय जनता पार्टी जब प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती है तो वह मुख्यमंत्री भी बने। 1997 में वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और फिर हिमांचल और राजस्थान के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक पद के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने अपनी अंतिम यात्रा पूरी की।रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका का ही परिणाम आज हम सबके सामने है। दुनिया में कौन सी श्रमिक और वंचित जातियां होंगी, जिन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अपनी आंखों से नहीं देखा। मानवता का जहां दमन हुआ है, श्रीरामजन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण उनके लिए आशा की एक किरण है। इस आशा की किरण की शुरुआत तब हुई थी जब बाबूजी ने कहा था कि सरकार जाए तो जाने दिया जाए, लेकिन रामभक्तों पर गोली नहीं चलाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि उनका जीवन भारत की राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित था। उन्होंने जातिवाद को प्रश्रय नहीं दिया। समाज का विभाजन करने वाली ताकतों से उन्होंने दूरी बनाए रखी। उन्होंने मूल्यों पर जीवन जिया, राजनीति को आदर्शों को माध्यम बनाया। राजनीति उनके लिए सत्ता और भोग का माध्यम नहीं बनी, राजनीति उनके लिए सौदेबाजी का जरिया नहीं बना, राजनीति उनके लिए अपने स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम कभी नहीं बन पाई। वो मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद, राज्यपाल किसी भी रूप में रहे हों, लेकिन मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता नहीं किया। आरएसएस की पाठशाला में जो दीक्षा उन्होंने सीखी थी, उसका आजीवन पालन करते रहे। इसलिए वो कल्याण सिंह बन पाए। इसलिए कोटि कोटि कार्यकर्ताओं के विश्वास के प्रतीक बन पाए। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह के योगदान को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा कि याद करिए 30 अक्तूबर 1990 और 2 नवंबर 1990 में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं और उस समय की सरकार एक तरफ हिंदू समाज को आपस में बांटने का कार्य कर रही थी तो दूसरी तरफ रामभक्तों पर गोलियां बरसा रही थी। तब अडिग चट्टान बनकर उनके सामने टकराने वाला व्यक्तित्व बाबूजी कल्याण सिंह थे। तब उन्होंने कहा था कि हम हिंदू समाज को बंटने नहीं देंगे। ये जातीयता का जहर घोलने वाले भारत को तोड़ने का काम कर रहे हैं।

हल्के वाहन..

तक सुनवाई स्थगित कर दी जाए या मामले को आगे बढ़ाया जाए। इस पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। पीठ ने कहा कि चूंकि इस मामले पर पहले ही कुछ समय से सुनवाई जारी है, इसलिए मोटर वाहन अधिनियम में संशोधनों को संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने की प्रतीक्षा किए बिना ही सुनवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

डॉक्टरों...

अन्यथा यह ज्वालामुखी में बदल जाएगा... समाज डरा हुआ है... मैं एक लड़की का पिता हूं। मैं बस कल्पना कर सकता हूं कि इतनी बेरहमी से मार दी गई, डॉक्टर दीदी के बूढ़े माता-पिता पर क्या बीत रही होगी...। भारतीय रेलवे में एक शीर्ष पद पर काम करने वाले एक अन्य मैकेनिकल इंजीनियर समर महापात्रा ने कहा कि उन्हें गंभीर गठिया है और वह ठीक से चल नहीं पाते हैं, लेकिन देखिए, मैं भी यहां आया ू और मैं उनके लिए न्याय मांगने के लिए छड़ी के सहारे चल रहा हूं... मेरी बेटी अमेरिका में है... मुझे उम्मीद है कि वह वहां सुरक्षित रहेगी... परिवार के साथ मेरी एकजुटता है... और जब यह हंगामा कम हो जाएगा तो मैं पीड़ित परिवार से मिलूंगा और मरने तक उनके साथ रहूंगा। दौरा किया और फिर चले गए।

पोलैंड...

चीजें मिलती हैं, लेकिन भारतीय स्ट्रीट फूड नहीं मिलता है। उन्होंने कहा, मैंने अपने नए रेस्तरां का नाम हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर रखा है। उन्होंने पीटीआई-वीडियो से कहा, पोलैंड में हमारी करी हाउस की कई दुकान हैं। हम उनमें से नौ के मालिक हैं। लोग सुझाव दे रहे थे कि चूंकि हम भारत से हैं, इसलिए हमें कुछ भारतीय स्ट्रीट फूड भी परोसने चाहिए, जिसका पोलैंडवासी लुत्फ उठा सकें। चायवाला खोलने के पीछे यही उद्देश्य था। भारतीय रेस्तरां के मालिकों के अनुसार, पोलिश लोग न केवल भारतीय व्यंजनों को पंसद कर रहे हैं बल्कि वे भारत की समृद्ध संस्कृति के प्रति भी आकर्षित हो रहे हैं। पोलैंड नागरिक अन्ना मारिया रोजेक ने यहां पीटीआई-वीडियो से कहा, मुझे डोसा बहुत पसंद है। वारसॉ में सबसे अच्छा डोसा इंडिया गेट रेस्तरां में मिलता है और यह वास्तव में दक्षिण भारत की याद दिलाता है। मैंने कई बार चेन्नई और केरल की यात्रा की है और सच में यहां के खाने का स्वाद भी वैसा ही है। इंडिया गेट फूड चेन के मालिक चंदू ने कहा, यहां का खाना वाकई बहुत स्वादिष्ट है... भारतीय खाना जिसमें बहुत सारे मसाले होते हैं। हर चीज का जायका अलग होता है। पोलैंड नागरिकों को बटर चिकन, मैंगो लस्सी बहुत पसंद है। उन्हें भारतीय खाना और भारतीय लोग भी बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा कि पोलैंडवासी भारतीय संस्कृति को पसंद करते हैं और आजकल भारतीय फिल्में भी पोलैंड में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। भारतीय रेस्तरां न केवल राजधानी वारसॉ में बल्कि क्राको और व्रोकला जैसे शहरों में भी लोकप्रिय हैं। यहां आने वाले खाने के शौकीन लोगों को विभिन्न भारतीय व्यंजनों का जायका और स्वाद मिलता है।

कीटनाशक से...

जिसमें साइपरमेथ्रिन और डेल्टामेथ्रिन जैसे सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड्स का अंधाधुंध उपयोग भी शामिल है। इससे मछली की आबादी में असंतुलन पैदा करने के साथ अन्य जलीय वनस्पतियों को नुकसान होता है जो जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करता है। अध्ययन में बताया गया कि मछलियों का शिकार करने में क्रस्टेशियंस रसायन उत्प्रेरक का काम करता है, जिससे मछलियों की तत्काल मौत हो जाती है और इसका अन्य जलीय जीवन के पारस्थितिकी पर गहरा दुष्प्रभाव भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के अवैध उपयोग को रोकने के लिए सख्त नियामक कार्रवाई और निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों की तत्काल आवश्यकता है। वे उभयचरों और कीटों में उत्परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, नई मछलियां इन रसायनों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं, और किशोर मछलियों की प्रजनन क्षमता पर हानिकारक प्रभाव डालने के साथ वयस्क मछलियों की आबादी की गतिशीलता को खतरे में डाल सकती हैं। मछली मारने के लिए पानी में जहरीले कीटनाशकों के प्रयोग से स्थानीय जीवों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा है, क्योंकि पक्षी और जंगली जानवर जहरीली नदियों का पानी पीते हैं और इसके साथ ही जहरीली मछली को ऊदबिलाव खाते हैं। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि गंगा की पारिस्थितिक अखंडता को संरक्षित करने के लिए हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जहरीली मछली पकड़ने की प्रथाओं के खिलाफ कानून लागू करना महत्वपूर्ण है।

करदाताओं को आसान भाषा में नोटिस भेजें, शक्ति का विवेकपूर्ण इस्तेमाल हो

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कर अधिकारियों से कहा कि वे करदाताओं को भेजे जाने वाले नोटिस या पत्रों में सरल शब्दों का इस्तेमाल करें और कानून की तरफ से दी गई शक्तियों का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करें। सीतारमण ने 165वें आयकर दिवस पर यहां आयोजित एक समारोह में कहा कि चेहरा-रहित आकलन व्यवस्था लागू होने के बाद कर अधिकारियों को अब करदाताओं के साथ अधिक निष्पक्ष और मैत्रीपूर्ण व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर नोटिस से करदाताओं के मन में डर की भावना नहीं पैदा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कर नोटिस सरल और साफ होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि नोटिस में करदाता को यह एकदम स्पष्ट कर देना चाहिए कि उसे किस कारण से नोटिस भेजा जा रहा है। इसके साथ ही सीतारमण ने कहा कि आयकर रिफंड तेजी से जारी करने में सुधार की गुंजाइश है। वित्त मंत्री ने करदाताओं के साथ व्यवहार में अनियमित तरीके अपनाने से बचने का कर अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि उनकी कार्वाई मुद्दे के अनुपात में ही होनी चाहिए। उन्होंने करदाताओं से यह भी कहा कि वे प्रवर्तन उपायों का उपयोग केवल अंतिम माध्यम के रूप में करें और विभाग का लक्ष्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने का होना चाहिए। इसके साथ ही सीतारमण ने कहा कि कर विभाग को अधिक मित्रवत और पारदर्शी होने की उनकी बात का मतलब यह नहीं है कि कर अधिकारी इन सभी वर्षों में अनुचित थे। सीतारमण ने कहा, क्या हम सरल और समझने में आसान नोटिस भेजने के बारे में सोच सकते हैं? आप कारण बताएं कि नोटिस में कार्वाई क्यों की गई और नोटिस क्यों भेजा जा रहा है। वित्त मंत्री ने कर विभाग के साथ अपना समर्थन जताते हुए कहा कि कर अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन जारी रखना चाहिए।

लाल मांस के सेवन से टाइप-2 मधुमेह का खतरा अधिक : द लांसेट

नई दिल्ली। (भाषा) दक्षिण-पूर्व एशिया सहित दुनिया भर के 20 देशों के 19 लाख से अधिक वयस्कों पर किए अध्ययन के अनुसार लाल मांस का सेवन टाइप-2 मधुमेह के खतरे को बढ़ाता है। द लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण में पाया गया है कि रोज - 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस, 100 ग्राम असंसाधित लाल मांस और 100 ग्राम पोल्ट्री मांस लेने से टाइप-2 मधुमेह होने के खतरा क्रमश: 15 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और आठ प्रतिशत अधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, मेक्सिको सहित अन्य देशों के शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि दुनिया के कई क्षेत्रों में मांस का सेवन अनुशंसित स्तर से अधिक है और इसका संबंध टाइप-2 मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों से है। उन्होंने कहा कि हालांकि, सभी मौजूदा सबूत काफी हद तक उच्च आय वाले देशों, मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अध्ययनों पर आधारित हैं। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 31 समूहों को शामिल किया, जिसके लिए डेटा वैज्ञानिक अध्ययन और ऑनलाइन रजिस्ट्री से संकलित किया गया था। अध्ययन में भाग लेने वाले 19,66,444 लोगों में से एक लाख से अधिक लोगों को टाइप-2 मधुमेह हुआ, जो आम तौर पर 10 वर्ष तक रहता है। शोधकर्ताओं ने कहा,2 मधुमेह हुआ, जो आम तौर पर 10 वर्ष तक रहता है। शोधकर्ताओं ने कहा, टाइप-2 मधुमेह के साथ असंसाधित लाल मांस और प्रसंस्कृत मांस का सकारात्मक संबंध अमेरिका के क्षेत्र में (क्रमश: 13 प्रतिशत और 17 प्रतिशत), यूरोपीय क्षेत्र में (छह प्रतिशत और 13 प्रतिशत) अधिक था और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र व पूर्वी एशिया में (17 प्रतिशत और 15 प्रतिशत) पाया गया। हालांकि, शोधकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि पोल्ट्री के बजाय असंसाधित लाल मांस का सेवन करने से मधुमेह के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने जम्मू कश्मीर पहुंचे राहुल, खरगे

श्रीनगर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। कांग्रेस के ए दोनों नेता इस दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन की संभावना तलाशेंगे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राहुल गांधी और खरगे 18 सितंबर से तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के सिलसिले में महत्वपूर्ण बैठकों के लिए केंद्र शासित प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार को दोनों नेताओं के लिए कोई आधिकारिक बैठक निर्धारित नहीं है। कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेता बृहस्पतिवार को कश्मीर घाटी के 10 जिलों के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर व्यापक चर्चा करेंगे। ए बैठकें सुबह 10 बजे शुरू होंगी जिसके बाद दोनों नेता (राहुल और खरगे) द्वारा यहां मीडिया से बातचीत करने की संभावना है। चुनाव पूर्व संभावित गठबंधन पर चर्चा के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के शीर्ष नेतृत्व से भी उनके मुलाकात करने की संभावना है। श्रीनगर में बातचीत करने के बाद, राहुल और खरगे बृहस्पतिवार दोपहर जम्मू के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना होंगे और क्षेत्र के 10 जिलों के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि खरगे और राहुल चुनाव के लिए जमीनी स्तर पर तैयारी के बारे में कार्यकर्ताओं से पूरी जानकारी लेंगे। ए चुनाव केंद्र शासित प्रदेश में दस साल के अंतराल के बाद हो रहे हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी से अपने दौरे के समय अनुच्छेद-370 और अनुच्छेद-35ए पर अपनी पार्टी (कांग्रेस) का रुख स्पष्ट करने को कहा।भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि राहुल गांधी का दौरा उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र में लाए गए शांति और विकास से अवगत कराएगा। चुघ भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के प्रभारी भी हैं। उन्होंने कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया कि तीन परिवार, पिछले कई दशकों से जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद की चिंगारी भड़का रहे हैं। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव तीन चरण में--18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को होंगे। मतगणना चार अक्टूबर को होगी।

केंद्र ने आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, विपक्ष राजनीति कर रहा है: फग्गन सिंह कुलस्ते

भोपाल।(भाषा) पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रमुख आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते ने बुधवार को विपक्ष पर अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण के बारे में उच्चतम न्यायालय के फैसले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र ने इस पर अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। मध्यप्रदेश की मंडला (एसटी) लोकसभा सीट से सांसद कुलस्ते ने कहा, न्यायाधीशों ने अपनी राय दी है। मैं व्यक्तिगत रूप से 60-70 सांसदों के साथ इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिला था। प्रधानमंत्री ने हमें बताया कि एससी और एसटी के बीच क्रीमी लेयर प्रावधान (उप-वर्गीकरण) लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी फैसला किया है कि शीर्ष अदालत की राय को लागू नहीं किया जाएगा।

कुलस्ते ने कहा, सरकार की इतनी स्पष्टता और निर्णय के बावजूद, लोगों ने भारत बंद का आह्वान किया है... वे राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस ने एससी और एसटी के नाम पर राजनीति की और मायावती (बसपा प्रमुख) भी यही कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने भी आरक्षण की रक्षा की थी। उन्होंने कहा, न्यायाधीशों की राय हो सकती है, लेकिन इस मुद्दे पर सरकार का रुख स्पष्ट है कि इसे लागू नहीं किया जाएगा। देश भर के इक्कीस संगठनों ने आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के फैसले के खिलाफ बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। संगठनों ने फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांतों को नुकसान पहुंचेगा। उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त को कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जाति (एससी) के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, जो सामाजिक रूप से विषम वर्ग है, ताकि उन जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करना होगा।

मेरे रहते आरक्षण में किसी प्रकार का बदलाव संभव नहीं: चिराग

नई दिल्ली। (भाषा) केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में भारत बंद के आह्वान का नैतिक समर्थन किया और दावा किया कि वह जब तक हैं तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है। गौरतलब है कि एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के पिछले एक अगस्त के फैसले के खिलाफ आज देश भर के 21 संगठनों ने भारत बंद का आह्वान किया है। संगठनों ने न्यायालय क इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांतों को क्षति होगी।

चिराग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एससी-एसटी आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन व्यक्त करती है। उन्होंने कहा, समाज के शोषितों और वंचितों के हक की आवाज बनना हमारा कर्तव्य है। लोजपा के संस्थापक और अपने पिता रामविलास पासवान को याद करते हुए चिराग ने कहा कि वह भी सड़क से लेकर सदन तक सदैव अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार भी शोषितों और वंचितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र की राजग सरकार के सहयोगी चिराग ने कहा कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल में यह फैसला किया गया था कि जैसे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण के प्रावधान रखे थे, वह ठीक वैसे ही रहेंगे और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा, इस फैसले का हम स्वागत करते हैं। मैं आश्वस्त करता हूं कि जब तक मैं हूं, तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है। चिराग ने कहा कि रामविलास पासवान के सिद्धांतों पर चलने वाली लोजपा दलितों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ते रहेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की यात्रा करेंगे

नई दिल्ली। (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार से अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे तथा इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। सिंह वाशिंगटन में अमेरिका के अपने समकक्ष लॉयड ऑस्टिन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान समेत अन्य लोगों से बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सिंह की ऑस्टिन से बातचीत में 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की भारत की योजना, स्ट्राइकर इन्फैन्ट्री लड़ाकू वाहन का प्रस्तावित संयुक्त विनिर्माण और भारत में जीई एफ414 इंजन के सह-उत्पादन पर प्रमुखता से चर्चा होने की संभावना है। रक्षा मंत्रालय ने 23 से 26 अगस्त तक सिंह की अमेरिका यात्रा की घोषणा करते हुए कहा, इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और गहरी तथा मजबूत होने की संभावना है। इसमें कहा गया है, यह यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती गतिशीलता और कई स्तरों पर रक्षा साझेदारियों की पृष्ठभूमि में हो रही है।

वरिष्ठ नौकरशाह गोविंद मोहन केंद्रीय गृह सचिव का कार्यभार संभालेंगे

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी गोविंद मोहन बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला का स्थान लेंगे, जिनका इस महत्वपूर्ण पद पर पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से बी.टेक और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद से पी जी डिप्लोमा धारक मोहन, कैबिनेट सचिव के बाद नौकरशाही के दूसरे सबसे बड़े पद गृह सचिव पर नियुक्ति से पहले केंद्रीय संस्कृति सचिव के रूप में कार्यरत थे। सिक्किम कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी मोहन को पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी के तौर पर तैनात किया गया है। उन्हें सिक्किम और केंद्र सरकार में विभिन्न पदों पर काम करने का व्यापक अनुभव है। मोहन को वर्तमान में सरकार में सेवारत प्रतिभाशाली अधिकारियों में से एक माना जाता है और वह अपनी कर्मठता के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले उन्होंने गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में काम किया था और केंद्र शासित प्रदेशों सहित कई प्रमुख विभागों को संभाला था।वरिष्ठ नौकरशाह मोहन कोविड-19 महामारी के दौरान भी सरकार के प्रमुख अधिकारी रहे और उन्हें विभिन्न प्रोटोकॉल के लिए लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की निगरानी और राज्यों के साथ सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया था। कार्यभार संभालने के बाद मोहन के सामने तात्कालिक चुनौती जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग के साथ निकट समन्वय में काम करना है। निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर से केंद्र शासित प्रदेश में तीन चरणों में मतदान की घोषणा कर दी है। केंद्रीय संस्कृति सचिव के रूप में, मोहन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दो प्रमुख कार्यक्रमों आजादी का अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की।

अजमेर बलात्कार कांड: विहिप ने दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने 1992 के सनसनीखेज अजमेर ब्लैकमेल व यौन शोषण कांड के छह दोषियों के लिए बुधवार को मृत्युदंड की मांग की जिन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इस बहुचर्चित कांड में अजमेर शहर की 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया था और उन्हें ब्लैकमेल किया गया था।उल्लेखनीय है कि 1992 के इस बहुचर्चित प्रकरण में लड़कियों की अश्लील तस्वीरें खींचकर उन्हें ब्लैकमेल किया गया था। पुलिस के अनुसार इन तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देकर 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया।मामले में अजमेर के एक मशहूर निजी स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को फार्म हाउस में बुलाया जाता था जहां उनके साथ दुष्कर्म किया जाता था। पीड़ित लड़कियों की उम्र 11 से 20 साल के बीच थी। इस मामले में कुल 18 आरोपी थे। इनमें से छह आरोपियों पर अलग से मुकदमा चल रहा है, जबकि बाकी आरोपी या तो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं या फिर अदालत से बरी हो चुके हैं। इनमें से कुछ पर अलग से भी मामले चल रहे हैं। विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने आरोपियों को सजा सुनाए जाने का स्वागत किया लेकिन कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा, विश्व हिन्दू परिषद अजमेर बलात्कार मामले में इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करती है और मांग करती है कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए सभी दोषियों को न केवल जेल में डाला जाए बल्कि उन्हें फांसी की सजा भी दी जाए।

प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ अफ्रीका को आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं: धनखड़

नई दिल्ली।(भाषा) उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के जरिए बढ़ता आर्थिक एकीकरण इसे निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियां और इसका अंतरिक्ष कार्यक्रम अफ्रीका के लिए हमारे साथ सहयोग बढ़ाने के लिए बड़ा अवसर प्रदान करता है।

धनखड़ ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के जरिए बढ़ता आर्थिक एकीकरण इसे निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की ड्यूटी फ्री टैरिफ प्रेफरेंस (डीएफटीपी) योजना आपसी विकास के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत 85 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उन्होंने कहा कि भारत ने 43 अफ्रीकी देशों में 206 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 12.37 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। अफ्रीकी संघ की प्राथमिकताओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए भारत क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण तथा शैक्षिक अवसर भी प्रदान करता है।

धनखड़ ने कहा, अफ्रीका में 16 नए राजनयिक मिशन खुलने से वहां राजनयिक उपस्थिति बढ़ रही है। महाद्वीप में भारतीय मिशन की कुल संख्या 46 हो गई है, जो हमारी वृद्धि का संकेत है। उन्होंने कहा, भारत एक उभरती अर्थव्यवस्था है। पिछले दशक में यह वृद्धि बेहद तेज और ऐतिहासिक रही। विश्वस्तर पर यह माना जाता है कि इसमें दुनिया और खासकर अफ्रीका को देने के लिए बहुत कुछ है।

नवाचार संस्कृति बदलते भारत की नई तस्वीर

श्रावस्ती। भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवांस्ड स्टडीज के सहयोग से हमारे देश की युवा पीढ़ी नवाचार से उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रही है। आओ करके सीखें की मूल अवधारणा को आत्मसात करते हुए बच्चों ने नए नए विचार को नवाचार में बदलते हुए उद्यमिता की मूलभावना को अपने जीवन में अंगीकार किया। राजकीय इंटर कॉलेज गब्बापुर सिरसिया श्रावस्ती में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रख्यात इनोवेटर इंजीनियर आनंद पांडेय ने बताया कि इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने कई ऐसे प्रोजेक्ट का विवरण समझाया जो कि एकदम नए नए विचारों से प्रेरित हैं। इनके विचार को भारत सरकार में बौद्धिक संपदा संरक्षण अधिनियम के तहत पेटेंट रजिस्ट्रेशन की अति आवश्यकता है ताकि इनकी सोच को मेक इन इंडिया के तहत प्रोडक्ट बनाकर कर उद्यमी बनने की तरफ अग्रसर किया जा सके।

राजकीय इंटर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हरी प्रताप त्रिपाठी ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के शिक्षक डॉ. परमानंद, मनोज कुमार शास्त्री ने बच्चों को गाइड करते हुए प्रेरित किया। इस विद्यालय के छात्रों के एक ग्रुप ने जिसमे प्रकाश मिश्र, रोहित कुमार, हर्षित कुमार, अशमा व मनदीप ने एक ऐसी डिवाइस का निर्माण किया जिससे ड्राइविंग के समय निद्रा आने की वजह से हमारे देश में लाखों की संख्या में मृत्यु हो रही है। ऐसे में बच्चों का आइडिया काबिले तारीफ़ है, उनके इस चश्मे को पहने से नींद आते ही आपको तुरंत जगाने का काम करेगी जिससे आप होने वाली दुर्घटना से बच जायेंगे। दूसरे प्रोजेक्ट गुप के सदस्य नगमा, मनदीप, विशाल गौतम, महक शुक्ला और राधिका ने ऐसे प्रोजेक्ट का निर्माण किया जिसके माध्यम से बिजली की बचत की जा सकेगी, अक्सर हम घर का पंखा और बल्ब चालू करके भूल कर हम बाहर चले जाते हैं ऐसी दशा में जैसे ही हम घर से बाहर जायेंगे हमारे कमरे का पंखा और बल्ब स्वत: ही बंद हो जायेगा। कुछ बच्चों ने पानी में बल्ब को जलाकर दिखाया तो कुछ ने बिजली से अजूबे प्रयोग करते हुए दिखे ।

राहुल गांधी अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट करें : भाजपा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस नेता से अनुच्छेद 370 एवं अनुच्छेद 35ए पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करने के लिए कहा। भाजपा महासचिव एवं केंद्रशासित प्रदेश के लिए पार्टी के संगठन प्रभारी तरुण चुघ ने कहा कि इस दौरे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र में लाई गई शांति और विकास से राहुल गांधी को परिचित होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन परिवारों ने पिछले कई दशकों से अपनी नीतियों से जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद के माहौल को भड़काया है जबकि 2014 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद वहां स्थितियां बदली हैं।

अपने व्यंग्य के जरिए अब भी पाठकों के बीच लोकप्रिय हैं हरिशंकर परसाई

जबलपुर (मप्र) (भाषा)। भ्रष्ट नौकरशाहों और राजनीतिक नेताओं, सांप्रदायिकता और साम्यवाद तथा हर प्रकार की सत्ता पर अपनी कलम के जरिए निशाना साधने वाले प्रसिद्ध व्यंग्यकार एवं लेखक हरिशंकर परसाई बृहस्पतिवार को शतायु हो जाते। मध्यप्रदेश में इटारसी के निकट जमानी गांव में जन्मे परसाई का निधन 10 अगस्त 1995 को जबलपुर में हुआ था, जहां उन्होंने अपना पूरा जीवन बिताया। उनके प्रशंसकों का कहना है कि उनकी रचनाएं हास्य-विनोद, व्यंग्य और राजनीति, धार्मिक कट्टरता, भ्रष्टाचार तथा अन्य नैतिक बुराइयों की तीखी आलोचना से परिपूर्ण हैं। साहित्यिक समुदाय हालांकि परसाई की विरासत का जश्न मनाता है, लेकिन हिंदी के इस दिग्गज व्यंग्यकार को स्मारक, संग्रहालय या पुस्तकालयों में उपयुक्त जगह देने के प्रति सरकारों और संस्थाओं की उदासीनता पाठकों और लेखकों को जरूर पीड़ा देती रहती है। आईटी पेशेवर सूरज दीक्षित ने पीटीआई-भाषा से कहा, परसाई ने लिखा था कि लेखक को आदरणीय होने से बचना चाहिए, आदरणीय हुआ कि वो गया। लेकिन क्या उनकी विरासत को सम्मान देने के लिए कोई जगह होनी चाहिए? निश्चित रूप से। यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था।

नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एमए की पढ़ाई पूरी करने और शिक्षण में डिप्लोमा हासिल करने के बाद परसाई के पास कोई स्थाई नौकरी नहीं थी, जब तक कि उन्होंने लेखन में अपना पूर्णकालिक करियर नहीं शुरू किया। फिर उन्होंने वसुधा नामक पत्रिका शुरू की। यह अल्पकालिक पत्रिका धन की कमी के कारण दो साल बाद ही बंद हो गई। परसाई सरल लेकिन तीखी भाषा में लिखते थे। वह नस्लवाद, उपभोक्तावाद, युद्ध और व्यापक भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों पर लिखकर हिंदी में व्यंग्य की क्रांति लाने के लिए जाने जाते हैं। यदि भोलाराम का जीव में वह भ्रष्ट नौकरशाही, लालफीताशाही और शासन व्यवस्था पर तीखा प्रहार करते हैं, तो इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर

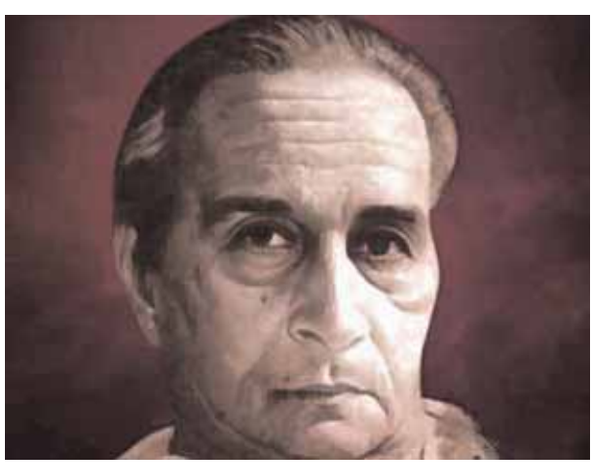

में भी उनकी लेखनी जबरदस्त है। यह कहानी एक ऐसे भारतीय पुलिस अधिकारी के बारे में है, जिसकी कार्यशैली की नैतिकता संदिग्ध है और जो व्यवस्था में भ्रष्टाचार लाकर पुलिस की कार्यकुशलता में सुधार लाने के लिए चांद पर चला जाता है। अपने जबरदस्त लेखन के कारण परसाई को 1982 में उनके व्यंग्य विकलांग श्रद्धा का दौर के लिए प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था। लेखक विष्णु नागर ने कहा, वह केवल व्यंग्यकार ही नहीं थे, बल्कि साहित्यकार भी थे। वे कहानियां लिखते थे और कविता में भी उनकी रुचि थी। उन्हें समाजशास्त्र और राजनीति की गहरी समझ थी। वह सिर्फ अपने लेखन पर निर्भर रहने वाले व्यक्ति थे। उनके अध्ययन का दायरा बहुत व्यापक था। नागर ने परसाई द्वारा अपने समकालीनों और पत्रकारों को दिए गए 17 साक्षात्कारों का संकलन परसाई का मन में प्रकाशित किया है। सत्ता में बैठे लोगों के तीखे आलोचक परसाई अपनी लेखनी में वामपंथ की ओर झुकाव रखते थे, लेकिन वह वाम राजनीति को भी नहीं बख्शते थे। लेखक प्रेम जनमेजय के अनुसार, परसाई ने उन सभी बातों के खिलाफ लिखा जो उनकी विचारधारा के अनुरूप नहीं थीं, लेकिन एक रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ लिखा। जनमेजय ने पीटीआई-भाषा से कहा, परसाई की सोच स्पष्ट थी कि वह कौन थे और क्या चाहते थे। उन्होंने सत्ता के खिलाफ लिखा, लेकिन वह किसी का पक्ष नहीं लेते थे। उन्होंने एक समय कम्युनिस्टों के खिलाफ भी लिखा और आपातकाल के दौरान भी उन्होंने इसके खिलाफ लिखा। मार्क्सवादियों को भी नहीं बख्शा।

धार्मिक कट्टरता और साम्यवाद एक सामाजिक बुराई थी जिसे परसाई ने अपने लेखन के माध्यम से लगातार निशाना बनाया। उन्होंने एक बार लिखा था: समस्याओं को इस देश में झाड़-फूंक, टोना-टोटका से हल किया जाता है। सांप्रदायिकता की समस्या को इस नारे से हल कर लिया गया - हिंदू-मुस्लिम, भाई-भाईउ

परसाई को सांप्रदायिक ताकतों का कटु आलोचक बताते हुए कवि अशोक वाजपेई ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके निधन के 30 साल बाद भी देश में उनके जैसा कोई व्यंग्यकार नहीं है।

इजराइल-हमास में नहीं हो पाया संघर्ष-विराम के लिए समझौता

● ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की यात्रा समाप्त

यरूशलम। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की नौवीं यात्रा समाप्त हो गई, लेकिन इस दौरान इजराइल और हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता नहीं हो सका। हमास और इजराइल द्वारा चुनौतियां बरकरार रहने के संकेत दिए जाने के बीच ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि समझौते को इसी समय करना बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लिंकन ने सहयोगी मध्यस्थ देशों मिस्र और कतर में बैठकों के बाद कहा कि चूंकि, इजराइल ने हमास के साथ मतभेदों को पाटने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, इसलिए अब हमास को साथ लाने के लिए हर संभव प्रयास करने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित है कि दोनों पक्ष समझौते के कार्यान्वयन संबंधी मुख्य बिंदुओं पर सहमत हों।

कतर से जाने से पहले पहले संवाददाताओं से कहा, हमारा संदेश सरल, स्पष्ट और अत्यावश्यक है। ब्लिंकन ने कहा, हमें संघर्ष-विराम और बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते को अंतिम रूप देने की आवश्यकता है, और हमें इसे अभी करना होगा। इसे इसी समय करना अहम है। ईरान और लेबनान में हमास और हिजबुल्ला के दो शीर्ष कमांडर की हाल में निशाना बनाकर हत्या किए जाने से समझौते की आवश्यकता और बढ़ गई है। दोनों कमांडर की हत्या के पीछे इजराइल का हाथ बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ईरान और हिजबुल्ला ने दोनों कमांडर की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के पूर्ण युद्ध में तब्दील होने की आशंका बढ़ गई है। हमास ने मंगलवार को कहा कि यह प्रस्ताव उसके द्वारा पहले जताई गई सहमति के विपरीत है। उसने अमेरिका पर इजराइल की नई शर्तों को स्वीकार करने का आरोप लगाया। अमेरिका की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

मिस्र में बैठकें करने से पहले ब्लिंकन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की। इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के चरमपंथियों के हमलों में लगभग ।,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक शामिल थे 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। ब्लिंकन और नेतन्याहू के बीच बैठक के बीच इजराइली सेना ने कहा कि उसे हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव मिले हैं। माना जाता है कि बंधकों में से लगभग 110 लोग अब भी गाजा में हैं, इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उनमें से लगभग एक-तिहाई की मौत हो चुकी है। नवंबर में एक हफ्ते के संघर्ष-विराम के दौरान 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के जवाबी हमलों ने 40,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के 23 लाख से अधिक निवासियों में से अधिकतर विस्थापित हो चुके हैं।

संदिग्ध हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में व्यापारिक जहाज को निशाना बनाया : ब्रिटिश सेना

दुबई। लाल सागर से गुजर रहे एक व्यापारिक जहाज पर बुधवार को कई हमले किए गए, जिसके चलते उसपर अब नियंत्रण नहीं रह गया है। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। ब्रिटिश सेना ने आशंका जताई है कि इस हमले को यमन के हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है जो पहले भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना चुके हैं। सेना के मुताबिक, हमले की विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हुई है लेकिन यह ऐसे समय किया गया है जब गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध के बीच, हूती विद्रोही जहाजों पर लक्षित हमले कर रहे हैं। ब्रिटिश सेना से संबद्ध ब्रिटिश समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने बताया कि छोटी-छोटी नौकाओं से आए हमलावरों ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेइदिया बंदरगाह से करीब 140 किलोमीटर पश्चिम में जहाज को छोटे हथियारों से निशाना बनाया। जहाज पर तीन रॉकेट भी दागे गए, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ए मिसाइल से किए गए हमले हैं या ड्रोन से दागे गए रॉकेट। यूकेएमटीओ ने बताया, पोत पर नियंत्रण नहीं रह गया है। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हूती विद्रोहियों ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन पूर्व में भी वह ऐसे हमलों की जिम्मेदारी घटना के कई घंटे या दिनों के बाद लेते रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अबतक हूती विद्रोहियों ने करीब 80 जहाजों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। उन्होंने एक जहाज पर कब्जा कर लिया, जबकि दो को डूबो दिया और इस दौरान चार नाविक मारे गए।

हसीना व उनके सहयोगियों पर एक और मुकदमा

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। इस महीने की चार तारीख को बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। हसीना ने देश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया था और तब से अबतक उनके खिलाफ कुल 33 मामले दर्ज किए गए हैं।

जातीयतावादी छात्र दल की सिलहट शहर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जुबेर अहमद ने सिलहट मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सुमन भुइया की अदालत में मामला दर्ज कराया। हसीना की बहन शेख रेहाना को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। द डेली स्टार अखबार ने मामले के विवरण के हवाले ए खबर दी कि आरोपियों ने चार अगस्त को सिलहट शहर के बंदरबाजार क्षेत्र में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी)और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा आयोजित एक शांतिपूर्ण रैली पर हमला किया, जिसमें कई लोगों को गोली लगी और वे घायल हो गए।

खबर के मुताबिक, अवामी लीग के महासचिव और पूर्व सड़क परिवहन मंत्री अब्दुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद, पूर्व कानून मंत्री अनीसुर रहमान और प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार सलमान एफ रहमान सहित अन्य लोगों को भी नामजद किया गया है। अखबार के मुताबिक, इस मामले के साथ ही हसीना पर अब 33 मुकदमे दर्ज हो गए हैं, जिनमें 27 हत्या के, चार मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के तथा एक अपहरण का मामला शामिल है।

हसीना सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अपने पद से इस्तीफा देकर पांच अगस्त को भारत भाग गईं। बांग्लादेश में हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर अंतरिम सरकार बनाई गई है और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ हाल ही में हुए छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाएगी। हसीना सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में बांग्लादेश में 230 से अधिक लोग मारे गए, जिससे सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य में छात्रों द्वारा शुरू किए गए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई।

मिशेल ओबामा ने राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस का समर्थन किया

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का जोरदार समर्थन करते हुए उन्हें इस पद के लिए अब तक की सबसे योग्य व्यक्ति बताया। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में मंगलवार रात अपने भाषण में मिशेल ने उपराष्ट्रपति हैरिस को ऐसी उम्मीदवार बताया, जिन्होंने मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से आकर अपना रास्ता बनाया। हैरिस को उम्मीदवार बनाए जाने की सराहना करते हुए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ने कहा, अमेरिका में एक बार फिर उम्मीद की किरण जगी है। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से आए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने स्थान पर खड़े होकर मिशेल ओबामा का जोरदार स्वागत किया।

हैरिस (59) बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार का नामांकन स्वीकार करेंगी। हैरिस का पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) से मुकाबला होगा। हाल में अपनी मां के निधन को याद करते हुए मिशेल (60) ने कहा कि वह उनके लिए प्रेरणास्रोत थीं और हैरिस की मां भी उनके लिए प्रेरणास्रोत थीं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन के बारे में मिशेल ने कहा, उनकी मां 19 साल की उम्र में भारत से आई थीं। कमला हैरिस इस अवसर के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वह राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य लोगों में से एक हैं। और यह उनकी मां, मेरी मां और शायद आपकी मां के लिए भी सबसे सम्मानजनक उपहार होगा। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि आप राजनीतिक रूप से किस रूप में पहचाने जाते हैं-चाहे आप डेमोक्रेट हों, रिपब्लिकन हों, स्वतंत्र हों या इनमें से कोई भी न हों, यह समय है कि हम उस बात के लिए खड़े हों जिसे हम अपने दिल में सही मानते हैं।

कमला हैरिस के पति ने मंच पर साझा की प्रेम कहानी

● पहली मुलाकात का किस्सा सुनाया

शिकागो। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने अपनी प्रेम कहानी साझा की और याद किया कि कैसे 2013 में एक ब्लाइंड डेट पर उनके बीच प्रेम की शुरुआत हुई और कमला के लिए एक अजीब वॉइस मैसेज छोड़ा था, जिसे वह उनकी शादी की हर सालगिरह पर सुनाती हैं। मंगलवार रात यहां डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर एमहॉफ ने यह किस्सा साझा किया, ताकि वह हैरिस के लिए समर्थन जुटा सकें। उन्होंने बताया कि उन्हें वकालत का पेशा बहुत पसंद है। वह बेटे कोल और बेटी एला के पिता बने, (पूर्व पत्नी) से तलाक लिया और फिर कुछ अप्रत्याशित हुआ -- हैरिस के साथ एक ब्लाइंड डेट पर गए।

एमहॉफ ने कहा, 2013 में, मैं एक मुवक्किल से विवादास्पद मुलाकात करने गया। हमने मुद्दे पर काम किया और बैठक के अंत में प्रसन्न मुवक्किल ने मुझे ब्लाइंड डेट पर जाने का प्रस्ताव दिया -- और इस तरह मुझे कमला हैरिस का फोन नंबर मिला। एमहॉफ (59) ने कहा कि उन्होंने एक लंबा और अजीब सा पहला वॉइसमेल छोड़ा था, जिसे हैरिस (59) अब हर वर्ष उनकी शादी की सालगिरह पर उन्हें सुनाती हैं। उन्होंने कहा, पीढ़ियों से लोग इस बात पर बहस करते रहे हैं कि जिस व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो रही है, उसे कब कॉल करना चाहिए, और पहले कभी किसी ने सुबह 8:30 बजे का सुझाव नहीं दिया। और फिर भी, मैंने उसी समय कॉल किया। मुझे कमला का वॉइसमेल मिला। मैं इधर-उधर की बातें बोलने लगा।

एमहॉफ ने कहा, मुझे याद है कि मैं हड़बड़ाहट में बोले गए शब्दों को स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा था। बहुत समय लगने के बाद, मैंने फोन काट दिया। लेकिन, कमला ने उस वॉइसमेल को सहेज लिया, और वह मुझे हर सालगिरह पर इसे सुनाती है। वह संदेश उस दिन की एकमात्र असामान्य बात नहीं थी। एमहॉफ ने कहा, कमला, जो आमतौर पर कार्यालय में कड़ी मेहनत करती थीं, संयोग से अपने अपार्टमेंट में ठेकेदार द्वारा रसोईघर में कुछ काम करने का इंतजार कर रही थीं। मैं अपनी मेज पर खाना खा रहा था, जो मेरे जैसे व्यस्त वकील के लिए आम बात नहीं थी, जो एक अच्छे बिजनेस लंच का आदी होता है। उन्होंने कहा, तभी उन्होंने मुझे वापस कॉल किया। हमने एक घंटे तक बात की। हम हंसे। आप उस हंसी को जानते हैं। मुझे वह हंसी बहुत पसंद है। शायद वह हमारी पहली डेट थी, या शायद वह शनिवार था, जब मैंने उन्हें गाड़ी में बिठाया और कहा, सीट बेल्ट बांध लो क्योंकि मैं असल में एक अच्छा चालक नहीं हूं। उन्होंने अपनी पत्नी को एक योद्धा और उनके बच्चों को प्यार करने वाली अभिभावक करार दिया।

लॉस एंजिल्स के वकील एमहॉफ ने हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने पर अपनी फर्म से छुट्टी ले ली थी। एमहॉफ की पहली शादी से दो संतान हैं। उन्होंने कहा कि हैरिस ने अपने परिवार को प्राथमिकता दी है, चाहे उनकी नौकरी कितनी भी व्यस्तता भरी क्यों न हो। हैरिस की जैविक संतान नहीं है। एमहॉफ ने कहा, आप में से जो लोग सौतेले बच्चों वाले परिवार से हैं, वे जानते हैं कि चीजें थोड़ी जटिल हो सकती हैं। लेकिन जैसे ही उन्होंने उसे (हैरिस को) मोमाला कहना शुरू किया, मैं जान गई कि सब कुछ ठीक रहने जा रहे है।

कांगो में गत एक सप्ताह में मंकीपॉक्स के एक हजार से अधिक नए मामले

केपटाउन। अफ्रीकी देश कांगो में मंगलवार को समाप्त हुए सप्ताह में एक हजार से अधिक मंकीपॉक्स के नए मामले सामने आए हैं। अफ्रीकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने महाद्वीप पर इसके बढ़ते खतरे से लड़ने में मदद के लिए अत्यंत आवश्यक टीकों की मांग की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही अफ्रीका में प्रकोप को वैश्विक आपातकाल घोषित कर चुका है। मंकीपॉक्स वायरस के उसी परिवार से संबंधित है जिनसे चेचक होता है, लेकिन यह बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द जैसे हल्के लक्षण पैदा करता है। यह अधिकतर यौन संबंध सहित त्वचा से त्वचा के नजदीकी संपर्क से फैलता है। ज्यादा गंभीर मामलों वाले लोगों के चेहरे, हाथ, छाती और जननांगों पर फोड़े हो सकते हैं। अफ्रीका के 54 देशों में से 12 देशों में मंकीपॉक्स के मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि कांगो में इस साल अब तक सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी)ने बताया कि 2024 में कुल 18,910 मामलों में से 94 प्रतिशत या 17,794 मामले अकेले कांगो में सामने आए हैं। केंद्र के मुताबिक इस साल इस बीमारी से 541 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 535 मौतें अकेले कांगो में हुई है। ए आंकड़े संभवत: कम आंके गए हैं, क्योंकि कांगो में पांच में से केवल एक संदिग्ध मामले की ही मंकीपॉक्स के लिए जांच की जा रही है। अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक डॉ. जीन कासेया ने कहा कि कई प्रभावित अफ्रीकी देशों में परीक्षण और निगरानी क्षमताएं सीमित हैं। अफ्रीका सीडीसी द्वारा मंगलवार देर रात उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में अफ्रीका में ।,405 नए मामलों में से ।,030 मामले कांगो में दर्ज किए गए। अफ्रीका में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों तथा कांगो में अधिक आसानी से फैलने में सक्षम वायरस के एक नए प्रकार की पहचान के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया। डब्ल्यूएचओ ने पूर्व में कहा था कि मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते दान जुटाने का उसका पिछला प्रयास विफल रहा। अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक ने बताया कि उनके संगठन से यूरोपीय संघ और टीका निर्माता कंपनी बवेरियन नॉर्डिक से मंकीपॉक्स रोधी टीक की 215,000 खुराक मुहैया कराने का वादा किया है। अमेरिका की सहायता एजेंसी ने कहा कि उसने कांगो को टीके की 50,000खुराक दान की है। जापान ने भी कांगो को टीके की कुछ खुराक दान की हैं। लेकिन अफ्रीका को संभवत: इससे कहीं अधिक की आवश्यकता है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अकेले उनके देश को इस प्रकोप से निपटने के लिए टीके की 30 लाख खुराक की आवश्यकता है, जो कम से कम चार निकटवर्ती अफ्रीकी देशों में फैल गया है।

विभाजन के बाद के दस्तावेजों से जुड़ी डिजिटलीकरण परियोजना का नेतृत्व कर रहा ब्रिटेन का विश्वविद्यालय

लंदन। ब्रिटेन का कोवेंट्री विश्वविद्यालय एक नई शोध पहल का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें 1947 में भारत के विभाजन के बाद के दो दशकों के लगभग 20,000 चित्रों, प्रिंट और दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। यह संग्रह मुंबई के हैमिल्टन स्टूडियो में रखा गया है तथा इसमें भारतीय इतिहास के लगभग 100 वर्षों तथा 6,00,000 से अधिक वस्तुओं का संग्रह है। डिजिटलीकरण परियोजना 1967 तक के दो दशकों पर केंद्रित है और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत में भारतीय उपमहाद्वीप के दो देशों (भारत और पाकिस्तान) में विभाजित होने के इतिहास को दर्शाती है। कोवेंट्री विवि ने कहा कि यह परियोजना कोवेंट्री डिजिटल की सफलता से प्रेरित है, जो 70,000 से अधिक स्थानीय चित्रों, वीडियो और दस्तावेजों का एक ऑनलाइन संग्रह है। कोवेंट्री विवि के क्रिएटिव इकोनॉमीज रिसर्च सेंटर में डिजिटल हेरिटेज एंड कल्चर के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोजेक्ट लीड बेन काइन्सवुड ने कहा, कोवेंट्री डिजिटल की सफलता ने सांस्कृतिक इतिहास को संरक्षित और साझा करने में डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा, मैं इस विरासत को भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तक विस्तारित करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाली पीढ़ियां इन अमूल्य ऐतिहासिक अभिलेखों तक पहुंच सके। काइन्सवुड विभाजन से जुड़ी सामग्री को डिजिटल बनाने के लिए हैमिल्टन स्टूडियो और अहमदाबाद में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के साथ मिलकर काम करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक विभाजन को पाटना, सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देना और यह बताना है कि विभाजन किस तरह भारत और उसके लोगों की कहानियों को आकार दे रहा है।

यूक्रेन ने अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया, सभी ड्रोन नष्ट किए : रूस

मॉस्को। यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया और उसके सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए हैं। रूसी प्राधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट किए। 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए, 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र में, छह बेलगोरोद में, तीन कलुगा में और दो ड्रोन कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गई मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए। रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। ब्रायंस्क क्षेत्र के गवर्नर एलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि उनके क्षेत्र पर बड़ा हमला किया गया।

ईरान की संसद ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों को मंजूरी दी

तेहरान। ईरान की संसद ने बुधवार को राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को मंजूरी दे दी। दो दशक से अधिक समय में यह पहली बार है कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों को मंजूरी दी गई है। रूढ़िवादी मानी जाने वाली संसद से मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों पर मंजूरी हासिल करना पेजेशकियन के लिए बड़ी कामयाबी है। पेजेशकियन को सुधारवादी कदमों के लिए जाना जाता है। पेजेशकियन ने मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद चुनाव में जीत हासिल की थी। सभी मंत्रियों के नामों पर संसद की मंजूरी यह दिखाती है कि पेजेशकियन ने सर्वसम्मति से मंत्रिमंडल का चयन किया है, जिसके नाम ईरान के धर्मतंत्र के सभी शक्ति केंद्रों को स्वीकार्य हैं।

पेजेशकियन ने एक तस्वीर ऑनलाइन पोस्ट की, जिसमें वह ईरान के न्यायपालिका प्रमुख, एक शिया धर्मगुरु, तथा देश के संसद अध्यक्ष के साथ खड़े नजर आए। पोस्ट में तस्वीर के साथ लिखा था ईरान में सर्वसम्मत निर्णय। पेजेशकियन के नए मंत्रिमंडल में अब्बास अराघची (61) भी शामिल हैं जो ईरान के नए विदेश मंत्री होंगे। अराघची ईरान के उस वार्ता दल के सदस्य थे, जिसने 2015 में विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौता किया था, जिसके तहत प्रतिबंधों को हटाने के बदले में तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाई गई थी। सांसदों से सबसे ज्यादा समर्थन पाने वाले उम्मीदवार देश के नए रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह हैं, जिन्हें 288 मौजूदा सांसदों में से 281 वोट मिले। संसद में 290 सीटें हैं। नसीरजादेह 2018 से 2021 तक ईरानी वायु सेना के प्रमुख थे। स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद रजा जफरघंडी को सबसे कम 163 वोट मिले। संसद ने पेजेशकियन द्वारा खुफिया मंत्री के लिए इस्माइल खातिब और न्याय मंत्री के लिए अमीन हुसैन रहीमी के नामों को भी मंजूरी दे दी।

नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में गुड महाराजा स्क्वायर पर श्रद्धांजलि अर्पित की

वारसा (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पोलैंड की राजधानी में गुड महाराजा स्क्वायर पर एक पोलिश-भारतीय स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पोलैंड की राजधानी में जामनगर के दिवंगत महाराजा की स्मृति में यह स्मारक बनाया गया है। मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। उन्होंने एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान नवानगर के जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा की स्मृति में बने स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मानवता और करुणा एक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण विश्व की महत्वपूर्ण नींव है। वारसॉ में नवानगर के जाम साहब स्मारक में जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा के मानवीय योगदान पर प्रकाश डाला गया है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के कारण बेघर हुए पोलिश बच्चों को आश्रय के साथ-साथ देखभाल भी सुनिश्चित की थी। उन्होंने कहा, जाम साहब को पोलैंड में डोबरी महाराजा के नाम से याद किया जाता है। उन्होंने स्मारक की तस्वीरें भी साझा कीं।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वारसॉ में डोबरी महाराजा स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नवानगर के जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा के उल्लेखनीय कृतज्ञतापूर्ण कार्य को सम्मानित किया। स्मारक का अनावरण अक्टूबर 2014 में वारसॉ के ओचोटा जिले के गुड महाराजा स्क्वायर में किया गया था। इसमें शिलालेखों के साथ एक छोटा ईंट का स्तंभ शामिल है। भारतीय दूतावास की वेबसाइट के अनुसार, पोलैंड में आठ प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों का नाम जाम साहब के नाम पर रखा गया है, जिन्हें पोलैंड में गुड महाराजा के नाम से जाना जाता है। महाराजा ने 1942 में नाजी जर्मनी और सोवियत रूस द्वारा पोलैंड पर कब्जे के बाद युद्धग्रस्त, कब्जे वाले पोलैंड और सोवियत शिविरों से लगभग ।,000 पोलिश बच्चों को शरण प्रदान की थी। इसमें कहा गया है कि जीवित बचे पोलिश बच्चों ने पोलिश एसोसिएशन का गठन किया है, जिसकी बैठक हर साल पोलैंड के किसी प्रमुख शहर में होती है।

वहीं पोलैंड में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने यहां पीटीआई वीडियो से कहा, प्रधानमंत्री द्वारा पोलिश नेतृत्व के साथ की जाने वाली चर्चाओं से दोनों पक्षों को विभिन्न विषयों पर शीर्ष स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। इस प्रकार की विस्तृत चर्चा हमने पिछले कुछ समय से नहीं की है। उन्होंने कहा कि पोलैंड यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण सदस्य है।

शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही बस ईरान में दुर्घटनाग्रस्त, कम से कम 28 की मौत

भाषा। तेहरान

शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को इस हादसे में करीब 28 जायरीनों की मौत होने तथा 23 अन्य के घायल होने की जानकारी दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने स्थानीय आपातकालीन सेवा के अधिकारी मोहम्मद अली मालकजादेह के हवाले से बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात राजधानी तेहरान से लगभग 500 किलोमीटर (310 मील) दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत के तफ्त शहर के बाहरी इलाके में हुआ। मालकजादेह के मुताबिक, हादसे में 23 जायरीन घायल हो गए, जिनमें से 14 को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बस में कुल 51 लोग सवार थे और ए सभी पाकिस्तान के रहने वाले हैं।

ईरान के सरकारी समाचार चैनल ने राजमार्ग पर पलटी पड़ी दुर्घटनाग्रस्त बस की तस्वीरें प्रसारित कीं, जिसकी छत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और सभी दरवाजे खुले हुए थे। दुर्घटनास्थल पर बचावकर्मी सड़क पर बिखरे कांच के टुकड़ों और मलबे के बीच शवों और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाते नजर आए। चैनल पर प्रसारित खबर में मालकजादेह ने हादसे के लिए बस के ब्रेक फेल होने और चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने बताया कि बस में दक्षिणी सिंध प्रांत के लरकाना शहर के जायरीन सवार थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि इस हादसे से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और राजनयिक प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

पाकिस्तानी जायरीन अरबईन के लिए इराक जा रहे थे। अरबईन इस्लाम के इतिहास की पहली शताब्दी के दौरान कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मुहम्मद के नवासे हुसैन की शहादत के 40वें दिन उनकी याद में किया जाने वाला एक अनुष्ठान है। हुसैन को पैगंबर मुहम्मद का असली उत्तराधिकारी माना जाता है। बताया जाता है कि जब हुसैन ने उमय्यद शासक यजीद प्रथम के साथ आने से इनकार कर दिया था, तब कर्बला में लड़ाई छिड़ गई, जिसमें हुसैन और उनके कुछ साथी शहीद हो गए। अरबईन के लिए हर साल दुनियाभर के करोड़ों जायरीन इराक के कर्बला में एकत्र होते हैं।

पर्वत चोटी पर फंसे दो और रूसी पर्वतारोहियों को बचाया, एक अब भी लापता

इस्लामाबाद। पूर्वोत्तर पाकिस्तान की एक दुर्गम पर्वत चोटी पर छह दिन से फंसे दो रूसी पर्वतारोहियों को मंगलवार को बचा लिया गया, जबकि एक अन्य पर्वतारोही अब भी लापता है और माना जा रहा है कि उसकी मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पांच सदस्ईय रूसी पर्वतारोहण दल 2023 में गशेरब्रम पर्वत पर लापता हुए एक पर्वतारोही का शव तलाशने के अभियान के तहत काराकोरम पर्वत शृंखला की इस दुर्गम चोटी के लिए रवाना हुआ था। पिछले शुक्रवार को यह दल बर्फ के एक विशाल ढेर की चपेट में आ गया था।

सोमवार को पाकिस्तान के सैन्य हेलीकॉप्टर ने दल में शामिल दो पर्वतारोहियों को सुरक्षित निकाल लिया था। बचावकर्मियों ने कहा था कि दो अन्य पर्वतारोही अपनी चोटों के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं, इसलिए उन्हें निकालने के लिए अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत है। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के सचिव कर्रार हैदरी ने बताया कि एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से पर्वत चोटी पर फंसे दो और रूसी पर्वतारोहियों को निकाल लिया। उन्होंने कहा कि पांचवां पर्वतारोही एक हिम दरार में गिर गया और उसका पता नहीं लगाया जा सका है। हैदरी के मुताबिक, बुधवार को दोनों पर्वतारोहियों को पर्वत चोटी से आधार शिविर ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने कहा, दोनों पर्वतारोहियों को हवाई मार्ग से स्कार्दू शहर के एक अस्पताल ले जाया जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। हम दोनों को अस्पताल पहुंचाने के अन्य उपाय खोज रहे हैं।

बांग्लादेश में आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित, होटलों में कमरे खाली

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में हाल ही में एक महीने से अधिक समय तक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने राजधानी ढाका में आतिथ्य क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है और यहां कई महंगे और किफायती होटलों के अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं। ढाका बांग्लादेश की राजनीतिक और वित्तीय राजधानी है और अंतरराष्ट्रीय होटल श्रृंखलाओं द्वारा प्रबंधित कई बड़े होटल यहां स्थित हैं जो बड़े पैमाने पर कारोबारी यात्रियों को सेवाएं प्रदान करते हैं। इनमें से कई होटल के वरिष्ठ प्रबंधकों का कहना है कि अशांति का सबसे ज्यादा असर जुलाई में महसूस किया गया जब बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द हुई जिसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

पॉश इलाकों में स्थित कुछ महंगे और किफायती होटल के कर्मचारियों से बातचीत की और उन सभी ने ढाका में आतिथ्य क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की एक निराशाजनक तस्वीर पेश की। एक महंगे होटल के बिक्री विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर पीटीआई-भाषा को बताया, स्थिति अब थोड़ी बेहतर है लेकिन हमारे क्षेत्र में सामान्य स्थिति से कोसों दूर है क्योंकि अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं। हालांकि, कारोबारी यात्रियों का एक वर्ग अशांति के बाद अब भी आ रहा है लेकिन कमरों में ठहरने वाले अतिथियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, हमारे पास विभिन्न श्रेणियों में 150 कमरे हैं। अभी करीब 35 कमरे ही भरे हुए हैं। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

उन्होंने इलाके में चार-पांच अगस्त की स्थिति को याद किया जब अराजकता चरम पर पहुंच गई थी जिसके कारण बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था और बांग्लादेश में संकट पैदा हो गया था। हालात बिगड़ने पर होटल प्रशासन को अपनी महिला कर्मचारियों को चार-पांच अगस्त को घर पर ही रहने को कहना पड़ा था जबकि पुरुष कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था होटल परिसर में ही की गई थी। पांच अगस्त को हसीना सरकार गिरने वाले दिन आई चुनौतियों पर पांच सितारा होटल के वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा कि उस दिन अतिथियों में जर्मनी, रूस, स्विट्जरलैंड, भारत और बांग्लादेश के नागरिक शामिल थे और होटल में कूटनीतिक समुदाय के कुछ सदस्य भी थे। उन्होंने कहा, हमने होटल सील करके उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और किसी को भी बाहर जाने या अंदर आने नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों ने होटल इमारत तक मार्च भी किया लेकिन हमारी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अन्य होटल के कर्मचारियों ने भी ऐसी ही कहानी बयां की।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

रौनक दहिया को कांस्य तीन महिला पहलवान सेमीफाइनल में पहुंचीं

भाषा। अम्मान (जॉर्डन)

भारत की तीन महिला पहलवानों ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि ग्रीको रोमन पहलवान के रौनक दहिया ने 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अदिति कुमारी ने यूक्रेन की कैरोलिना शपेरिक (10-0) और मरियम मोहम्मद अब्देलाल (4-2) को हराकर महिला कुश्ती के 43 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत एलेक्सांद्रा बेरेजोवस्काइया से होगी। नेहा ने 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में बिना कोई अंक गंवाएं जगह बनाई। उन्होंने यूनान की माइरी मेनी को चित्त करने के बाद जॉर्जिया की मिरांडा केपेनाद्जे को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। वह अंतिम चार के मुकाबले में कजाखस्तान की अन्ना स्ट्रेटेन के खिलाफ उतरेंगी।

पुल्कित ने 65 किग्रा वर्ग में चीन के लिंग केइ को पछाड़ने के बाद जूलियाना केटेनजारो के खिलाफ 9-0 से जीत दर्ज की। वह फाइनल में जगह बनाने के लिए मिस्र की मराम इब्राहिम ऐली से भिड़ेंगी। अपने आयु वर्ग की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-। से हराया। यह मौजूदा चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता जिन्होंने तकनीकी दक्षता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मुसान एरासिल को हराना होगा।

लगातार कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि

लेकिन जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण बोले हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत

भुवनेश्वर (भाषा)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि कई मौके बनाने के बावजूद पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को बड़ी उपलब्धि करार दिया। भारत ने पेरिस में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता और इस तरह से तोक्यो ओलंपिक खेलों का प्रदर्शन दोहराया। इससे पहले सेमीफाइनल में उसे मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था।भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया। हरमनप्रीत ने इस अवसर पर पीटीआई वीडियो से कहा, जर्मनी के खिलाफ मैच बेहद करीबी था। हमने कई मौके बनाए लेकिन उस दिन भाग्य हमारे साथ नहीं था और कुछ अवसरों पर हम चूक गए। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि कांस्य पदक जीतना भी बहुत महत्वपूर्ण था। यह टूर्नामेंट मैं हमारा आखिरी मैच था और मैच जीतने के बाद बहुत खुशी महसूस हो रही है। हमारी कोशिश थी कि हम अपना सपना (स्वर्ण जीतने का) पूरा करें लेकिन किसी तरह से किस्मत ने हमारा साथ नहीं दिया। हरमनप्रीत ने कहा, हमारे पास कांस्य पदक जीतने का मौका था और हम जीत के लक्ष्य के साथ ही मैदान पर उतरे। हमने लगातार दो पदक जीते हैं और यह बड़ी उपलब्धि है। भारतीय कप्तान ओडिशा में मिले स्वागत और सम्मान से बेहद खुश थे।उन्होंने कहा, हमें हर तरफ से प्यार और सम्मान मिल रहा है। जब भी टीम यहां आती है, चाहे वह किसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए हो या पदक जीतने के बाद, हमेशा अच्छा लगता है... हमें यहां बहुत सम्मान मिलता है। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने टीम के सदस्यों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की जिसमें राज्य के स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ रुपए दिए गए। भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश को 50 लाख रुपए दिए गए जबकि टीम के अन्य खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपए दिए गए। सहयोगी स्टाफ को 10-10 लाख रुपए दिए गए। हरमनप्रीत ने हॉकी को प्रायोजित करने के लिए राज्य सरकार का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यहां हॉकी के लिए बहुत अच्छी सुविधाएं हैं। यहां अच्छे स्टेडियम और अच्छे मैदान हैं तथा हमें ओडिशा सरकार का समर्थन मिलता रहा है। इस तरह के बड़े टूर्नामेंट का आयोजन करना और दर्शकों को स्टेडियम तक लाना बड़ी बात है। मैं टीम की तरफ से राज्य का आभार व्यक्त करता हूं।

श्रीजेश को दो करोड़ का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की।मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया।इसमें कहा गया, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बोर्डर-गावस्कर ट्राफी

कोहली, स्मिथ अपना दबदबा कायम करना चाहेंगे: हेडन

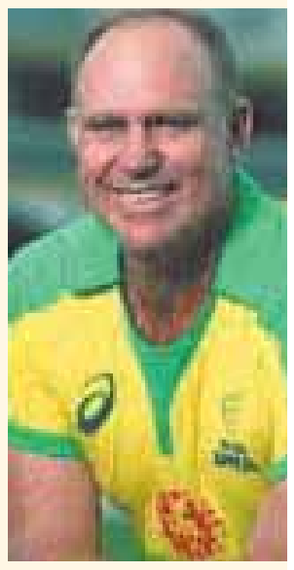

मुंबई(भाषा) ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आगामी बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला में अपना दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे जिसमें रन बनाना आसान नहीं होगा। अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले हेडन ने कहा कि कोहली और स्मिथ दोनों ही अपने-अपने तरीके से दबदबा बनाना पसंद करते हैं और इस श्रृंखला का नतीजा ऑस्ट्रेलिया में कैसा निकलेगा, यह तय करने में इन दोनों की अहम भूमिका होगी। हेडन ने बुधवार को सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स के इतर कहा, क्रिकेट लय का खेल है और मुझे यकीन है कि अपने क्रिकेट करियर के अंतिम दौर में पहुंच चुके ए दोनों खिलाड़ी गर्मियों में भी दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे। उन्होंने कहा, यह उनका स्वभाव है। वे इसे बहुत अलग-अलग तरीकों से, बहुत अलग-अलग शैलियों में करते हैं और निश्चित रूप से वे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया 1991-92 के बाद पहली बार 22 नवंबर से पर्थ में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआती करेंगे और हेडन ने कहा कि यह सही कदम है क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। उन्होंने कहा, क्या यह बहुत बढ़िया नहीं है कि यह श्रृंखला हैवीवेट मुकाबले की ओर बढ़ रही है, कोई सर्वकालिक महानतम (लियोन) खिलाड़ी (जायसवाल) के पीछे जा रहा है, जो मेरी राय में भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। हां, वह निश्चित रूप से ऐसा साबित कर रहा है।

भारतीय बल्लेबाज स्पिन खेलने में थोड़े पिछड़ गए हैं: सहायक कोच डोएशे

नई दिल्ली (भाषा)। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन खेलने की क्षमता को प्रभावित किया है और उनका काम महत्वपूर्ण सत्र से पहले उन्हें फिर से इसमें निपुण बनाना है जिसमें पांच घरेलू टेस्ट भी शामिल हैं। पारंपरिक रूप से स्पिन के खिलाफ मजबूत भारत ने इस महीने की शुरुआत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ 27 विकेट गंवाए और उसे श्रृंखला में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह 27 वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ भारत की पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला हार थी। डोएशे ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से कहा, हम श्रीलंका के खिलाफ हार गए। भारत की मानसिकता ऐसी रही है कि वे विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत बेताब हैं।

उन्होंने कहा, हमारा ध्यान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। हमने स्पिन खेलना छोड़ दिया है जो हमेशा से भारतीय टीम की ताकत रही है लेकिन अब हम थोड़ा पीछे रह गए हैं। डोएशे ने कहा, यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं करने के लिए उत्सुक हूं जिससे कि हम उस स्थिति में पहुंच सकें जहां भारतीय फिर से दुनिया में स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकें। भारत को सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। इन दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं।दुनिया भर में कोचिंग का अच्छा अनुभव रखने वाले नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डोएशेने कहा कि स्पिन खेलना तकनीकी बदलाव लाने के बजाय मानसिक बदलाव लाने के बारे में है। नीदरलैंड का यह 44 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी अभिषेक नायर के साथ मिलकर मुख्य कोच गौतम गंभीर की सहायता करेगा। डोएशे ने कहा कि टीम अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए भी बेताब है। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी (फरवरी 2025) होनी है। तैयारी के लिए केवल तीन एकदिवसीय मैच बचे हैं इसलिए प्रारूपों के बीच बदलाव करना और टीम को उसके लिए तैयार करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण होगा। डोएशे ने कहा कि अगले साल जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालीफाई करना टीम इंडिया के लिए एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत अभी डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है और ऑस्ट्रेलिया उसके करीब है। डोएशे भारत द्वारा खेले जाने वाले 10 टेस्ट मैचों का उपयोग टीम की स्थिति को मजबूत करने के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उत्सुक हैं... 10 टेस्ट बचे होने के कारण यह एक शानदार अवसर है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में श्रीलंका की खराब शुरुआत

मैनचेस्टर। (एपी) श्रीलंका की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में बुधवार को यहां शुरुआत खराब रही और टीम लंच तक पांच विकेट पर 80 रन बनाकर संकट में है। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने सातवें ओवर में ही मेहमान टीम का स्कोर छह रन पर तीन विकेट कर दिया। दिनेश चांदीमल (17) और कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन लंच से ठीक पहले ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की नीची रहती गेंद पर चांदीमल पगबाधा हो गए। लंच के समय धनंजय 28 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि कामिंदु मेंडिस पांच रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। गस एटकिंसन छठे ओवर में दिमुथ करूणारत्ने (02) को विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराके टीम को पहली सफलता दिलाई। क्रिस वोक्स ने अगले ओवर में निशान मदुष्का (04) और एंजेलो मैथ्यूज (00) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका को दोहरा झटका दिया। कुसाल मेंडिस (24) ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन मार्क वुड की उछाल लेती गेंद उनके दाएं हाथ के अंगूठे को छूकर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों में चली गई।

आयुब-शकील के अर्धशतक, पाकिस्तान ने चार विकेट पर 158 रन बनाए

रावलपिंडी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने अनुकूल हालात का फायदा उठाकर पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को समेटा लेकिन सैम आयुब और सउद शकील के अर्धशतक से मेजबान टीम पहले क्रिकेट टेस्ट के मौसम से प्रभावित पहले दिन चार विकेट पर 158 रन बनाने में सफल रही। सुबह बारिश के कारण टॉस में साढ़े चार घंटे का विलंब हुआ। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और जल्द ही पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 16 रन कर दिया। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुब (56) और उप कप्तान शकील (नाबाद 57) ने इसके बाद चौथे विकेट के लिए 98 रन की तेज साझेदारी करके पारी को संभाला। तेज गेंदबाज हसन महमूद (33 रन पर दो विकेट) ने आयुब को तीसरी स्लिप में कैच हराके इस साझेदारी को तोड़ा। आयुब ने 98 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा। दिन का खेल खत्म होने पर विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 24 रन बनाकर शकील का साथ निभा रहे थे। इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया। हसन ने अब्दुल शफीक (02) को चौथे ही ओवर में पवेलियन भेजा जिनका गली में जाकिर हसन ने शानदार कैच लपका। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद (06) विवादास्पद फैसले का शिकार हुए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरीफुल इस्लाम (30 रन पर दो विकेट) की गेंद पर मैदानी अंपायर ने उन्हें विकेट के पीछे कैच आउट नहीं दिया लेकिन डीआरएस लेने पर टीवी अंपायर डेरेन गफ ने उन्हें आउट करार दिया। मसूद मैदानी अंपायर रिचर्ड कैटलब्रो से बहस करने के बाद निराश होकर वापस लौटे। बाबर आजम भी इसके बाद शोरीफुल की गेंद लेग साइड पर फ्लिक करने की कोशिश में विकेटकीपर लिटन दास के हाथों लपके गए। वह खाता भी नहीं खोल पाए।

लुसाने डाइमंड लीग के लिए तैयार नीरज चोपड़ा

लुसाने (भाषा) पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के दो हफ्ते बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को लुसाने डाइमंड लीग मीट में फिर भाग लेंगे और अगले महीने सत्रांत डाइमंड लीग ट्रॉफी को फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से जूझ रहे नीरज ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने तीन साल पहले तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 साल के नीरज ने शनिवार को लुसाने में डायमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी जिसके कारण अब उनकी सर्जरी पर फैसला सत्र की समाप्ति के बाद होगा। नीरज 2022 में डाइमंड लीग चैंपियन थे और पिछले साल अमेरिका के यूजीन में विनर-टेक-ऑल डाइमंड लीग फाइनल में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। मौजूदा सत्र का डाइमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उन्हें डाइमंड लीग मीटिंग सीरीज तालिका में शीर्ष छह में रहना होगा। पांच सितंबर को ज्यूरिख में एक और डाइमंड लीग प्रतियोगिता होनी है जिसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी शामिल है। दस मई को दोहा डाइमंड लीग में वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहने से वह सात अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। आठ अगस्त को ओलंपिक फाइनल के बाद नीरज ने स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण शुरू कर दिया और चोट की समस्या के बावजूद इस सत्र को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नीरज ने पिछले सप्ताह कहा था, मैं डाइमंड लीग से पहले प्रशिक्षण के लिए स्विट्जरलैंड आया। सौभाग्य से मेरी चोट गंभीर नहीं हुई क्योंकि मैंने उसका अतिरिक्त ध्यान रखा। उन्होंने कहा, मैंने अधिकतर अन्य एथलीटों की तरह अपना सत्र जारी रखने के बारे में सोचा। सत्र समाप्त होने में अभी एक महीना बाकी है। मैं अपने खाली समय में डॉक्टरों के पास जाऊंगा।

भारतीय पैरा एथलीटों की निगाहें 12 पदक पर

पैरालंपिक के लिए अंतिल की अगुआई में पहला जत्था पेरिस रवाना

नई दिल्ली। (भाषा) पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारत के पैरालंपिक एथलीटों का पहला जत्था स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुआई में पेरिस पैरालंपिक के लिए रवाना हो गया है। परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं। देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे। पैरालंपिक में अपने खिताब की रक्षा करने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास की सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस आठ सितंबर तक स्टेड डी फ्रांस में आयोजित की जाएंगी। इसी स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक के दौरान सक्षम खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की थी। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने पीटीआई को बताया, सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे। नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है। इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। सत्यनारायण ने कहा, कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। पेरिस खेलों में भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम की पदक संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य कम से कम पांच स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीतना है। यह पैरालंपिक में हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। सत्यनारायण की उम्मीदें मई में जापान के कोबे में 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अभूतपूर्व सफलता से जुड़ी हैं जहां भारत छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर रहा था।

सतीश जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल म

योकोहामा (जापान)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरन ने बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के मैच के बीच में चोटिल होने के कारण हटने पर जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत के 23 साल के सतीश जब 6-। से आगे चल रहे थे तब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंटोनसन ने योकोहामा एरेना में मुकाबले के तीसरे मिनट में ही हटने का फैसला किया। दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सतीश प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के केंटाफोन वैंगचेरोएन से भिड़ेंगे। किरण जॉर्ज को हालांकि इस सुपर 750 टूर्नामेंट के पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के केंता सुनेयामा के खिलाफ 19-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी का भी अभियान खत्म हो गई। यह जोड़ी पहले दौर में डेनमार्क के जेस्पर टॉफ्ट और एमेली मेगलुंड के खिलाफ मुकाबले के बीच से हट गई। महिला युगल में स्तुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को भी पहले दौर में जूली फिन इपसेन और माई सुरो की डेनमार्क की जोड़ी के खिलाफ 34 मिनट में 8-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। हाल में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाला कोई भी भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहा।

कोचों पर अत्यधिक निर्भरता से डगमगाने लगता है खिलाड़ियों का आत्मविश्वास

भाषा। नई दिल्ली

रविचंद्रन अश्विन को लोगों पर निर्भर रहना पसंद नहीं है और यही कारण है कि वह कभी भी पारंपरिक रूप से कोच पर निर्भर रहने के विचार के पक्ष में नहीं रहे क्योंकि उनका मानना है कि इस तरह की निर्भरता खिलाड़ियों को हठधर्मी बनाती है।

अपने 14 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में अश्विन ने विभिन्न प्रारूपों में अब तक 281 मैच खेले हैं और 744 विकेट चटकाए हैं। अश्विन की समझदारी और बार-बार खुद को खोजने की उनकी क्षमता ने उन्हें मुश्किल समय में टिके रहने में मदद की है। इस 37 साल के ऑफ स्पिनर ने हाल ही में पीटीआई को टेलीफोन पर दिए इंटरव्यू में कहा, बहुत सारे खिलाड़ी कोच या मार्गदर्शक या किसी एक व्यक्ति पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं जो मुझे लगता है कि बहुत खतरनाक प्रवृत्ति है क्योंकि लोगों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण आप नए विचारों के लिए तैयार नहीं होते। ऐसा नहीं है कि अश्विन के पास कभी कोई मार्गदर्शक नहीं रहा। उनके राज्य टीम के पहले कोच डब्ल्यूवी रमन भारतीय क्रिकेट के सम्मानित नामों में से एक हैं और तमिलनाडु के दिग्गज तथा पूर्व भारतीय बल्लेबाज एस बद्रीनाथ उनके लिए मार्गदर्शक रहे हैं। लेकिन उनके साथ उनका समीकरण कभी भी उस तरह की निर्भरता में नहीं बदला जो समाधान खोजने की उनकी खुद की क्षमता को खत्म कर दे।उन्होंने कहा, अक्सर कोच की चुनौती आपके लिए कई समाधान देने में सक्षम होना होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो एक (विशेष खिलाड़ी) के लिए काम करता है, वह शायद दूसरे के लिए काम नहीं करे। हाल ही में आई हैव द स्ट्रीट्स: ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी के साथ एक लेखक के रूप में शुरुआत करने वाले अश्विन ने कहा, एक आधुनिक कोचिंग का पहलू जिससे मैं पूरी तरह असहमत हूं, वह यह है कि वे उसी तकनीक (समाधान) को कॉपी-पेस्ट करने की कोशिश करते हैं जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए काम कर चुकी है। हालांकि वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि कुछ खिलाड़ी अपने कोच के नजरिए के सामने समर्पण करके नतीजे हासिल करते हैं लेकिन उन्हें यह भी लगता है कि इस तरह की निर्भरता आपकी सोच को सीमित कर सकती है। भारत के सबसे सफल टेस्ट गेंदबाजों की सूची में दिग्गज अनिल कुंबले के बाद दूसरे स्थान पर मौजूदा अश्विन ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर आपको लगातार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए आपको अपने जवाब खुद ही तलाशने चाहिए। अपने करियर में रमन की भूमिका पर अश्विन ने कहा, लोग आपकी मदद कर सकते हैं। लेकिन वे आपके करियर में आपका मार्गदर्शन नहीं कर सकते, आपको नए विचारों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, डब्ल्यूवी (रमन) ने मुझे खुद को जाहिर करने की स्वतंत्रता दी और आप जानते हैं, नई चीजों को आजमाने की। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि मुझे कैसे और किस रास्ते पर चलना है लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा, यह वह रास्ता है जिस पर आपको चलना है।। अश्विन ने कहा, तो एक तरह से, मेरे शुरुआती दिनों में, डब्ल्यूवी के मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मैं कभी भी किसी पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहा। अश्विन ने कहा कि दूसरी राय लेना कभी भी बुरा विचार नहीं है लेकिन क्रिकेट मुख्य रूप से एक स्वयं सिखाया हुआ खेल है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।